विषय: - स्नातकोत्तर और विश्वविद्यालय स्तर के छात्रों में स्पिरिचुअल इंटेलिजेंस के स्तर का अध्ययन करने के लिए

शिक्षा के क्षेत्र में छात्रों की भागीदारी के विषय में प्रकाशित

द्वारा
अंजुम परवीन
रोल नं .1801044003
उपस्थिति नं. 1600100806
एम.एड द्वितीय वर्ष

प्रस्तुत की गाइड
डॉ. जेबा अकील
एसोसिएट प्रोफेसर

शिक्षा विभाग

इंटीग्रल यूनिवर्सिटी (2018-20)

प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित करना है कि डीआर द्वारा प्रस्तुत "ग्रैडुएट और पोस्ट ग्रैडुएट स्टूडेंट्स की स्पिरिचुअल इंटेलिजेंस का अध्ययन करने का हकदार" निबंध। समय की अवधि में मास्टर्स ऑफ एजुकेशन की डिग्री की पूर्ति के लिए ज़ेबा आकिल दिया गया है।

डॉ। ज़ेबा आकिल

सह - आचार्य

शिक्षा विभाग

इंटीग्रल यूनिवर्सिटी

लखनऊ

घोषणा

मैं इसके द्वारा घोषणा करता हूं कि थीसिस का विषय मेरे द्वारा किए गए काम का रिकॉर्ड है, कि शोध प्रबंध की सामग्री ने मुझे किसी भी पिछले डिग्री के पुरस्कार का आधार नहीं बनाया या किसी और को मेरे सर्वोत्तम ज्ञान का आधार नहीं बनाया। यह पूरी तरह से मेरा काम है।

यह परास्नातक शिक्षा की डिग्री के लिए अभिन्न विश्वविद्यालय में प्रस्तुत किया जा रहा है।

शोधकर्ता

अंजुम परवीन

एम.एड 2 वर्ष

इंटीग्रल यूनिवर्सिटी।

स्वीकृति

सभी ईमानदारी और सम्मान के साथ, मैं अपने पर्यवेक्षक डीआर के प्रति आभार व्यक्त करता हूं। ज़ेबा आकिल, एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षा विभाग इंटीग्रल यूनिवर्सिटी। मैं उनके विद्वत्तापूर्ण मार्गदर्शन, उत्साहजनक रवैये, रचनात्मक सुझाव और श्रमसाध्य प्रयासों की गहराई से सराहना करता हूं जिसने इस शोध कार्य को संभव बनाया।

मैं अपने छात्रों में निरंतर सहयोग और विश्वास के लिए, और शिक्षा विभाग के संकाय सदस्य को भी धन्यवाद देता हूं, जिन्होंने इस शोध कार्य में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अपनी मदद का हाथ बढ़ाया।

मैं अपने परिवार के सदस्यों के लिए, उनके धैर्य और निरंतर समर्थन के लिए बहुत श्रद्धा के साथ स्वीकार करता हूं कि उन्होंने मुझे इस काम को पूरा करने में सहयोग दिया।

जिन्होंने इस शोध कार्य में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अपनी मदद का हाथ बढ़ाया।

मैं अपने परिवार के सदस्यों के लिए, उनके धैर्य और निरंतर समर्थन के लिए बहुत श्रद्धा के साथ स्वीकार करता हूं कि उन्होंने मुझे इस काम को पूरा करने में सहयोग दिया।

मैं अपने दोस्तों को मुझे प्रेरित करने और मुझे प्रोत्साहित करने के लिए अपना धन्यवाद व्यक्त करना चाहता हूं।

अंत में, मैं कभी भी उन सभी का ऋणी रहूंगा जिन्होंने मुझे इस रूप में इस शोध कार्य को प्रस्तुत करने में मदद की।

अंजुम परवीन

एम.एड 2 वर्ष

इंटीग्रल यूनिवर्सिटी

तालिकाओं की सूची

तालिका	शीर्षक	पृष्ठ सं।
4.5.1	डेटा का चित्रमय प्रतिनिधित्व लिंग	95
4.5.2	डेटा का चित्रमय प्रतिनिधित्व धारा	96
5.1	आध्यात्मिक बुद्धि पर पुरुष और महिला छात्र। के आधार पर वितरण का आरेखीय प्रतिनिधित्व	105
5.2	स्ट्रीम के आधार पर वितरण का आरेखीय प्रतिनिधित्व	109
5.3	यूजी आधार पर वितरण का आरेखीय प्रतिनिधित्व	112
5.4	पीजी स्तर के आधार पर वितरण का आरेखीय प्रतिनिधित्व	114

आंकड़ों की सूची

चित्र संख्या	शीर्षक	पृष्ठ सं।
4.5	**लखनऊ शहर के विश्वविद्यालय के छात्र**	**94**
4.5.1	**डेटा का चित्रमय प्रतिनिधित्व लिंग**	**95**
4.5.2	**डेटा का चित्रमय प्रतिनिधित्व धारा**	**96**
5.1	**आध्यात्मिक बुद्धि पर पुरुष और महिला छात्र। के आधार पर वितरण का आरेखीय प्रतिनिधित्व**	**105**
5.2	**स्ट्रीम के आधार पर वितरण का आरेखीय प्रतिनिधित्व**	**109**
5.3	**यूजी आधार पर वितरण का आरेखीय प्रतिनिधित्व**	**112**
5.4	**पीजी स्तर के आधार पर वितरण का आरेखीय प्रतिनिधित्व**	**114**

1.परिचय:-

"खुफिया संज्ञानात्मक व्यवहारों के पूरे वर्ग को संदर्भित करता है जो अंतर्दृष्टि के साथ समस्याओं को हल करने, खुद को नई स्थितियों के लिए अनुकूल बनाने, अमूर्त सोचने और अपनेअनुभवों से लाभ उठाने की क्षमता को दर्शाता है।" - रॉबिन्सनएंडरॉबिन्सन: मानसिक रूप से सेवानिवृत्तबच्चा, 1965।

"बुद्धिमत्ता, तर्कसंगत ढंग से सोचने और अपने पर्यावरण के साथ प्रभावी ढंग से निपटने के लिए व्यक्ति की उद्देश्यपूर्ण या वैश्विक क्षमता है।" -वैकलर: वयस्क बुद्धि का मापन, 1939

- **आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता में आध्यात्मिक और बुद्धिमत्ता दो शब्द समाहित थे। लैटिन शब्द 'स्पिरिटस' से लिया गया शब्द का अर्थ है "जो एक प्रणाली को जीवन या जीवन शक्ति देता है" ।**

- **गार्डनर की कई बुद्धिमत्ता की अवधारणा से प्रेरित , "आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता" की अवधारणा ने हाल के वर्षों में लोकप्रियता हासिल की है, और कई घटकों का विषय है: हर रोज़ अनुभव को पवित्र करने के लिए भौतिक सामग्री की क्षमता को पार करने की क्षमता, और आध्यात्मिक संसाधनों का उपयोग करने की क्षमता समस्या।**

- Emmons **गार्डनर के कई इंटेलिजेंस के ढांचे का उपयोग करके आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता की अवधारणा को सही ठहराते हैं। गार्डनर ने प्रस्तावित किया कि कई प्रकार की क्षमताओं को अपने आप में इंटेलीजेंस कहा जाना चाहिए, क्योंकि आइआर एक एकल सामान्य बुद्धि होने के विचार के विपरीत है जो आईक्यू परीक्षणों के साथ मापन हो सकता है। "मल्टीपलइंटेलिजेंस" से जुड़े**

सिद्धांतों में से एक समस्या यह है कि यदि सिद्धांत सही है, तो "इंटेलीजेंस" के विभिन्न प्रकार एक दूसरे से और सामान्य बुद्धि या IQ Gardner के सिद्धांत की भविष्यवाणी से अलग होना चाहिए। यह "भावनात्मक बुद्धिमत्ता" पर भी लागू होता है, एक और "वैकल्पिक" बुद्धिमत्ता, जिसे (गलत तरीके से) जीवन में सफलता के लिए अधिक महत्वपूर्ण माना जाता है, फिर आईक्यू। भावनात्मक बुद्धिमत्ता का आकलन करने के प्रयासों में "विशेषता" (आत्म-विश्वास) और "अपमान" (सही और गलत उत्तरों के साथ परीक्षण) दृष्टिकोण का उपयोग किया गया है।

- भावनात्मक बुद्धिमत्ता का व्यक्तित्व गुणों के साथ परस्पर संबंध होता है। (वैनडेरलिंडेन, त्सौइस और पेट्रिड्स, 2012) जबकि क्षमता भावनात्मक बुद्धिमत्ता सामान्य बुद्धि के साथ सकारात्मक रूप से सहसंबद्ध है।

हालांकि गार्डनर (2000) खुले हैं, जो "अस्तित्वगत बुद्धिमत्ता" के संभावित अस्तित्व के बारे में विचार कर रहे हैं, वास्तविकता की प्रकृति और किसी के स्थान के बारे में गहराई से सोचने की क्षमता, उन्होंने माना लेकिन अंत में आध्यात्मिक बुद्धि के विचार को खारिज कर दिया, क्योंकि स्पिरिटुअल में फेनोमोनोलॉजिकल अनुभव शामिल हैं ,जो वह बुद्धि की मूल विशेषता के लिए आंतरिक विचार नहीं करता है, अर्थात गणना करने की क्षमता।

आध्यात्मिकता और बुद्धिमत्ता की अवधारणा को एक नई अवधारणा से जोड़ा जाता है जिसे आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता कहा जाता है। आध्यात्मिकता आंतरिक-अर्थ, चेतना और उच्चता के उच्चस्तर के लिए व्यक्तिगत खोज को संदर्भित करती है, जबकि आध्यात्मिक बुद्धि उत्पादों या परिणामों के प्रति दया और ज्ञान के साथ व्यवहार करने की क्षमता को संदर्भित करती है।

• हाल के दिनों में आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता व्यावसायिक परिदृश्य में महत्व प्राप्त कर रही है। यह नौकरी असंतोष के साथ-साथ अन्य कारण जैसे कि कर्मचारी तनाव में वृद्धि और अनैतिक काम, अनैतिक कॉर्पोरेट व्यवहार, कार्य स्थल हिंसा और कार्य-जीवन संतुलन बनाए रखने में असमर्थता के कारण है। स्व-निगरानी अभी तक संगठन अनुसंधान में एक और व्यक्तित्व परिवर्तनशील है, जो व्यक्तित्व की समझ और संगठनात्मक जीवन में उनके योगदान के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करता है। महत्व के बावजूद, अनुभवजन्य अनुसंधान जो आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता की प्रभावकारिता की पुष्टि करता है और काम के प्रदर्शन को बढ़ाने में स्वयं की निगरानी दुर्लभ है। हालांकि, भावनात्मक बुद्धिमत्ता और आध्यात्मिक बुद्धि पर पिछले अध्ययनों ने सकारात्मक परिणाम दिखाए हैं। इसी तरह, भावनात्मक बुद्धिमत्ता और आत्म-निगरानी और आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता पर पिछले अध्ययन, इसलिए, आत्म-निगरानी, आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता और काम के प्रदर्शन के बीच संबंध का पता लगाने का प्रस्ताव है।

I. **आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता को क्षमताओं, मूल्यों, अनुभव, गुणों और प्रणालियों के संदर्भ में समझाया गया है (सिस्क, 2002)। सिसक के दृष्टिकोण में, आध्यात्मिक बुद्धि की क्षमताओं की मुख्य क्षमताओं में शामिल हैं: लौकिक / अस्तित्व संबंधी मुद्दों के साथ चिंता; ध्यान करने का कौशल; अंतर्ज्ञान और दृश्य। आध्यात्मिक बुद्धि के मूल मूल्य: संयोजकता; सभी की एकता; दया; संतुलन की भावना; ज़िम्मेदारी;**

II. **और सेवा। आध्यात्मिक बुद्धि के मुख्य अनुभव में शामिल हैं: अंतिम मूल्यों और उनके अर्थ के बारे में जागरूकता; पारगमन की भावना; औरजागरूकताबढ़ाई।आध्यात्मिकबुद्धिकेप्रमुखगुणोंमेंशामिलहैं: सत्य; न्याय, करुणा, और देखभाल ।आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता की सामाजिक**

प्रणालियों में शामिल हैं: कविता; संगीत; न्याय; नृत्य; रूपक, और कहानियाँ।

III. द्वितीय। तर्कसंगत बुद्धि तथ्यों और जानकारी का उपयोग करती है, निर्णय लेने के लिए तर्क और विश्लेषण का उपयोग करती है। इस बीच, भावनात्मक बुद्धिमत्ता को, दूसरों की भावनाओं के प्रति संवेदनशील होते हुए, किसी की भावनात्मक और भावनाओं को समझने और नियंत्रित करने की आवश्यकता होती है। आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता सबसे गहन आंतरिक संसाधनों को खोजने और उनका उपयोग करने के लिए आवश्यक है जिसमें से देखभाल करने और सहन करने और अनुकूलन करने की शक्ति आती है (जॉर्ज, 2006) ।लेखक आध्यात्मिक बुद्धि को एक व्यक्ति के रूप में पहचान की स्पष्ट और स्थिर भावना विकसित करने की वकालत करता है। कार्यस्थल की वास्तविकताओं को स्थानांतरित करने का संदर्भ; घटनाओं और परिस्थितियों के वास्तविक अर्थ को समझने में सक्षम होना; उद्देश्य के स्पष्ट अर्थ के साथ व्यक्तिगत मूल्यों को पहचानने और संरेखित करने के लिए कार्य को सार्थक बनाने में सक्षम होने के लिए, और उन मूल्यों को बिना किसी समझौते के जीते हैं और उदाहरण के लिए ईमानदारी का प्रदर्शन करते हैं; और यह समझने के लिए कि उपरोक्त में से प्रत्येक अहंकार से कहाँ और कैसे परेशान है, जिसका अर्थ है कि सत्य कारण को समझने और प्रभावित करने में सक्षम होना। जॉर्ज के 2006 (2006) मॉडल में आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता, तर्कसंगत और भावनात्मक बुद्धिमत्ता की तुलना और विरोधाभास है।

IV. तृतीय।शिक्षा की एक व्यापक दृष्टि: - जीवन को अच्छी तरह से जीने के लिए सभी सात बुद्धि की आवश्यकता होती है। इसलिए, शिक्षकों को सभी परंपराओं में भाग लेने की जरूरत है, न कि केवल पहली परंपरा की चिंता।

जैसा कि कोहेनबर्ग (2001: 276) ने उल्लेख किया है कि इसमें शिक्षकों को गहराई से अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए शामिल किया गया है, 'समझ एक सेटिंग में प्राप्त ज्ञान लेने और दूसरे 'छात्रों में इसका उपयोग करने के लिए एक विषय पर काम करने के लिए विस्तारित अवसर होने चाहिए।

v. चतुर्थ ।स्थानीय और लचीले कार्यक्रमों का विकास करना: -हार्ड गार्डनर की 'गहरी समझ' के प्रदर्शन, खोज और रचनात्मकता में रुचि 'डिलिवर' के उन्मुखीकरण के भीतर आसानी से एक विस्तृत पाठ्यक्रम के साथ तत्काल शैक्षिक संदर्भ के बाहर नियोजित नहीं है। एक "एमआईसेटिंग" यदि पाठ्यक्रम बहुत ही कठोर है या यदि एक भी रूप है तो 'पूर्ववत किया जा सकता है' (गार्डनर 1999: 147)। इस संबंध में हावर्ड गार्डनर के काम के शैक्षिक निहितार्थ जॉन डेवी के काम से एक सीधी रेखा में हैं।

vi. V. आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता कहीं अधिक जटिल है। Howard Gardner (1999: 59) केअनुसार, वहाँ समस्याएं हैं, उदाहरण के लिए आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता की 'सामग्री' के आस-पास, सत्य मूल्य के संबंध में इसके विशेषाधिकार प्राप्त लेकिन निराधार दावों की, और इसके लिए आवश्यकता अन्य लोगों पर इस के प्रभाव के माध्यम से आंशिक रूप से पहचाना जा सकता है; यह अन्य बुद्धिमत्ता के लिए आध्यात्मिकता के उस क्षेत्र को 'आत्मा के सबसे करीब' के रूप में बाहर करने के लिए अधिक ज़िम्मेदार लगता है और फिर, प्रकृतिवादी बुद्धि पर लागू सहानुभूतिपूर्ण तरीके से, यह पता लगाता है कि यह उम्मीदवार बुद्धिमत्ता कैसे है। ऐसा करने के लिए, मुझे लगता है कि आध्यात्मिक शब्द को अलग रखना सबसे अच्छा है, इसकी अभिव्यक्ति और समस्या ग्रस्त अर्थों के साथ, और एक बुद्धि के बजाय बोलने के लिए जो अपने बहु आयामी मार्गदर्शन में अस्तित्व की

प्रकृति की खोज करता है। इस प्रकार, आध्यात्मिक या धार्मिक मामलों के साथ एक स्पष्ट चिंता एक अस्तित्वगत बुद्धि की एक किस्म होगी,

आयाम-वार आध्यात्मिक बुद्धि की व्याख्या प्रत्येक आयाम के संगत कारकों के साथ की जा सकती है:

(क) आयाम: - **परोपकार के कारक**:

2: **आत्म-दक्षता**, 3: **आंतरिकसद्भाव**

8: **इंसानियत**, 12: **प्रिवी**

(ख) आयाम: - **विनयकारक**:

6: **स्व-बोध**, 7: **आत्म-बोध**,

9: **बस**, 14: Altruism

(ग) आयाम: - **रूपांतरणकारक**:

ए। 1: **दृढ़विश्वास**, 10: **उदार**

(घ) आयाम: - **करुणाकारक**:

4: **क्षमा**, 5: **उपलब्धि अभिविन्यास**

(इ) आयाम: - **चुंबकत्वकारक**:

11: **नैतिक**, 13: **संगत**

(च) आयाम: - **आशावादकारक**:

15 **आशावाद**

1.1 तर्क संगत परिभाषा: -

- **पोस्ट ग्रेजुएट की परिभाषा:** - पोस्ट ग्रेजुएट अध्ययन उन छात्रों के लिए उपलब्ध पाठ्यक्रम की सीमा को संदर्भित करता है जिन्होंने स्नातक अध्ययन पूरा कर लिया है। इसमें स्नातक अध्ययन की तुलना में उच्च स्तर की समझ, अधिक स्वतंत्रता और अधिक विशिष्ट ज्ञान की आवश्यकता होती है। परिणाम स्वरूप स्नातकोत्तर उपाधि के साथ ग्रेच्युट को अधिक उच्च योग्य माना जाता है।
- **विश्वविद्यालय के स्तर की परिभाषा:-** विश्वविद्यालयों और विश्वविद्यालय कॉलेजों में सभी पाठ्यक्रम और कार्यक्रम तीन स्तरों पर विभाजित हैं: समस्या स्नातक (पहला चक्र), मास्टर (दूसरा चक्र) और डॉक्टरेट (तीसरा चक्र)। सभी स्तर पर स्तर का निर्माण।

1.2 अध्ययन का महत्व-

वर्तमान अध्ययन यूजी और पीजी स्टैडेंट्स के बीच आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता पर केंद्रित है, बहुत महत्वपूर्ण चरण है जिसमें छात्र व्यापक शारीरिक, मनोवैज्ञानिक, भावनात्मक और व्यक्तित्व परिवर्तन की अभिव्यक्ति करते हैं। छात्रों को व्यापक रूप से एक चुनौतीपूर्ण और अक्सर जीवन के महत्वपूर्ण चरण के रूप में पहचाना जाता है। छात्रों के चरण को बुद्धिमानी से निपटाया जाना चाहिए। बच्चों को आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता के साथ विकसित किया जाना चाहिए और उन्हें आध्यात्मिकता और आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता के महत्व का अहसास कराते हुए लाना चाहिए। जो छात्रों के समग्र विकास का आधार है। यदि छात्रों के पास आध्यात्मिक बुद्धि है तो वे जीवन की हर परिस्थिति का आसानी से सामना कर सकते हैं।

1.3 समस्या का बयान -

- **स्नातकोत्तर और विश्वविद्यालय स्तर के छात्रों में आध्यात्मिक बुद्धि के स्तर का अध्ययन करना**

1.4 अध्ययन का उद्देश्य:-

1. **आध्यात्मिक बुद्धि पर पुरुष और महिला छात्रों के बीच अंतर का अध्ययन करना।**

2. **आध्यात्मिक बुद्धि पर यूजी और पीजी छात्रों के बीच अंतर का अध्ययन करना।**

3. **आध्यात्मिक बुद्धि पर यूजी और पुरुष और महिला छात्रों के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।**

4. **आध्यात्मिक बुद्धि पर पीजी और पुरुष और महिला छात्रों के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।**

1.5 अध्ययन के परिकल्पना

1. **आध्यात्मिक बुद्धि पर पुरुष और महिला छात्रों के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।**

2. **आध्यात्मिक बुद्धि पर यूजी और पीजी छात्रों के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।**

3. **आध्यात्मिक बुद्धि पर यूजी पुरुष और महिला छात्रों के बीच अंतर का अध्ययन करना।**

4. **आध्यात्मिक ज्ञान पर पीजी पुरुष और महिला छात्रों के बीच अंतर का अध्ययन करना।**

1.6 अध्ययन का परिसीमन: -

समय की कमी के कारण, एमएड छात्रों के रूप में संसाधन और विश्वविद्यालय भौगोलिक क्षेत्र के कारण, वर्तमान अध्ययन को निम्नलिखित के लिए सीमांकित किया गया है: -

3. पद्धति: -

वर्तमान अध्ययन के लिए विधि को प्रकृति में वर्णनात्मक स्थैतिक के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है। वर्णनात्मक अनुसंधान वर्णन करता है और व्याख्या करता है कि यह उन स्थितियों या संबंधों से संबंधित है या मौजूद है, जो प्रचलित हैं, प्रथाएं, मान्यताएं, दृष्टिकोण या दृष्टिकोण जो कि चल रहे हैं, प्रक्रियाएं जो चल रही हैं, जो प्रभाव या प्रवृत्ति हो रही थीं विकसित होना । इस शोध अध्ययन में नियोजित के रूप में विवरण की प्रक्रिया केवल आंकड़ों के एकत्रीकरण और सारणीकरण से परे है। इसमें अर्थ या अर्थ की व्याख्या का एक तत्व शामिल है जिसे वर्णित किया गया था। इस प्रकार, विवरण को माप, वर्गीकरण, व्याख्या और मूल्यांकन से तुलना या इसके विपरीत के साथ जोड़ा गया था।

3.1 नमूने का आकार

नमूना वह इकाई है जिसे विशेष क्षेत्र में शोध अध्ययन के लिए पूरी आबादी से निकाला जाता है। वर्तमान अध्ययन में, यूजी और पीजी छात्रों की आध्यात्मिक बुद्धि का अध्ययन किया जाता है। वर्तमान अध्ययन के लिए, विभिन्न पाठ्यक्रमों के यूजी और पीजी छात्रों को लिया गया है। । सभी छात्रों ने वर्तमान अध्ययन में भाग लिया, उनकी आयु 20-25 के बीच थी जो कि यूजी और पीजी दोनों में रहती है। विभिन्न पाठ्यक्रमों से पीजी पाठ्यक्रम का चयन किया जाता है। 42 छात्रों को यूजी और 66 पीजी से चुना गया था। सभी विश्वविद्यालय

सह-शिक्षा संस्थान थे। इस प्रकार, नमूनों को दोनों लिंगों (पुरुष और महिला) में बेतरतीब ढंग से शामिल किया गया था। अध्याय 3 में, नमूने का विवरण स्पष्ट रूप से दिया गया है।

3.2 उपकरण: -

- **आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता का पैमाना (एसआईएस-डीडी) संतोषधर और उपेंद्रधर।**
- **(इस पैमाने में 6 आयामों में विभाजित 53 आइटमहैं- 1 परोपकार**
- **2 विनम्रता , 3 दृढ़विश्वास, 4 करुणा, 5 चुंबकत्व, 6 आशावाद और 15 कारक। यह excutives वयस्क पर लगाया गया था।)**

2.समीक्षा परिदृश्य

संबंधित साहित्य की समीक्षा प्रासंगिक, शोधकर्ता, प्रकाशित लेख और विश्वकोश और अनुसंधान सार के संबंधित भागों की रिपोर्टों का पता लगाने, अध्ययन और मूल्यांकन करती है। ज्ञान के क्षेत्र में किसी भी सार्थक अध्ययन के लिए अनुसंधानकर्मी को अपने चुने हुए क्षेत्र के क्षेत्र में पहले से ही किए गए कार्य के लिए पर्याप्त परिचित होने की आवश्यकता है।

द्वितीय सम्बद्ध साहित्य का अध्ययन एवं विवेचना पूर्व अध्याय में अध्ययन की सम्प्रत्ययात्मक पीठिका की प्रस्तुति के उपरान्त प्रस्तुत शोध अध्ययन को सम्प्रत्ययात्मक एवं अनुसंधात्मक आधार प्रदान करने वाले शोध प्रमाणों का विवेचन इस अध्याय में प्रस्तुत किया गया है। पुरातन ज्ञान के अनुपम एवं अतुल भण्डार के आधार पर ही मानव नवीन ज्ञान की खोज की ओर अग्रसर होता है। सम्बन्धित साहित्य का अध्ययन शोध की पुनरावृत्ति तथा इसके महत्त्वहीन होने

की संभावना को कम करता है। सम्बन्धित साहित्य के अध्ययन से कई चरों के बीच ऐसे सम्बन्ध शोधकर्ता के सामने आते हैं जो या तो अज्ञात है या उनमें मत वैभिन्य हो। ऐसे अज्ञात एवं मतैक्यता रहित सम्बन्ध को जानने हेतु वह अनुसंधान समस्या को जन्म देता है। अध्ययन समस्या से सम्बन्धित साहित्य के आधार पर ही शोधकर्ता उद्देश्यों, परिकल्पनाओं का निर्माण तथा अनुसंधान अभिकल्प व प्रदत संकलन हेतु उपकरण व सांख्यिकी प्रक्रिया निर्धारित करता है। सम्बन्धित साहित्य से तात्पर्य उन सभी प्रकार के ज्ञान कोष, पत्र–पत्रिकाओं, प्रकाशित एवं अप्रकाशित शोध प्रबन्धों एवं अभिलेखो ं आदि से है, जिनके अध्ययन से अनुसंधानकर्ता को कार्य करने की दिशा मिलती है। जब तक शोधार्थी को इस बात का ज्ञान नहीं हो कि उस क्षेत्र में क्या–क्या कार्य हो चुका है; किस विधा से कार्य किया गया ह और उसके क्या निष्कर्ष आए हैं? तब तक न तो समस्या का निर्धारण किया जा सकता है और न ही उसकी रूपरेखा तैयार की जा सकती है। रमल, जे. एफ. के अनुसार–''नियमानुसार कोई भी शोध उस समय तक उपयुक्त नहीं समझा जा सकता है जब तक कि उस शोध से सम्बन्धित साहित्य का लिखित विवरण प्रस्तुत अध्ययन में न दिया गया हो।'' अतः शोधकर्ता के मार्ग को प्रशस्त करने एवं शोधकार्य के उद्देश्यों को सुनिश्चित करने में सम्बन्धित साहित्य का अत्यधिक महत्त्व है। शोधकर्ता अन्य विद्वानों के कार्यो ं का परीक्षण करते हुए अनुग्रन्थों से अवगत होता है, जो उसके लिए अत्यन्त लाभप्रद एवं सहायक हो सकते हैं। सम्बन्धित साहित्य का ज्ञान ही अनुसंधानकर्ता को ज्ञान के शिखर तक ले जाता है, जहाँ वे अपने क्षेत्र की नई एवं विरोधी उपलब्धियों का परिचय प्राप्त कर सकते हैं। प्रस्तुत अध्ययन का मुख्य उद्देश्य अध्यापक शिक्षा संस्थानो मे ं

कार्यरत अध्यापकों की निम्न एवं उच्च आध्यात्मिक बुद्धि के संदर्भ में उनकी कार्यशैलियों का अध्ययन करना है। चूँकि यह अवधारणा है कि अध्यापक शिक्षा संस्थाओ ं में कार्यरत अध्यापकों की आध्यात्मिक बुद्धि का उनके 57 व्यक्तित्व पर सर्वाधिक प्रभाव पड़ता है व उसी के आधार पर वे नवीन (भावी) अध्यापक भी तैयार करते हैं। साथ ही इन अध्यापकों की कार्यशैली इनके कार्य को प्रभावित करती है; अध्यापक शिक्षकों की कार्यशैली को प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करने वाले अनेक कारक या तत्व हो सकते हैं। अध्ययन की इन मान्यताओं को दृष्टिगत रखकर शोधकर्त्री ने सम्बन्धित साहित्य के अध्ययन हेतु किताबों, जर्नल्स, इन्टरनेट, प्रकाशित तथा अप्रकाशित लघु शोध तथा शोध अध्ययनों द्वारा सहायता प्राप्त की। शोधकर्त्री को सम्बन्धित साहित्य के अध्ययन काल में अन ेक महत्त्वपूर्ण सन्दर्भ मिले, जिनमें से कतिपय का विवरण संकलित किया गया है। सम्बन्ध साहित्य सर्वेक्षण से प्राप्त प्रमाणों का संक्षिप्त विवरण एवं विवेचन का प्रस्तुतीकरण इस अध्याय में निम्नांकित सन्दर्भों में प्रस्तुत किया गया है–

भारत में हुए अध्ययन

मंगरानी (2001द्ध ने एम. एस. विश्वविद्यालय बड़ौदा के मनोविज्ञान विभाग में आध्यात्मिक भागफल और प्रबन्धकीय प्रभावशीलता को मापने के लिए अध्ययन किया। इस अध्ययन में आध्यात्मिक बुद्धि की परिभाषा तक पहुँचने के महत्त्वपूर्ण मोड़ व इसे मापने के लिए उपकरण का विकास किया गया। जिसके अंतिम संस्करण में 11 आयाम व 65 पद थे।

3ण्1 निरा मंगरानी (2001). स्प्रिचुअल क्वोशन्ट् एण्ड मॉनेजीरिअल इफेक्टिवनेस, पीएच.डी. डिपार्टमेंट ऑफ साइकोलोजी, एम. एस.

यूनिवर्सिटी, बडौदा . 58 इसे मानकीकृत किया गया। अंकन के लिए चार अंक पैमाना का प्रयोग किया गया। इस अध्ययन में आध्यात्मिक बुद्धि के आयाम निम्न हैं– व्यक्तिगत प्रभावशीलता, जीवन में सफलता क` लिए ज्ञान का संवर्धन। उपकरण आध्यात्मिक बुद्धि के मापन के लिए विश्वसनीय और वैध साधन पाया गया।

दास गुप्ता (2002द्ध ने महाराजा सियाजी राव विश्वविद्यालय ऑफ बड़ौदा के मनोविज्ञान विभाग में 'आध्यात्मिक बुद्धि' : गुजरात भूकम्प पीडितों की सहायता में असीमित बुद्धि' शीर्षक पर अध्ययन का आयोजन किया। अध्ययन 20 से 69 वर्ष के आयु समूह के 60 व्यक्तियों के एक नमूने पर किया था। सांख्यिकीय आँकड़ों के विश्लषण हेतु टी टेस्ट, कार्ल पियर्सन सहसम्बन्ध और अनोवा तकनीक का प्रयोग किया गया। अध्ययन में पाया कि दबाव की प्रकृति गुजरात भूकम्प पीड़ितों की आध्यात्मिक बुद्धि का भेदन करने में विफल रही। निष्कर्ष यह भी संकेत देते हैं कि अघायल पीड़ित आत्मा और भौतिक शरीर की एक अलग पहचान क` बारे में बेहतर समझ रखते हैं घायल पीड़ित परिवारों की तुलना में और वहाँ स्वयं घायल पीड़ित की तुलना में बेहतर पारस्परिक सम्बन्ध पाये गये। यह भी बताया गया कि आध्यात्मिक प्रथाओं, प्रेम ओर कुल वर्ग में देवत्व दखल प्रतिक्रियाओं स्व घायल पीडितों के बीच में एक गिरावट से सम्बन्धित थे। भूकम्प के बाद घायल समूहों में भगवान और धर्म में विश्वास पाया गया जो कि अंतर्दृष्टि के विकास से सम्बन्धित है। निष्कर्ष यह भी संकेत करते है कि आध्यात्मिक प्रथाएँ मजबूत जीवन शैली, मूल्य स्व घायल पीड़ितों के बीच भावनात्मक अभिव्यक्ति के प्रति दृष्टिकोण में सकारात्मक परिवर्तन करने के लिए नेतृत्व में आध्यात्म से सम्बन्धित है।

नागपाल और जोनीजा (2005द्ध ने तार्किक विकास प्फऐफए म्फ के विषय पर प्रकाश डाला है। इनके अनुसार पिछली शताब्दी की अवधि में बुद्धिमता एक विशाल परिवर्तन से गुजरी है। इनके द्वारा प्राचीन बुद्धि लब्धि के सम्प्रत्य में परिवर्तन किया गया है। वर्तमान में मनोवैज्ञानिक व्यवहार में म्फऐफ का उल्लेख भावात्मक बुद्धि एवं आध्यात्मिक बुद्धि को क्रमशः पहचानने व समन्वित मनोवैज्ञानिक सामाजिक व आध्यात्मिक व्याख्या करने में गर्व का अनुभव करते हैं। वर्तमान भावात्मक बुद्धि प्रभावी अनुकूलन क्षमता है। मधुर सामाजिक समायोजन के लिए, आध्यात्मिक बुद्धि का अस्तित्व समस्या को उसके अर्थ मूल्य एवं अन्तिम मौलिक विचार के साथ पहचानने व उसका समाधान करने हेतु जाना जाता है। बुद्धि, भावात्मक बुद्धि व आध्यात्मिक बुद्धि ये सभी ईमानदारी से मानव बुद्धिमता की जटिलताओं को प्रकट करते हैं। पाश्चात्य वैज्ञानिक नवीन प्रक्रिया में कार्य करते समय म्प्वैपं अस्तित्व व अनुभवों को साक्ष्य मानते हैं। हिन्दू मनोवज्ञानिकों ने आध्यात्मिक बुद्धि/प्रशिक्षण का मस्तिष्क में विकास करने के लिए कुछ सामान्य अभ्यास के तरीके बताये हैं। दार्शनिक विचार, वैज्ञानिक अनुसंधान एवं व्यावहारिक प्रयोजनवाद ने निरन्तर आधुनिक मनोवैज्ञानिकों के सामने बुद्धिमता को समझने की गम्भीर समस्या प्रकट की है।

स्रीजा (2005द्ध ने केरल विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग में आध्यात्मिकता, भावनात्मक परिपक्वता और विद्यालय के छात्रों के बीच जीवन की गुणावत्ता पर अध्ययन का आयोजन किया। अन्वेषण हेतु 100 विश्वविद्यालय छात्र जिनमें से 42 पुरूष और 58 महिलाएँ थी। हिन्दु (32), ईसाई (34), मुसलमान (32) को नमूने के रूप में लिया। आध्यात्मिक पैमाने और भावनात्मक परिपक्वत्ता पैमाने पर डाटा एकत्रित करने के लिए प्रशासित थे। टी–परीक्षण, एकतरफा

अनोवा, डंकन परीक्षण और सहसम्बन्ध का प्रयोग कर विश्लेषण किया गया। परिणाम दर्शाते हैं कि आध्यात्म मे लड़कों और लड़कियों क ` बीच महत्त्वपूर्ण अन्तर है। लेकिन भावनात्मक परिपक्वत्ता और जीवन की गुणवत्ता में लड़कों और लड़कियों के बीच कोई महत्त्वपूर्ण अन्तर नहीं है। यह पाया गया कि आध्यात्मिकता और भावात्मक परिपक्वत्ता धर्म से स्वतंत्र है किन्तु आध्यात्मिकता और भावनात्मक परिपक्वता के बीच महत्त्वपूर्ण सहसम्बन्ध पाया गया।

जैन और पुरोहित (2006द्ध ने अपना शोध कार्य आध्यात्मिक बुद्धिः एक वर्तमानकालीन चिंतन वरिष्ठ नागरिकों के जीवन स्तर के संदर्भ मे ं एक अध्ययन के रुप में किया । इसका लक्ष्य है बडे लोगों मं आध्यात्मिक ज्ञान का अध्ययन करना। इसके लिए 200 वरिष्ठ नागरिकां को विभिन्न जीवन स्तरों से चुना गया इनमें से (छ.100द्ध कुछ तो अपने परिवार के साथ रहते थे तथा ;छ.100द्ध कुछ वृद्धाश्रम में रहते थे। उपकरण के रुप में आध्यात्मिक लब्धांक ज्ण्ड (2003) गुप्ता व मंगरानी के द्वारा आध्यात्मिक बुद्धिमता को मापने के लिए बनाया गया था, को प्रयोग में लिया गया। अनुसंधान के दौरान घर में रहने वाले व वृद्धाश्रम में रहने वाले वृद्धों की आध्यात्मिक बुद्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया। यहाँ निष्कर्ष आध्यात्मिक बुद्धि के बहुत से क्षेत्रो ं में सार्थक अन्तर की ओर संकेत करता है। जैसे– ईश्वर और धार्मिकता, आत्मा, आत्म सम्मान, अन्तर्वैयक्तिक सम्बन्ध, नेतृत्व में आध्यात्मिकता सहयोगी व्यवहार, लचीलेपन कीयोग्यता, पीड़ा की अनुभूति पर नियंत्रण पाने के लिए काम में ली जाती है। मृत्यु क ` बारे में असीमित दर्द के अस्तित्व को जानने की योग्यता ही आध्यात्मिक बुद्धि है।

मंगल ;2007द्ध के तर्क के सारांश के अनुसार ष्प्फएम्फ तथा फ का अभिसार– समग्र बुद्धि और विकास के लिए अनिवार्य है ष प्फ मौलिक तथा तार्किक सोच को आधार देता है, म्फ संसार के अनुकूल परिवर्तन में सहायक है। फ वह है जो हमारी दुनिया के अस्तित्व को संसार के अनुसार एक नये क्रम में बदलने में हमारी सहायता करता है। आध्यात्मिक बुद्धि क` द्वारा एक व्यक्ति में पूर्व सोच का तरीका बदलने, उसकी फिर से रचना करने, उसमें सृजनात्मकता, अन्तःदृष्टि, नियम बनाना, नियम तोड़ना, चिन्तन आदि को शामिल किया है। प्फ जब हमारी सोच में सहायता करता है, सम्बन्धित करने में हमारी मदद करता है। इस निर्धारित कालावधि में दोनों को करने की अनुमति देता है। इसमें व्यक्ति की आन्तरिक शक्तियों को उत्सर्जित करना, रुपान्तरण करना तथा जीवन की रुकावटों का सामना करना शामिल है।

विनीत कुमार (2009द्ध ने दसवीं कक्षा के साामान्य व पिछड़े छात्रों की आध्यात्मिक बुद्धि व भावात्मक बुद्धि का उपलब्धि, प्रेरणा, प्रतिक्रिया, कुण्ठा, मनोवैज्ञानिक समायोजन व शैक्षिक भूमिका पर प्रभाव का अध्ययन किया। न्यादर्श के रुप में जयपुर जिले के 10 वीं कक्षा के 7 उच्च माध्यमिक हिन्दी माध्यम विद्यालयों के मध्यम एवं निम्न सामाजिक आर्थिक स्तर के 450 विद्यार्थियों का सौद्देश्य न्यादर्श विधि द्वारा चयन किया गया। इनमें 225 विद्यार्थी सामान्य व 225 विद्यार्थी आर्थिक सामाजिक दृष्टि से पिछड़े वर्ग से सम्बन्धित थे। पृष्ठ भौमिक जानकारी के लिये पृष्ठभौमिक सूचना प्रपत्र का प्रयोग किया गया। विद्यार्थियों की आध्यात्मिक बुद्धि की जानकारी के लिए स्वनिर्मित परीक्षण का प्रयोग किया गया व भावात्मक बुद्धि की जानकारी हेतु डेनियल गोलमेन द्वारा निर्मित परीक्षण का प्रयोग किया गया। सांख्यिकी हेतु प्रमाप विचलन व काई वर्ग परीक्षण का

प्रयोग करते हुए पाया कि– (1) कुल विद्यार्थियों की आध्यात्मिक बुद्धि का उनकी उपलब्धि व प्रेरणा पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं था। ;2द्ध पिछडे और सामान्य विद्यार्थियों की आध्यात्मिक बुद्धि का उनकी उपलब्धि और प्रेरणा पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं है।

टाइम्स ऑफ इण्डिया (2010द्ध के अनुसार आध्यात्मिक बुद्धि दूसरों को उच्च स्तर पर समझने के लिए किसी व्यक्ति की क्षमता को ब एक व्यक्ति को व्यवहार के दोनों असली कारणों को जानने की अनुमति देती है। बिना किसी न्याय के जब तक कि वे खुद को अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए जाने। सच दूसरों की सेवा के लिए व्यक्ति को अनुमति देता है। इस क्षमता का विकास स्वयं की सीखने की प्रथम स्वतंत्रता, आवश्यकता रहित लगाव और अपने आन्तरिक अस्तित्व से मिलने की आवश्यकता है। लगाव और आवश्यकता विहीन होना आध्यात्मिक बुद्धिमता के अस्तित्व के विपरीत है। दूसरो की भावनाओं को पहचानने की क्षमता, समझ और प्रतिसाद भावनात्मक साक्षरता के स्तर तक सीखने के लिए अपनी पहचान अहसास और भावनाओं की जागरूकता के द्वारा ही विकसित की जा सकती है।

अजिलाल और राजू (2011द्ध ने आध्यात्मिक बुद्धि और व्यक्तित्व का सहसम्बन्ध'' शीर्षक पर शोध कार्य का आयोजन किया। इस अध्ययन का उद्देश्य मनोविज्ञान के निश्चित चरों के साथ आध्यात्मिकता के सम्बन्धों की खोज करना था। अध्ययन का मुख्य चर आध्यात्मिकता था। इसके अतिरिक्त अन्य सम्मलित चर आत्म नियंत्रण, सामान्य स्वास्थ्य, सामान्य चिन्ता, आत्म प्रतिबिम्ब, तनाव, आत्म विश्वास, आत्म संतुष्टि, आत्म सम्मान आदि हैं। अध्ययन के आयोजन हेतु न्यादर्श के रूप में हिन्दु, मुस्लिम, ईसाई धर्म से सम्बन्धित 450 प्रतिभागियों को लिया गया जिनकी आयु 20–60 वर्ष

के मध्य थी। न्यादर्श का विभाजन महिला, पुरूष तथा विवाहित, अविवाहित के रूप में किया गया। आँकडों क ` संग्रहण हेतु आध्यात्मिक मापनी, आत्म नियंत्रण मापनी, सामान्य स्वास्थ्य मापनी, सामान्य चिन्तन मापनी, पृष्ठ भौमिक सूचना प्रपत्र का प्रयोग किया गया। सांख्यिकी विश्लेषण हेतु सहसम्बन्ध और प्रतिगमन विश्लेषण का प्रयोग किया गया। निष्कर्ष में पाया कि आध्यात्मिकता का आत्म नियंत्रण के साथ सशक्त धनात्मक सहसम्बन्ध है, आत्म विश्वास, आत्म सम्मान व सामान्य स्वास्थ्य के साथ सामान्य सकारात्मक सहसम्बन्ध है, आध्यात्मिकता सामान्य चिंता और तनाव के साथ

नकारात्मक सहसम्बन्ध प्रदर्शित करती है।

शिवानी, ब्रह्मक ुमारी (2011द्ध के अन ुसार आध्यात्मिक बुद्धि जन्मजात आन्तरिक आध्यात्मिक गुणों, पारदर्शी सोच, कार्यों और अभिवृत्ति को प्रकट करने की क्रिया है। आध्यात्मिक होने के लिए आवश्यक है सोचना, करना और आपस में सम्बन्धित रहना। एक जागरुकता स्वयं के बारे में आत्मा नहीं, शरीर के रुप में—स्वयं के बारे मे ं जागरुकता से बात करने के लिए हममें से अधिकांश अपने भौतिक रुपों पर विश्वास करते हैं। इसलिए हम हमारे शरीर और उस नाम (लेबल) के साथ जाने जाते हैं, जो हमन ` हमारे शरीर को दिया है। जैसे हमारी राष्ट्रीयता, जाति, लिंग, पेशा आदि। स्वयं के बारे में यह गलत अर्थ (समझ) ही क्या सभी भय, गुस्सा और द ुःख जीवन में पैदा करती है। एक आध्यात्मिक दृष्टि से यह भावनाएँ हमेशा अह ंकार का परिणाम होती है जो आपकी सच्ची आध्यात्मिक प्रकृति जो कि शांतिपूर्ण, प्रेमपूर्वक व आन्नदपूर्ण है अवरुद्ध करती है। आध्यात्मिक बुद्धि काम में आती है कि क्या आप सही रास्ता जानते हैं? सही समय पर सही जगह पर, सही इरादे के साथ। उदाहरणार्थ— यदि आप अपने आप को एक आध्यात्मिक अस्तित्व के

रुप में जानते हैं तो आपको यह भी जानना चाहिए कि आप किसी के मन मस्तिष्क के स्वामी नहीं हैं। शिवानी आध्यात्मिक बुद्धि और आध्यात्म को अलग–अलग करते हुए कहती है कि आध्यात्म अपने आप के बारे में ज्ञान है जैसे– आत्मा। अपने सर्वोच्च आध्यात्मिक गुण और विशेषताएँ, जो की प्रेम, शांति, पवित्रता और आनन्द का उत्तरदायी कारण है। आध्यात्मिक बुद्धि अपने विचारों, दृष्किोण और व्यवहार के माध्यम से इन सभी जन्मजात आध्यात्मिक गुणों की अभिव्यक्ति है। आध्यात्मिक बुद्धि जीवन के लगभग सभी क्षेत्रों जैस – व्यक्तिगत जीवन, पारिवारिक जीवन, कार्यस्थल जीवन, ध्यान, अवलोकन, सम्बन्ध, प्रतिबिम्ब, अभ्यास आदि पर अपना प्रभाव डालती है।

कोर एवं सिंह ;2013द्ध ने देव शिक्षा महाविद्यालय, पंजाब में ''रिलेशन अमंग इमोशनल इन्टैलीजेन्स, सोशल इन्टैलीजेन्स, स्प्रीचुअल इन्टैलीजेन्स एण्ड लाइफ सॅटिस्फॅक्शन् ऑफ टीचर ट्रेनिंज'' शीर्षक पर शोध प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। अनुसंधान हेतु अबोहर तहसील के 60 शिक्षक प्रशिक्षुओं को यादृच्छिक रूप से चुना गया। अध्ययन हेतु मानकीकृत उपकरण का प्रयोग किया गया। निष्कर्ष में पाया गया कि सामाजिक बुद्धि व आध्यात्मिक बुद्धि उच्च स्तरीय रूप से एक दूसरे से जुडे हुए हैं तो भावनात्मक बुद्धि और जीवन संतुष्टि लगातार बने रहते हैं। यदि आध्यात्मिक तथ्यों को लगातार रखा जाता है तो इसका कुछ प्रभाव अन्य उपायों के बीच सहसम्बन्ध पर पड़ता है। यदि आध्यात्मिक बुद्धि को लगातार काम में लिया जाता है तो रिश्ते अन्य उपायों के बीच काफी प्रभावित होते हैं और यदि सामाजिक बुद्धि व आध्यात्मिक बुद्धि का आयोजन लगातार किया जाता है तो दोनों का काफी प्रभाव निरीक्षित किया जा सकता है।

सिंह ;2013द्ध की पुस्तक प्रैक्टिसिंग स्प्रिचुअल इन्टेलिजेन्सी फॉर इनोवेशन, लीडरशिप एण्ड. हैप्पीनेस पुस्तक की प्रशंसा करते हुए दिनेश सिंह ने लिखा है कि एक विकसित मस्तिष्क और एक भेद करने वाली बुद्धि विशेष रुप से सम्पन्न इन्सान को प्रकृति का ज ड़वा उपहार है और उनका सबसे अच्छा उपयोग कर वह ब्रह्माण्ड़ के रहस्यों का पता लगाने की कोशिश कर रहा है। वह अपनी बुद्धि पर गर्व करता है लेकिन अकसर भूल जाता है कि वहाँ पर एक बुद्धि मस्तिष्क और मन से उच्च है। यह आत्मा से आती है और अनायास ही आतो है। इसे सुनन ` के लिए एक ही तरीका है जिसे आध्यात्मिक बुद्धि या "भीतर की आवाज" के रुप में जाना जाता है। इसे सुनने वाला वह व्यक्ति जो स्वयं से सम्बन्धित है, साथ ही अन्य व्यक्तियों की आत्माओं के साथ–साथ सार्वभौमिक आत्मा से जुड़ा है। जैसे विभिन्न शारीरिक कोशिकाएँ, जिनकी प्रत्येक की प्रकृति भिन्न व अनूठी है तथा वे शरीर के रखरखाव के लिए व्यवस्थित रुप से कार्य करती ह़ै।

सिंह एण्ड सिन्हा (2013द्ध ने ''इम्पेक्ट ऑफ स्प्रिचुअल इन्टेलिजेन्सी आन क्वालिटी ऑफ लाइफ'' शीर्षक पर शोध प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए स्पष्ट किया है कि फ मनुष्य को रचनात्मक बनाने, स्थितियों में परिवर्तन करने, नियमों को बदलने, सही गलत का भेद करने की क्षमता है। कर्मचारी वर्ग की आध्यात्मिक बुद्धि सामाजिक ाव देना। आध्यात्मिक बुद्धि संवर्धन कार्यक्रम के प्रभाव के अध्ययन में पाया कि सुधार के लिए अधिक प्रयास किये जाने चाहिए।

3ण्2 विदेशों में हुए अध्ययन रू.

इंग्लेहर्ट ;1990द्ध ने कल्चर शिफ्ट इन एडवान्सड इन्डस्ट्रीयल सोसायटी विषय पर एक अध्ययन का निर्देशन किया जो कि 14 यूरोपीयन देशों के 163000 व्यक्तियों पर किया गया। इसमें पता चला कि 85ः लोग ही ऐसे हैं जो चर्च जाते हैं व उनका जीवन संतोषजनक है। जबकि 17ः लोग ऐसे हैं जो अपने जीवन में कभी चर्च नहीं गए फिर भी संतोषजनक जीवनयापन कर रहे हैं।

कालो (1991द्ध के अनुसार केवल विनम्रता ही भगवान के खुलेपन के लिए एक सुरक्षित रास्ता है और स्वार्थ के द्वारा घोषित रास्ते में विनम्रता दुश्मन है। स्वार्थ कभी विनम्र नहीं होता; विनम्रता कभी स्वार्थी नहीं होती। विनम्रता को पाने का तरीका है वह जगह छोड़ दो जहाँ स्वार्थ है इसलिए विनम्रता आध्यात्मिक बुद्धि की क्षमता को प्रभावित करती है। एक व्यक्ति के इरादे और प्रेरणा को दुनिया में विश्वास के द्वारा आकार की एक विशेषता के रूप में समझा जा सकता है। विनम्रता आध्यात्मिक बुद्धि की एक विशेषता के रूप में उन लोगों क` व्यक्तिगत लाभ, उल्लास, भौतिक लाभ के निर्देश या आत्म–शक्ति है।

अलेक्जेन्डर एवं अन्य (1993द्ध ने भावात्मक बुद्धि व आध्यात्मिक बुद्धि का काम की सफलता प्रभाव का अध्ययन कर स्पष्ट किया कि आध्यात्मिक बुद्धि से सदैव संगठन को लाभ होता है। इससे संगठन कारोबार की कम दर प्राप्त करेगा, कर्मचारियों की उपस्थिति में सुधार होगा। इस प्रकार उत्पादकता बढ. जाती है। भावात्मक बुद्धि व आध्यात्मिक बुद्धि दोनों काम की सफलता पर एक गहरा प्रभाव है। वे काम के प्रदर्शन में सुधार, सहकार्यकर्ताओं के बीच सम्बन्धों

में सुधार, नौकरी से संतुष्टि के स्तर में वृद्धि और कारोबार की प्रवृत्ति में वृद्धि करती है।

इन्जेरसॉल (1994द्ध ने आध्यात्मिक बुद्धि के विभिन्न आयामों का अध्ययन किया व पाया कि आध्यात्मिकता बहुआयामी है। उन्होने इसे 7 आयामों में व्यक्त किया है जिसे देवत्व, सम्बन्ध, रहस्य, नाटक, अनुभव और एक जसे आकर्षक आयाम के रूप में परिभाषित किया है जो दूसरे आयामो के निर्माण मे समझ विकसित करने के लिए सुव्यवस्थित दबाव को महसूस करता है। यहाँ पर वे तर्क देते हैं कि यह जो व्याख्या है वास्तव में मुख्य रूप से 6 आयामों की रूप रेखा है जो कि एक क्षैतिज क्रम में है और इनमें शामिल है। 7 वाँ आयाम (आकर्षक आयाम) एक गहन क्रिया के रूप में है जो की द ूसरों से सार्वभौमिक सम्बन्धों को जोड़ता है।

टूट (1996द्ध ने अच्छा जीवन जीने वाले श्रमिकों का अध्ययन किया । कार्य करने के स्थान पर आध्यात्मिकता की खोज करन ` वाले संयोग के आधार पर 100 कम्पनियों के 184 श्रमिकों को चुना गया। परिणाम आध्यात्मिक कल्याण एवं सामान्य व्यक्तिगत क्षमता में सकारात्मक सम्बन्धों की ओर संकेत करता है।

मेयर एण्ड सोलोवे (1997द्ध ने 'भावनात्मक बुद्धि क्या है?' पर अध्ययन किया उनके अनुसार आध्यात्मिक बुद्धि भावनाओं को विनियमित करने के लिए क्षमता बन जाती है। आमतौर पर इस क्षमता को भावनात्मक बुद्धि के लिए जिम्मेदार ठहराया जाता है।

ब्यूरैक (1998द्ध ने "स्प्रिचुअलिटी एट दा वर्कप्लेस" में बताया की व्यक्तियों के आध्यात्मिक विकास और उन्नति में मानसिक विकास शामिल है। समस्या को हल करना और सीखना व्यक्ति के विकास के मुख्य वाहक हैं। "आध्यात्मिक विकास अपन `पन की जरूरत है",

के सन्दर्भ में विशेष रूप से व्यक्ति की आवश्यकताओं की संतुष्टि को दर्शाता है। यह आवश्यकताओं के उच्च आदेश से भी सम्बन्धित है, जो कि मेस्लो के पदानुक्रम की जरूरतों के अनुसार है जिसमें स्वयं की वास्तविक आवश्यकताएँ शामिल हैं। यह कार्यस्थल की व्यवस्था सम्बन्धी स्थितियों से सम्बन्धित है। कार्यस्थल में आध्यात्मिकता संगठन के नेताओं के माध्यम से प्रबल रहती है। गोल्टफ्रेर्डसन (1998) ने 'सामान्य बुद्धि कारक' विषय पर अध्ययन में तीन शब्दों के मेल को स्वीकार किया–बुद्धि लब्धि, भावनात्मक बुद्धि और आध्यात्मिक बुद्धि। ये तीनों कार्य भूमिका और आय के अर्थपूर्ण निर्धारण में समायोजन के अंश महसूस होते हैं।

रफ एण्ड सिंगर (1998द्ध ने 'दा रोल ऑफ परपज इन लाइफ एण्ड पर्सनल ग्रोथ इन पोजिटिव ह्यूमन हेल्थ' में स्पष्ट किया कि मनुष्य जीवन में उद्देश्य और व्यक्तिगत विकास ही योगदानकर्ता नहीं है। वास्तव में यह सकारात्मक मानसिक लक्षण स्वास्थ्य सुविधाएँ परिभाषित करने के लिए है।

वॉन्ग एण्ड फ्राई (1998द्ध ने थ्योरी एण्ड़ रिसर्च कन्सर्निंग सोशल कम्पेरिजन्स ऑफ पर्सनल्स एट्रीब्यूट्स में स्पष्ट किया कि जीवन के अर्थ की स्थापना दो चीजों के मध्य सम्बन्धों के सार के साथ होती है। यदि प्रत्येक को अलग नाम दिया जाए तो वे हैं शारीरिक व आत्मीय सत्य। जीवन में अर्थ है, इसलिए परिवर्तन जैविक प्रक्रिया और जीवन में मानवता की प्रभावी स्थिरता अधिरोपित करने के लिए उपकरण के रूप में माना जाता है। जब तक कि एक लक्ष्य स्पष्ट नहीं है, कैसे वह हमेशा इसे प्राप्त करने का रास्ता तय करता है। लोकप्रिय कहानी "ऐलिस इन वन्डरलैण्ड" में ऐलिस एक चौराहे पर पहुंचता है और मेड हेटर से सड़क लेने क` लिए पूछता है। मेड हेटर कहता है जहाँ आप जाना चाहत` हो उस पर निर्भर करता

है। ऐलिस कहता है– मैं नहीं जानता कि मैं कहाँ जाना चाहता हूँ? मेड हेटर कहता है कि फिर तुम कौनसा रास्ता लेते हो, कोई फर्क नहीं पड़ता। वागन एण्ड फ्राई के अनुसार यह उस व्यक्ति की स्थिति है जो अपने जीवन में कोई अर्थ, उद्देश्य नहीं रखता है।

विल्बर (1998द्ध ने आत्मा और समझ में सम्बन्धों को स्पष्ट करते हुए बताया कि तिब्बती बौद्ध धर्म के अनुसार जब मस्तिष्क शांत होता है तब अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता व कल्याणकारी बुद्धि/बोध का उदय होता है। इन का अस्तित्व परिस्थितियों पर आधरित नहीं होता है। जब बुद्धिमता पर से पर्दा हटता है तो व्यक्ति की आध्यात्मिकता जागृत होती है व सभी मनुष्यों (जीवधारी प्राणियों) के लिए सहज ही दया के मनोभाव उनके मन में जागृत होते हैं।

एमोन्स ;1999.2000द्ध ने अपने अध्ययन का आधार मुख्य रूप से मनोविज्ञान के अंतिम उद्देश्य आध्यात्मिक व्यक्तित्व को प्रेरित करना, दर्शाया है। आध्यात्मिक बुद्धिमता में अनुभवों व तत्वों को संगठित किया गया हैं जिसमें चेतना को सर्वोपरी बताया गया है। एमोन्स ने बताया कि जब हम बुद्धिमता के लेंस द्वारा आध्यात्मिकता को द`खत` हैं तो आध्यात्म को अपनाने के लिए आध्यात्मिक बुद्धि एक ऐसा आधारभूत सिद्धान्त है जो किसी चीज की पहचान करने, किसी संगठन का कौशल देखने व आवश्यकताओं की योग्यता को स्पष्ट करता है। एमोन्स 2000 ने में आध्यात्मिक बुद्धि के लिए 5 घटकों का सुझाव दिया है व स्पष्ट किया है कि (1) समस्याओं के समाधान के लिए आध्यात्मिकता संसाधनों का उपयोग योग्यता के रूप में करती है। (2द्ध क्षमता सदैव मूल्यवान होती है।

गार्डनर (1999द्ध ने 21 वी शताब्दी में बहुआयामी बुद्धि में सुधार करते हुए स्पष्ट किया कि बुद्धि क अध्ययन में निजी दायरे के

साथ समझ शामिल है, सभी के बाद ऐसी मानव घोषणा पर आध्यात्मिक रूप में वैध तरीके से विचार किया जाना चाहिए। ये निश्चित रूप से एक निर्णय क ` लिए कोई आसान आधार है, लेकिन कई अन्य बुद्धि सरासर भौतिक पदार्थो ं के अलावा अन्य असाधारण पदार्थों के साथ सौदा है।

पीडमोन्ट (1999द्ध ने आध्यात्मिक बुद्धि व्यक्तित्व के छः कारकों को प्रस्तुत करती है में स्पष्ट किया कि आध्यात्म और आध्यात्मिक अतिक्रमण मानव अस्तित्व के सार्वभौमिक पहलू है, हालांकि यह विशेषता विभिन्न संस्कृतियों और समुदायों के बीच आम है और सांस्कृतिक चपलता द्वारा प्रभावित नहीं होती है।

वाल्से (1999द्ध ने विज्ञान व ईश्वर के समन्वित स्वरूप पर कार्य किया, मानवीय और द ूसरे स्थान पर व्यक्तिगत सिद्धान्तों के एकीकृत भौतिक, भावनात्मक, मानसिक और आध्यात्मिक कल्याणकारी पक्षों, सम्पूर्ण प्रतिकूल सांस्क ृतिक परिस्थितियों में व्यवहार और एकीकृत कार्यो ं में सहभागिता, मस्तिष्क और आत्मा का अपने कार्यों के साथ आन्तरिक जीवन दुनिया में ये सभी तथ्य एक नवीन समन्वित कुँजी के रूप में सम्पूर्ण गुण–दोषों का विवेचन करते हैं।

कैशिओप्पे ;2000द्ध के लेख क्रियेटिग स्प्रीट एट वर्क : रि–वाइजनिंग आर्गेनाईजेशन डवलपमेंट एण्ड लिडरशिप पार्ट–2 के अनुसार मूल्यांकन और विकास परिवर्तन की प्रक्रिया के अभिन्न अंग है। ये उच्च स्तर की रचनात्मकता और आध्यात्मिकता का नेतृत्व करती है।

देसी एवं रेयान (2000द्ध के आत्म निर्धारण सिद्धान्त के अनुसार प्रत्येक व्यक्ति आत्मा का एक सुसंगत अर्थ करने के लिए अपने

अनुभव को एकीकृत करके जन्मजात प्रमुख चुनौतियों का सामना करने का प्रयास करता है। इसके लिए आवश्यक्ता को विकसित करने की जरूरत है। यह सिद्धान्त केन्द्रित है उन लोगों के उस अंश पर जो कि अपने आप को प्रतिबिम्ब के उच्चतम स्तर पर कार्य और पसंद की पूर्ण भावना के साथ कार्य करने में संलग्न हैं। इस प्रकार आध्यात्मिक विकास लक्ष्य के प्रति अधिकतम प्रदर्शन के लिए कार्यवाही को नियंत्रित करने की क्षमता को बढ़ाता है। इसके घटित होने के लिए किस पकार का वातावरणीय समर्थन आवश्यक रूप से पाया जाता है। सामाजिक सन्दर्भ में विकास और उन्नति की प्राकृतिक प्रवृत्तियों में प्रत्येक समर्थन और विरोध को रख सकते हैं। व्यक्तियों के जीवन का अर्थ और उद्देश्य खोजने की प्रवृत्ति बुद्धि लब्धि की सीमा को प्रमाणित करती है। जैसे– आध्यात्मिक बुद्धि।

फण्ड (2000द्ध ने पाया कि बालक की आध्यात्मिकता उसकी शुद्ध समन्वित देख–रेख का भाग है। आध्यात्मिकता के सम्प्रत्यय का सम्बन्ध बालक के ज्ञानात्मक, सामाजिक, मनोशारीरिक एवं नैतिक विकास से है। बालक के बचपन के बारे में जानने हेतु, आध्यात्मिकता बच्चां के नकल करने, उसकी जीवन घटनाओं, उसकी चोट आादि से सम्बन्धित मदद करती है। यह व्यक्ति में विश्वास और आभास करने की प्रक्रिया जो सरल आध्यात्मिक साहित्य और संगीत क ` बीच तथा प्रारम्भ से अन्त तक विशेष उद्देश्य के लिए तैयार अन्य व्यूह रचना से सम्बद्ध है।

केसलर (2000द्ध ने फोर्ल्स (1981) के विकास सिद्धान्त पर विश्वास व्यक्त करते हुए सीखने पर आध्यात्मिकता के प्रभाव को स्पष्ट किया है। प्राचीन समय से मनुष्य के अस्तित्व के इस तथ्य को शैक्षणिक सिद्धान्तों व अभ्यास में नकारा जा रहा था। मनुष्य के सीखने और

अर्थ निर्माण के मानवीय अनुभव और विकास के मार्ग में उसकी आध्यात्मिक प्रकृति को अनदेखा करना एक महत्त्वपूर्ण तथ्य को नकारना है।

क्विलेकी (2000द्ध ने आध्यात्मिक बुद्धि को एक व्यक्ति के धार्मिक सिद्धान्त के रूप में स्पष्ट करते हुए इमोम से सहमति व्यक्त कि व पाया कि आध्यात्म अनुकूलन की एक अलग विधा का प्रतिनिधित्व कर सकता है। आध्यात्म धर्म निरपेक्ष मूल्य और जीवन में उद्देश्य की समझ से अलग एक दावा है।

लेविन (2000द्ध ने दावा किया है कि आध्यात्मिक बुद्धि ने पूर्व के लेखकों के विचारों से परे विस्तृत दैनिक कार्यो ं में एकीकृत आध्यात्मिक सभ्यता का स्पष्ट प्रदर्शन किया है। आध्यात्मिक बुद्धि उन्नति की आवश्यकता में आकर्षक पाँच इन्द्रियों से दूर अवधारणात्मक शक्तियों का उपयोग करने की क्षमता हैं शक्ति की इन पाँच इंद्रियों को एक धारणा के साथ मान्यता के स्तर के रूप में चेतना और बुद्धि के लिए तार्किक रैखिक व यथार्थवादी चिन्तन से देखा गया है कि आध्यात्मिक बुद्धि ने जीवन के सभी मुद्दों पर लोगों के आपसी सम्बन्धों को उलझने से दूर किया है।

मयर (2000द्ध ने स्पष्ट किया कि इमोन्स की आध्यात्मिक बुद्धि और उसके पाँच पहलू मानसिक जीवन के भागों के विभिन्न प्रकारों को आवरण करने क ` लिए गैर व्यक्तित्व की चेतना को संरचित करते हैं। एमोन्स की प्रस्तावित आध्यात्मिक बुद्धि के कुछ भविष्य के संस्करण ऐसी किसी वैचारिक मापदण्ड से मिलने में है।

नोबेल (2000ए 2001द्ध ने प्रमाणित किया कि आध्यात्मिक बुद्धि मनुष्य के आन्तरिक विकास की संभावना से पूर्ण है और इमोन्स (2000) से सहमत होते हुए दो अन्य तत्व जोड़े– (1) जो लोग

चेतन व अचेतन रूप से सम्बन्धित होते हैं वे एक–एक पल के आधार पर चेतनापूर्ण पहचान की उस भौतिक वास्तविकता से जुड़े हैं जिसमें बहुआयामी वास्तविकताएँ बाधा नहीं है। क्या यह निर्धारित कर सकता है कि बुद्धि को भी आवश्यक अन ुभवजन्य मानदण्ड संतुष्ट करते हैं, से जुडी होती है। (2) चेतना का पीछा मनोवैज्ञानिक न केवल खुद के बल्कि वैश्विक समुदाय के स्वास्थ्य के लिए करते हैं।

विल्बर ;2000द्ध के अनुसार आध्यात्मिकता की कुछ वर्तमान परिभाषाओं को इस प्रकार संक्षेप में व्यक्त किया जा सकता है– (क) आध्यात्मिकता में विकासात्मक रेखाएँ शामिल है, उदाहरण के लिए संज्ञानात्मक, नैतिक, भावनात्मक और पारस्परिकता का उच्च स्तर (ख) आध्यात्मिकता ही एक पृथक विकासात्मक रेखा है। (ग) आध्यात्म (जैसे की प्यार करने के लिए खुलापन) किसी भी चरण में एक दृष्टिकोण है। (घ) आध्यात्म में चोटी के अनुभव शामिल है चरण नहीं एक अभिन्न दृष्टिकोण इन सब विचारों और अन्य लोगों को सच मानकर आरम्भ होता है।

जोहर (2000द्ध ने आध्यात्मिक बुद्धि में अंतर्निहित 12 सिद्धान्तों को परिभाषित किया है– 1. आत्म जागरुकता– यह जानना कि क्या मुझमे ं विश्वास और मूल्य है? और ये मुझे गहराई से प्रेरित करते हैं। 2. सहजता– जीवन में हर पल के लिए उत्तरदायी होने के नाते। 3. दृष्टि और मूल्य– अपने सिद्धान्तों और गहरे विश्वासों के अनुसार हुए अभिनय करना। 4. होलिज्म– सम्बन्धों व सम्पर्क में अपनेपन का भाव छोड़ कर नये तरीके से देखना। 5. करुणा–गहरी सहानुभूति के साथ महसूस करने की क्षमता रखना। 6.विविधता का उत्सव– मतभेद होते हुए भी अन्य लोगों को महत्त्व द ेना। 7. क्षेत्रीय आजादी– भीड़ के खिलाफ खड़े होने और अभियुक्तों को दोषी करार देने की क्षमता। 8. विनम्रता– दुनिया के बड़े नाटक में एक सही जगह पर खिलाड़ी की भूमिका का निर्वाह् करना। 9.

रिंफ्रेम करने की क्षमता–एक स्थिति या समस्या से वापस खड़ा होना ओर उसे तस्वीर या व्यापक सन्दर्भ में देखना। 11. विपरीत परिस्थितियों का सकारात्मक उपयोग– गलतियों के सफाए ओर पीड़ा से आगे बढ ना सीखना। 12. व्यवसाय की भावना– कुछ वापस देने क लिए सेवा की भावना रखना।

जोहर एवं मार्शल (2000द्ध ने आध्यात्मिक बुद्धि को व्यक्ति को सम्बोधित करने और अर्थ व मूल्यों की सीमाओं के समाधान के रूप में परिभाषित किया है। यह व्यक्तियों को उनके कायां और जीवन में एक व्यापक उपजाऊ अर्थ दे सकती है। आध्यात्मिक बुद्धि व्यक्ति को क्रिया या जीवन पथ का अधिक सार्थक मूल्यांकन करने क` लिए अन ुमति देती है।

कालो (2001द्ध के अनुसार आध्यात्मिक बुद्धि उस एकीकृत दृष्टिकोण व क्षमताओं का प्रतिनिधित्व करती है जो उसके विभिन्न भागों से परे सम्पूर्ण को देखता है। यह क्षमता आध्यात्मिक पथ पर चलने वाले लोगों की मदद करती है। यह उन्हें स्वार्थी उम्मीदों और ऐसी शिकायतों से परे दुनिया का अनुभव करने में मदद करती है। एलिसन एट ऑल (2001द्ध ने 1995 से धार्मिक सहभागिता, तनाव और मानसिक स्वास्थ्य के अध्ययन में स्पष्ट किया कि समकालीन शोधकर्ताओं ने अकसर आध्यात्मिक बुद्धि की व्यवहार्यता का अन्वेषण जारी रखने, उपकरणों को मापने और इसे विकसित करने हेतु आध्यात्मिक बुद्धि का स्व मूल्यांकन यंत्र जो झूठी रिपोटिग करने के लिए अति संवेदनशील हो सकता है, को कुछ दावों पर भरोसा करने के लिए खड़ा किया है। आध्यात्मिक बुद्धि की अनुभवजन्य जाँच के बीच पाया गया है कि यह एक उभरते हुए साहित्य सकारात्मक सहसम्बन्ध आध्यात्मिक और स्वस्थ्य परिणामों क` लिए हमें एक होनहार भविष्य का संकेत है। इन अध्ययनों में

पाया गया कि सामान्यता आध्यात्मिकता, धर्म भीरूता, किसी और का प्रतिनिधित्व करने का अधिकार व सहसम्बन्ध का उच्च मापन बेहतर स्वास्थ्य और मृत्यु दर के लिए अच्छा है।

एडरसन ;2001द्ध ने ओकलाहोमा स्टेट विश्वविद्यालय संयुक्त राज्य अमेरिका में ''खुलेपन भावनात्मक बुद्धि और सार्वभौमिक विविध उन्मुखीकरण के लिए आध्यात्मिकता के रिश्ते का एक अनवेक्षण'' शीर्षक पर अध्ययन का आयोजन किया। यह दबरोस्की के भावनात्मक विकास सिद्धान्त के ाव दिया कि आध्यात्मिक बुद्धि सभी बुद्धियों का विस्तार क्षेत्र है। आध्यात्मिक बुद्धि बदलने की शक्ति इसकी अन्य रूपों प्फ और म्फ के साथ तादात्म्य स्थापित करती है। जिस प्रकार प्फ मुख्यतः तर्क संगत समस्याओ का समाधान करती 73

हमें स्थिति को समझने और उसके अनुसार उपयुक्त व्यवहार करने की अनुमति देता है कि हमने इस स्थिति में पूर्व में क्या किया था। एक उच्च आध्यात्मिक बुद्धि प्रसन्नता से भरे, शांतिपूर्ण स्थिति वाले, उच्च सामाजिक सम्बन्ध और मेल तथा प्यार भरे सम्बन्धों की सबसे अच्छी भविष्यवाणी है।

वोलमैन (2001) ने आध्यात्मिक बुद्धि के अन्तर्गत आन्तरिक जीवन में आत्मा और मस्तिष्क का बाहरी संसार से सम्बन्ध स्पष्ट किया है। अस्तित्व से सम्बन्धित प्रश्नों एवं चेतना क` विभिन्न स्तरों की गहरी समझ विकसित करने की क्षमता को लागू करना ही आध्यात्मिक बुद्धि है। इसमें सम्मिलित है– चेतना से सम्बन्धित विषय, जीवन, शरीर, मस्तिष्क आर आत्मा प्रत्येक की गहरी समझ तथा अनुभवों एवं उच्च व्यूह रचना के द्वारा आत्मा का विकास।

केम्पिस (2002) के अनुसार एक वास्तविक जीवन के मुद्दों के लिए केन्द्रिय क्षमता के रूप में योग करने के लिए आध्यात्मिक बुद्धि अन्तः सम्बन्धित विशेषताओं में प्रकट होती है। यह आस्था, विनम्रता, कृतज्ञता, एकीकृत करने की क्षमता, भावनाओं सदाचार और नैतिक आचरण को विनियमित करने की क्षमता है। धागे के इन गुणों के माध्यम से भगवान के प्रति मन की शुद्धि का पता लगाने और विचारों, भावनाओं और स्वार्थी स्रोतों की कियाओं को निकालने क` लिए प्रयास है।

केटस् (2002) ने ''जागृत सृजनात्मकता और आध्यात्मिक बुद्धि : समग्र प्रशिक्षकों का आत्मिय कार्य'' शीर्षक पर टो टो विश्वविद्यालय में अध्ययन का आयोजन किया। शिक्षाप्रद प्रथाओं की पुनः अवधारणा करने हेतु पाठ्यक्रम का व्यक्तिगत और व्यवस्था परिवर्तन हेतु समग्र शक्तिशाली शिक्षा जरूरी है। समग्र शिक्षा की पारदर्शी प्रथाओं हेत ु व्यक्तिगत परिवर्तन के माध्यम से पूर्णता के स्तर का पोषण है। आधुनिक शिक्षा क ` लिए पौष्टिक रचनात्मकता, व्यवहारिक विचार और नवीन मानवीय प्रौद्योगिकी का योगदान समग्र शिक्षा शोध के विचार है। इस अध्ययन की प्रकृति गुणात्मक है। अन्वेषणकर्ता ने कथा आवाज विधि को जाँच के लिए प्रयोग किया। यह अध्ययन उन तीन शिक्षकों के कार्य के साथ एक सौदा है जिन्होंने वास्तविक पारदर्शिता और आध्यात्मिक चेतना के लिए रचनात्मक गतिविधियों का प्रतिबद्ध मॉडल विकसित किया। अध्ययन के आधार पर शोधकर्ता ने इंगित किया कि देखभाल और प्रामाणिकता के सिद्धान्त उनकी शैक्षिक मुठभेड़ों को सूचित करने और स्वयं एकीकरण के माध्यम से सीखने, परिवत`न करन` में भाग लेने से है। उनकी प्रथाएँ आन्तरिक संतुलन को बाया कि बुद्धिमता कई प्रकार की होती है। परन्तु इनका विकास आत्मनिर्भर होता है।

आध्यात्मिक बुद्धिमता को जानने क` लिए तथा आत्म एकीकरण को जानन ` के लिए विभिन्न रास्त ` हैं। आध्यात्मिक बुद्धिमता आध्यात्मिक पसंद को बनाने व मनोवैज्ञानिक तौर पर मनुष्य को स्वस्थ्य रखन` में योगदान देती है। यह बाहरी द ुनिया के काम के साथ मन और आत्मा के भीतर क` जीवन के एकीकरण के लिए कार्य करती है। यह प्रश्न जाँच और अभ्यास के माध्यम से कार्य करती है। आध्यात्मिकता का अस्तित्व हर जगह मनुष्य मन मस्तिष्क में विद्यमान है। आध्यात्मिकता में उच्च स्तर की विकासात्मक रेखाएँ जैसे– संज्ञानात्मक, नैतिक, भावनात्मक और पारस्परिकता शामिल है। इसमें चोटी के अनुभवों को शामिल किया जाता है, उसके विभिन्न स्तर नही। आध्यात्मिक बुद्धि को परम (सर्वाधिक) अपन`पन या सम्बन्धों की सीमा के बाहर अस्तित्व होने क` सन्दर्भ में वर्णित किया जा सकता है।

विजल्सवोर्थ (2002) के अनुसार आध्यात्मिक बुद्धि की अवधारणा आगे की परवाह किए बिना परिस्थिति के भीतर आर बाहर शांति (धैर्य) को बनाए रखते हुए करूणा और ज्ञान के साथ व्यवहार करने की क्षमता है। इसलिए आध्यात्मिक बुद्धि किसी की परवाह किए बिना तनाव या तीव्र संघर्ष चाहे वह परिस्थितियों के भीतर और बाहर दोनों ओर हो शांति और प्यार प्रदर्शन बनाए रखने के लिए सक्षम बनाता है। जो एक आवश्यक व्यक्तिगत बंदोबस्त है। इसलिए यह समाज में संघर्ष प्रबन्ध और शांतिपूर्ण सह अस्तित्व में मदद करता है।

फ्राई (2003) के अनुसार अधिक समग्र नेतृत्व के लिए एक आध्यात्मिक घटक के साथ व्यक्ति के चार आवश्यक आयाम का घालमेल है। भौतिक शरीर, मन के विचार, दिल कि भावनाएँ और आत्मा। इसीलिए अनुयायियों को प्ररित करने के लिए, न ताओं को

अपने कोर मूल्यों साथ सम्पर्क में आने और उनके अनुयायियों के माध्यम से दृष्टि, व्यक्तिगत कार्य और सदस्यता के माध्यम से आध्यात्मिक अस्तित्व की भावना पैदा करने के लिए संवाद करना होगा।

हार्टसफाइड (2003) ने रिजेन्ट विश्वविद्यालय संयुक्त राज्य अमेरिका में ''परिवर्तनकारी नेतृत्व में आन्तरिक गतिशीलताः आध्यात्म, भावात्मक बुद्धि और आत्म प्रभावकारिता के प्रभाव के सन्दर्भ के साथ '' शीर्षक पर अध्ययन का आयोजन किया। अध्ययन का उद्देश्य परिवर्तनकारी नेतृत्व पर आध्यात्म, भावनात्मक बुद्धि और आत्म प्रभावकारिता के प्रभाव का पता लगाना था। परिवर्तनकारी नेतृत्व का संचालन–प्रभाव, प्रेरणादायक प्रेरणा, बौद्धिक उत्तेजना, आदर्शवाद और व्यक्तिगत विचार चारों के माध्यम से किया गया हैं। इन तीन निर्देश चरों– आध्यात्म, भावात्मक बुद्धि और आत्म प्रभावकारिता का परिवर्तनकारी नेतृत्व पर प्रभाव का मापन एक बड़े निगम के 124 नेताओं के एक नमूने से इकट्ठे हुए अनुभवजन्य डेटा का उपयोग करके किया गया था। यह अध्ययन स्पष्ट करता है कि नेतृत्व के लिए भावात्मक बुद्धि शक्तिशाली निर्देश चर है। जिसका पीछा आत्म प्रभावकारिता और आध्यात्मिकता करते हैं। इन्होंने नेतृत्व के रिवाज की भी अपने अध्ययन में चर्चा की थी।

हयूगर (2003) ने कानसॉस विश्वविद्यालय संयुक्त राज्य अमेरिका में ''प्रख्यात आध्यात्मिक नेताओं का भावनात्मक विकास'' शीर्षक पर अध्ययन का आयोजन किया। इन्होंने विचारों, भावनाओं और उनके भावनात्मक विकास के सम्बन्ध में ईसाई और यहूदी धर्म के दस प्रख्यात आध्यात्मिक नेताओं के व्यवहार की जाँच की । इन नेताओं को आध्यात्मिक क्षेत्र में कम से कम बीस वर्ष का अनुभव था और ये दो या दो से अधिक पुस्तकों के लेखक थे। अध्ययन से आठ

निष्कर्ष निकाले गये– (अ) भावनात्मक विकास के लिए कर्त्तव्यों क` प्रति समर्पण महत्त्वपूर्ण है। (ब) एक जीवन आसान और अधिक परिपूर्ण है अगर यह प्रवाह और भावनात्मक विकास के एक चरण से अलग करने क` लिए विकसित करने की अनुमति देता है। (स) किसी व्यक्ति की प्रगति शैक्षिक और भावनात्मक विकास के स्तर के माध्यम से अधिक महत्त्वपूर्ण लोगों से प्रभावित होती है। (द) पीछे मुडकर देखन` पर हमें यह अहसास होता है कि लेखक और उसका लेखन हमारे जीवन और भावनात्मक विकास पर महान् प्रभाव डालते है। (य) हमें हमारे मन को शांत रखने, जीवन को अकोलाहलयुक्त करने, हमारे जीवन का उद्देश्य जानने के लिए हमारी गतिविधियों पर नियंत्रण करना सीखना चाहिए। (र) अपना अंर्तज्ञान सबसे अच्छा शिक्षक है, इसकी बात सुन कर उच्च स्तरीय भावनात्मक विकास का न`तृत्व किया जा सकता है। (ल) जब बच्चे माता पिता का समर्थन और अनके बिना शर्त प्यार का अनुभव करते हैं तो उनकी उन्नति व भावनाओं का प्रामाणिक विकास होता है। (व) एक व्यक्ति प्रार्थना के माध्यम से सशक्त बन सकता है।

अस्तिन एवं अन्य (2004) ने अकादमिक वातावरण में कॉलेज और विश्वविद्यालय छात्रों की दृते हैं और अधिक तेजी से बदलती द ुनिया में जीवित रहन` के लिए मदद कर सकते हैं। यह अनुसंधान वयस्क (25+) जाँच की परिणाम पर आधारित है कि कैसे वयस्क (25+) का एक समूह, अमेरिकी पुरूष और महिला छात्रों का अनुभव और उपयोगी सीखने के लिए पाँच दिवसीय आवासीय संगोष्ठि परिवर्तनकारी सीखने और विकास को बढ़ाने के लिए निरिक्षण और साक्षात्कार के लिए आठ महिने से अधिक के द्वारा त ैयार की गई। अध्ययन मूल्यांकन करता है कि परिर्वतनकारी शिक्षण, विकासात्मक वृद्धि, बढ़ी हुई आध्यात्मिक बुद्धि या सराहना को जानने क लिए

संगोष्ठि पालक दिखाई दी। अध्ययन के निष्कर्ष में शैक्षिक द ष्टिकोण और प्रथाएँ जो कि उच्च परिवर्तनकारी सीखने और विकास को ब में आए।

क्रम्ली (2005) ने इडाहो विश्वविद्यालय संयुक्त राज्य अमेरिका में ''एक शिक्षक बनाने क ` अल्पकालीन अनुभवः बौद्धिक भावनात्मक और आध्यात्मिक यात्रा का गोचर अध्ययन'' शीर्षक पर अपना शोध कार्य किया। यह अध्ययन जाँच करता है कि माध्यमिक विद्यालय स्तर के शिक्षार्थी शिक्षक अपनी प्रबुद्ध भावनात्मक और आध्यात्मिक क्षेत्र को समझने क ` लिए क्या करते हैं? शैक्षिक पारिस्थितिकी उनके शैक्षिक प्रशिक्षण पर क्या प्रभाव डालती है। यह समग्र विद्यार्थी अपने जीवन अनुभवों के प्रकाश में शिक्षक के व्यक्तिगत और पेशेवर विकास की खोज करता है और प्रौने के लिए था। यह नतिक जीवन में भावनाओं से खेलने की भूमिका की जाँच करता है। नैतिक क्षेत्र में शक्तियाँ और कमजोरियाँ दोनो अपने को समझने में मदद करती है। यह अध्ययन संवेदात्मक नैतिक सिद्धान्तों को प्रकाशित करता हैं। जो एक सिद्धान्त के विकास हेतु उत्कृष्ट नींव प्रदान करता हैं। जो न केवल नैतिक सिद्धान्तों को सही ठहराता है बल्कि उन्हें बाहर भी निकालता है। उन्हें स्वीकार कर उन सिद्धान्तों के आधार पर कार्य करने के लिए एक अंतर्निहित प्रेरणा प्रदान करता है। इस महा्न खोज में नैतिकता को सैद्धान्तिक आधार प्रदान करने के लिए व्यापक दर्शन संभव ह। प्रेरित संवेदात्मक पर्याप्त सामाजिक और भावात्मक प्रकृति के व्यक्तियों की गम्भीरता के लिए नहीं स्पष्ट है कि एक बार सच्चे प्रकृति के मनुष्य के नैतिक अनुबंध से पहले इन ऐजेंटो को यथोचित करने के विचार पर सहमत होने के लिए आगे बढ़ सकते हैं। शोधकर्ता का तर्क है कि मनुष्य की भावनात्मक प्रकृति, विशेष रूप से भावनाओं के लिए

उसकी क्षमता जैसे सहानुभूति, दूसरों को उसके भावनात्मक प्रतिबद्धताओं के साथ युग्मित करती है। कि ये ऐजेंट नैतिक उत्तरदायित्व में न केवल एक दूसरे को नुकसान से बचाने किन्तु साथ ही एक दूसरे की मदद करने के व्यापक कर्त्तव्यों पर भी सहमत होने चाहिए।

गोलमैन (2005) के अनुसार यथार्थ रूप में आध्यात्मिक बुद्धि किसी दिए गए क्षेत्र में आध्यात्मिक समझ करने के लिए एक संज्ञानात्मक क्षमता से अधिक है। सामान्य रूप से यह किसी हद तक आध्यात्म को समझने की शक्ति के लिए निश्चित क्षमता है। ऐसे एक व्यापक क्षमता निश्चित मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया को घटा नहीं सकती है, हालांकि कुछ आध्यात्मिक प्रथाओं और क्षमताओं को अन्य मनोवैज्ञानिक गतिविधियों के द्वारा प्रकट किया जा सकता है।एक विश्वविद्यालय की स्थापना में महाविद्यालय छात्रों की आध्यात्मिकता और स्वास्थ्य के बीच सम्बन्ध शीर्षक पर अध्ययन का आयोजन किया। अध्ययन में भाग लेने क` लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के टेनेसी विश्वविद्यालय के निजी स्वास्थ्य और कल्याण की कक्षाओं में प्रवेश लेने वाले स्नातक छात्रों को चुना गया। नमून` का आकार 221 था। शोधकर्ता ने एक आत्म विकसित, विश्वसनीय और वैध उपकरण अर्थात् आध्यात्म स्केल () और महाविद्यालय के छात्र मूल्यांकन का जोखिम सर्वेक्षण (ब्।ै) महाविद्यालय छात्रों के स्वास्थ्य और आध्यात्म को मापने के लिए प्रयोग किया गया। महाविद्यालय छात्रों के आध्यात्म के आत्म प्रतिवेदन और स्वास्थ्य की स्थिति के बीच सम्बन्ध पाया गया। यह अध्ययन युवा वयस्कों क` बीच स्वास्थ्य के विभिन्न आयामों में आध्यात्म की भूमिका को समझन` की और एक महत्त्वपूर्ण कदम के रूप में सार्थकता रखता है।

रॉयस (2005) ने कनाडा के टोरटो विश्वविद्यालय में ''आत्म तरंगः समग्र परिवर्तन का एक मॉडल'' शीर्षक पर शोध कार्य का आयोजन किया। यह अध्ययन सैद्धान्तिक रूपरेखा ''आत्म लहर'' शीर्षक को एक प्रक्रिया के रूप में पेश करने का इरादा है। निम्न समस्याओं से रूडोल्फ स्टिनर और जिदू कृष्णमूर्ति के काम के आधार पर निपटा जा रहा था। जो स्वयं पर भीतरी कार्य के माध्यम से एक पूरी तरह से महसूस आध्यात्मिक बुद्धि के विकास के अन्तिम लक्ष्य के साथ है। ''आत्मा की लहर के मॉडल'' के समग्र परिवर्तन में एक आत्म ज्ञान विकसित होता है इतना कि वह निःस्वार्थ सेवा करने में दुनिया के साथ बातचीत कर सकते हैं। ''स्व वह है जो उन्होंने मॉडल में जोर देकर कहा पर मैं मेरे आत्म विकास का चालक हूँ, ध्यान वाहन है, पायलट आध्यात्मिक बुद्धि है, आत्म बोध दिशा है, भीतरी सडक मार्ग है, कुल स्वतंत्रता गन्तव्य है और आगमन परमानंद की शुरूआत है और इस यात्रा के प्रारम्भ और समापन के साथ उपस्थित होना भावनात्मक विशेषता है।

रूइज़ (2005) ने संयुक्त राज्य अमेरिका के टेक्सास विश्वविद्यालय में ''शैक्षिक नेतृत्व में आध्यात्मिक आयाम'' शीर्षक पर शोध कार्य का आयोजन किया। आत्मा से भरे अनुभव और शिक्षा के रूप में दो अलग–अलग क्षेत्रों पर विचार किया गया। यह अध्ययन उभरे और सफल शैक्षिक नेताओं के जीवन में आध्यात्मिक आयाम की शक्ति को समझाने के लिए अतार्किक और साहित्यिक तार्किक ज्ञान प्रदान करता है। इस अध्ययन की प्रकृति गुणात्मक है। यह अध्ययन सफल शैक्षिक नेताओं का प्रयोग स्कूल और उनके प्रदर्शन से सम्बन्धित उनकी प्रभावशीलता को मजबूत करने के लिए आध्यात्म का पता लगाने के लिए है। प्रमुख निष्कर्षों पर आधारित शिक्षा के लिए नेतृत्व से सम्बन्धित चार विशेषताएँ स्पष्ट हैं– जवाबदेही और

अनुपालन, पाठ्यक्रम और अनुदेशन, योजना और निर्णय लेना, समुदाय की भागीदारी ये सभी आध्यात्मिक आयाम से सम्बन्धित है। नेतृत्व के लिए एक अन्तः सम्बन्धित परमाणु आकार प्रतिरूप जो शैक्षिक नेताओं मे ं आध्यात्मिक तत्व अन्तवैयक्तिक, पारस्परिक अन्तः सम्बन्धित और पारिस्थितिक सम्बन्धित शिक्षा प्रणाली और वैश्विक जीवन के लिए नए जीवन क ` निर्माण का विशेष प्रकार का प्रतीक प्रस्तावित किया गया।

माइकल गार्ज (2006) ने "कार्य स्थल पर आध्यात्मिक बुद्धि लाना" विषय पर अपने लेख में बताया कि गति आधुनिक भगवान है। प्रबन्ध को बेहतर और नेतृत्व को अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए इस परिवेश में एक नवीन और गहरी बुद्धिमता की आवश्यकता है। जब खलील जिब्रान 19 वीं सदी के कवि, दार्शनिक ने कहा "काम दिखाई देने वाला प्यार है, वह दूरदर्शिता है।" एक समय था जब आध्यात्मिकता व्यवसाय में पाई जाती थी तथाकथित आध्यात्मिक बुद्धि कार्यस्थल पर अपना रास्ता खोज लेती है। यदि आप एक निन्दक है जो विशुद्ध रुप से कार्यात्मक प्रक्रिया के रुप में कार्य को देखते हैं तो आध्यात्मिक बुद्धि आपके कार्य को अपने रडार पर पंजीकृत करने में अविश्वसनीय है। जब अधिक प्रबुद्ध प्रबन्धक जो दृढ़ता से जोड़ने वाली टीम बनाता है और प्रत्येक व्यक्तिगत संभावना को मुक्त करता है, तो यह परिपूर्ण समझ बनाती है। कुछ मात्रा में आध्यात्मिक बुद्धि प्रत्येक व्यक्ति रखता है लेकिन कुछ लोग इसके द्वारा अपना विकास करना सीख लेते हैं। जब विश्वविद्यालयी शिक्षा तर्कसंगत बुद्धि के चारों ओर प्रकाश डालती है तो हममें से कुछ इससे टकराते हैं और आध्यात्मिक बुद्धि में प्रशिक्षित होते हैं। दूसरी तरफ देखभाल करने की क्षमता और बर्दाश्त करने के लिए शक्ति व अनुकूलन जैसे गहरे आन्तरिक संसाधनों का उपयोग

खोजने के लिए आध्यात्मिक बुद्धि आवश्यक है। एक व्यक्ति के रुप में कार्यस्थल सम्बन्धों के स्थानान्तरण के संदर्भ में, एक स्पष्ट और स्थायी सोच का विकास करने के लिए, घटनाओं और परिस्थितियों के वास्तविक अर्थ पर विचार करने के लिए, कार्य को अर्थपूर्ण बनाने में सक्षम होने के लिए आध्यात्मिक बुद्धि आधार है। बहुत से लोग सोचते हैं कि काम करने में आध्यात्मिक सबसे महत्त्वपूर्ण हैं– (1) यह कैसे व्यक्तिगत सुरक्षा और व्यक्तिगत प्रभावशीलता को प्रभावित करती है ? (2) सम्बन्धों क ` निर्माण और पारस्परिक सम्बन्धों पर प्रभाव नहीं है जबकि कार्य क ` बहुत से क्षेत्रों में आध्यात्मिक बुद्धि को लागू किया जा सकता है। शायद ये तीन क्षेत्र (3) प्रबन्ध के परिवर्तन और बाधाओं को दूर करने हेतु। ने दक्षिण अफ्रीका के दक्षिण अफ्रीकी विश्वविद्यालय में आध्यात्मिक बुद्धिमान आचरण प्रतिरूप संगठनात्मक संचार के एक वर्णनात्मक और खोजपूर्ण अध्ययन का आयोजन किया। इस अध्ययन में समाज में व्यक्तियों की सामान्य प्रेरणा और व्यवहार के रूप में तथा संगठन में विशेष रूप से बुद्धि को प्राथमिक चर के रूप में समझने की आवश्यकता है। एक भेद (अन्तर) बुद्धि, भावनात्मक बुद्धि तथा आध्यात्मिक बुद्धि के मध्य बनाया गया है। प्फ (न्यूटोनियम भौतिकी में जो इसकी जडें है) म्फ (जो एक व्यक्ति को बदलती हुई परिस्थितियों के अनुकूल होने के लिए सक्षम बनाती है। फ (आध्यात्मिक बुद्धि एक सार्थक और समग्र अनुभव की स्थित है। जो पुनः प्रकरण में किसी व्यक्ति की मदद करती है।) शोधकर्ता ने विभिन्न विचार विमर्शो के आधार पर दलील दी है कि 20 वीं शताब्दी के दौरान समाज में होने वाले परिवर्तन और विकसित समाज में ब और आध्यात्मिक बुद्धि से सम्बन्धित हो सकती है। यह भी उल्लेख किया गया था कि समाज के सदस्यों की

आवश्यकताओं, प्रेरणाओं तथा व्यवहार में कोई भी परिवर्तन संगठन में परिलक्षित किया जावेगा इसलिए संगठनात्मक प्रबन्ध को नये कर्मचारियों की व्यक्तिगत तलाश के अर्थ में परिवर्तित आवश्यकताओं और प्रेरणाओं से सम्बन्धित आध्यात्मिक बुद्धि को पहचानने की आवश्यकता है। यह विशेष रूप से अवयवस्था संघर्ष और कार्यस्थल प्रतिरोध की पुनरावृत्ति को सीमित करने के एक साधन के रूप में महत्त्वपूर्ण है। यह अध्ययन इंगित करता है कि महत्त्वपूर्ण के कारण अर्थ साझा करने के लिए इस हद तक प्रथाओं के बारे में बातचीत कर सकते हैं। इस अध्ययन में शोधकर्ता ने संगठनात्मक संचार के लिए एक आत्मिक बुद्धिमान पारदर्शी मॉडल की खोज में एक संचार प्रणाली को विकसित करने की कोशिश की। इनके अनुसार आध्यात्मिक बुद्धि व्यक्तिगत क्षमताओं का सेट है जिसे वह प्रयोग में लाता है। उसके दैनिक कार्यो ं और खुशहाली के आकर्षक रास्ते में मूल्य और गुण प्रत्यक्ष रूप से आध्यात्मिक संसाधनों को मूर्त रूप देते है ं।

अम्राम ओर ड्राइर (2007) ने आध्यात्मिक बुद्धि और इसके पाँच विस्तृत क्षेत्र तत्वां का विकास किया। ये है चेतना कपा दृष्टि, अर्थ, अतिक्रमण और सत्य। चेतना उदय और बदलाव की क्षमता पर प्रकाश डालती है, अंतर्ज्ञान का दोहन करने के लिए और तरीके हैं, बहुआयामी विचारों, बिन्दुओं का सम्मिश्रण जो दैनिक कार्यो ं और खुशहाल जीवन का आकर्षक रास्ता है, कृपा दृष्टि प्यार जीवन के लिए प्रेरणा, सौन्दर्य, खुशी के कामकाज और खुशहाली मे ं वृद्धि के लिए प्रत्येक वर्तमान क्षण में निहित कार्य पर प्रकाश डालती है। कृपा दृष्टि को 6 छोटे अन ुभागों में बाँटा जा सकता है। ये है– सौन्दर्य, प्रभेद, स्वत ंत्रता, कृतज्ञता, व्याप्तिवाद और खुशी। सौन्दर्य कार्यस्थल की स्थिति के सन्दर्भ में कार्य, वातावरण और प्रकृति के

सन्दर्भ में कार्य वातावरण और प्रकृति के कर्त्तव्यों और जिम्मेदारियों से खूबसूरती की सराहना करने के लिए संदर्भित करता है। स्वतंत्रता नियमों और विनियमों के खिलाफ व्यक्तियों के कार्यो ं को संदर्भित करता है। आभार चीजों को व्यक्ति के रास्ते में आने के लिए कृतज्ञता को दर्शाता है। व्याप्तिवाद जीवन की सरल चीजों और प्रकृति को संदर्भित करता है। खुशी व्यक्ति की समझ उपस्थिति विकल्पों और उसकी क्षमताओं को संदर्भित करती है। अर्थ क ` रूप में आध्यात्मिक बुद्धि का दूसरा प्रमुख क्षेत्र गतिविधियों और अनुभवों को संदर्भित करने के लिए मूल्य और तरीके हैं जो कामकाज और दर्द के चेहरे में भलाई बढ़ाने में व्याख्याओं का निर्माण और पीड़ा का अनुभव करने की क्षमता को दर्शाता है। इसके अर्थ को दो उप अनुभागों में विभाजित किया जा सकता हैः उद्देश्य और सेवा। उद्देश्य– व्यक्तियों के कार्यों के समय उद्देश्यों को संदर्भित करता है और कार्य को प्रगति के रूप में देखता है। सेवा– कार्य स्थल पर व्यक्तियों के भावों को दर्शाती है कि कार्य में प्यार या अरूचि की अभिव्यक्ति हो रही है।

बोनाब व अन्य (2007) के अनुसार भगवान के साथ सम्बन्ध पुनर्जीवन में विश्वास, जीवन गुजर जाने के रास्ते में मानव विकास में विश्वास, भगवान और भगवान का सार्थक निर्देशन और संगठित जीवन और दुनिया के स्थायी अस्तित्व में विश्वास, निजी जीवन मे ं फिक्सिंग के साथ सम्बन्ध आदि। मानव विकास में धार्मिक प्रथाओं और संस्कार के प्रभाव के विषय में यह पहलू जन्मजात है और विकसित होता है या संशोधित होता है। के अनुसार इस्लाम में आध्यात्मिक बुद्धि और इसके घटक–इस्लामी प्रामाणिक संस्कृति में आध्यात्मिक बुद्धि पर विशेष ध्यान अन्तर्निहित किया गया है। पैगम्बर के सरल शब्दों में आध्यात्मिक बुद्धि कुरान के गहरे अर्थ की

समझ बनाती है जो आध्यात्मिक बुद्धि से आनन्दित होते हैं, उन्हें कुरान में सर्वश्रेष्ठ कहा गया है क्योंकि वे कल्पनाशील सीमाओं से वास्तविक सार को समझ सकते है। इस्लामी किताबों के अनुसार धर्म परायणता और संयम आध्यात्मिक बुद्धि के प्रभावी कारक हैं। इसके अलावा इन सुविधाओं के साथ–साथ विश्व के बारे में दैनिक प्रार्थना कर, उपवास कर, कुरान

पदार जीवन सपनों के साथः सपने प्रभेद और आध्यात्मिक बुद्धि के बीच त्रिकोणीय सम्बन्ध शीर्षक पर अध्ययन किया। अध्ययन के प्रमुख उद्देश्यों में से एक उद्देश्य सपने, प्रभेद और आध्यात्मिक बुद्धि के बीच सम्बन्धों को निर्धारित करना था। यह उन लोगों क` अनुभव पर ध्यान केन्द्रित करता है जो उन्हें आध्यात्मिक प्रभेद या एक आध्यात्मिक संदर्भ में निर्णय प्रक्रिया कि साथ मदद करने के लिए सपनो का उपयोग करते है। अध्ययन क` लिए केस स्टडी पद्धति का प्रयोग किया गया। आँकडों के संग्रहण के लिए उपकरण में प्रश्नावली, व्यक्तिगत सपना रिकॉर्ड्स और साक्षात्कार के माध्यम से चयनित सात प्रतिभागियों और उनके सपनों के मार्गदर्शन के लिए साक्षात्कार शामिल थे। प्रतिभागी स्वयं सेवक जो एक समाचार पत्र विज्ञापन के लिए लोगों से आगे आने की प्रार्थना करतें हैं, जिनके सपने उन्हें निर्णय लेने में मदद करते हैं। जो अपने सपनों के लिए कूच करते हैं ओर खुद को आध्यात्मिक मानते हैं। अधिकांश प्रतिभागियों ने उत्तर दिया कि सपन ` उनको आध्यात्मिकता के विकास में मदद करते हैं। परिणामों में एक संख्या में उदाहरण थे। जो कि दो मुख्य समूहों में शामिल है। (अ) एक सपना समझने क` लिए प्रभेदन का उपयोग करें। (ब) सपनो का उपयोग एक प्रभेदन प्रक्रिया में भाग लेने क` रूप में। इस अध्ययन में आत्मिक रहने की बढ ती इच्छा को मजबूत बनाने की गहरी

सराहना की गई और एक व्यक्ति का आध्यात्मिकता के बारे में अधिक सीखने पर बाव के बारे में तमीज और निर्णय लेने में जागरूक नहीं होता है। अध्ययन के काम में शामिल लोगों के बीच सपने, प्रभेद और आध्यात्मिक बुद्धि क` बीच एक त्रिकोणीय सम्बन्ध की पुष्टि की। इससे वह तरीका पता चलता है जिसके द्वारा उन लोगों में विश्वास, प्रभेद प्रक्रिया का निर्माण कर सकते हैं। जो एक आध्यात्मिक संदर्भ में मार्गदर्शन के लिए अपने सपने के लिए बदल रहे थे।

हाओबाई व अन्य (2007) के अनुसार पीएच.डी. के विद्यार्थियों पर अन ुसंधान की प्रस्तुति का प्रभाव आध्यात्मिक लब्धांक के विषय के अध्ययन पर पडता है। इन्होंने विश्लेषण करके यह सिद्ध किया है कि आध्यात्मिक लब्धांक आध्यात्मिक योग्यता का एक नया तर्क है। यह उन पीएच.डी. छात्राओं पर केन्द्रित है, जिन्होंने महाविद्यालय के कार्यो में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया परन्तु शैक्षणिक योग्यताओं में उनकी कोई भूमिका नहीं थी।

जिमोह (2007) ने आध्यात्मिक बुद्धि और भावनात्मक बुद्धि में एक सकारात्मक सार्थक युग्म समायोजन पाया लेकिन अध्यापन पेशे के बीच भागफल महत्त्वपूण नकारात्मक सहसम्बन्ध के साथ युग्मित समायोजन का सम्बन्ध है।

ओटो (2007) के अनुसार आध्यात्मिक बुद्धि संकेत करती है एक विश्वास आधारित क्षमता की ओर, धर्म सम्बन्धित अनुभव की ओर जैसे–उच्चतम शक्ति एक उद्देश्य और निश्चित मूल्य की ओर संकेत करती है।

टूओंगसन (2007) ने फीनिक्स विश्वविद्यालय, एरिजोना, संयुक्त राज्य अमेरिका में ''आध्यात्मिक बुद्धि के नेतृत्व में संयुक्त राष्ट्र के

वैश्विक दृाव का उपयोग कर दिखाई द ेते हैं और इसके परिणामस्वरूप आध्यात्मिक बुद्धि की नेतृत्व शैली को वास्तव में साकार किए बिना वे ऐसा कर रहे हैं।

ऐशन एट ऑल (2008) ने पुत्र विश्वविद्यालय मलेशिया के शिक्षा विभाग मे ं आध्यात्मिक बुद्धि, किशोरावस्था और आध्यात्मिक बुद्धि, आध्यात्मिक बुद्धि में व्यक्तिगत मतभेदों के कारकों का योगदान और सम्बिन्धित सिद्धान्त पर समीक्षात्मक अध्ययन किया। इनके अन ुसार किशोरावस्था को अवधि सकारात्मक भावनाओं और प्रशिक्षण कौशल को विकसित करने के लिए सबसे अच्छा समय है क्योंकि किशोर इस अवधि में उनकी पहचान और भावी व्यक्तित्व को पहचाननें की मांग करते हैं। आध्यात्मिक बुद्धि का जीवन की गुणवत्ता पर एक सार्थक प्रभाव है यह बिना कहे नहीं रहा जा सकता है कि किशोरावस्था एक संवेदनशील अवधि है जिसमें उज्ज्वल भविष्य बनाने के लिए और विशेष कठिनाइयों को उजागर करने के लिए प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है। आध्यात्मिकता को बुद्धि के एक प्रकार के रूप में देखा जा सकता है क्योंकि यह कामकाज ओर अनुकूलन की भविष्यवाणी कि क्षमताओं की पेशकश हैं। जो लोगों की समस्याओं का समाधान और लक्ष्य को पाने के लिए सक्षम है। आध्यात्मिकता की अवधारणा बुद्धि के एक प्रकार के रूप में आध्यात्म के मनोविज्ञानी गर्भाधान तक बाने की तरह तर्कसंगत संज्ञानात्मक प्रक्रियाओं के साथ इसकी एसोसिएशन की अनुमति देती है।

क्रिंस्टन (2008) ने ऑलीयन्ट अन्तर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय सेन फ्रांसिस्को, संयुक्त राज्य अमेरिका में ''संगठनात्मक नेताओं में आध्यात्मिक बुद्धि का एक गुणात्मक अध्ययन'' शीर्षक पर अध्ययन का आयोजन किया। यह एक गुणात्मक अध्ययन था। जिसमें संगठनात्मक नेताओं का अध्ययन आत्म विवरण पर आधारित निम्न

प्रश्नों के क्रम में किया गया– संगठनात्मक नेता कैसे आध्यात्मिक बुद्धि का अनुभव करते है ? उनकी आध्यात्मिक बुद्धि के अनुभव की प्रकृति क्या है? यह निर्धारित करने के लिए अध्ययन की मांग थी कि कहाँ संगठनात्मक नेता अधिक बुद्धिमान है, आध्यात्मिक बुद्धि उनके साथ कैसे कार्य करती है और किस हद तक कार्य करती है। आध्यात्मिक बुद्धि का संगठनात्मक नेताओं द्वारा उनके संगठनों के प्रभावी रूप से नेतृत्व करने के लिए, संगठनात्मक संस्कृति को प्रभावित करने के लिए उपयोग किया जाता है। अध्ययन का विषय 6 संगठनात्मक नेता जो 30.69 साल की उम्र के है और 2.12 वर्ष का नेतृत्व अनुभव रखते हैं और प्रत्येक कम से कम अपने 5 अधीनस्थों को देखते हैं। आँकड़ों का एकत्रिकरण ओपन एडेड आमने सामने साक्षात्कार का प्रयोग कर सुगंध के आध्यात्मिक बुद्धि के अनुभवों के विषयों का पता लगाने क` लिए किया गया। आँकड़ों का विश्लेषण करने के लिए गुणात्मक पद्धति का प्रयोग किया गया था। परिणाम संकेत देते हैं कि प्रत्येक नेता के अनुभव की प्रकृति अलग है (यह आवश्यक विषयों के माध्यम से परिलक्षित हो गया) अध्ययन से यह भी पता चलता है कि (अ) अपने दिन प्रतिदिन की जिम्मेदारियो के निर्वहन में का प्रभाव पडता है (ब) आध्यात्मिक बुद्धि के कार्य सभी नेताओं क` लिए अलग के रूप में है। एक तीव्र जिज्ञासा के दृष्टि कोण पर आधारित, आध्यात्मिक बुद्धि को एक केन्द्रीय हित क्षमता ष्गवान के माध्यम से दुनिया और अपने को समझने के लिए और तदनुसार जीवन के अनुकुलन के रूप में माना जाता है। यह एक बुनियादी योग्यता है जो अन्य सभी योग्यताओं के आकार और निर्देशन की क्षमता है। आध्यात्मिक लेखक और अविशेषज्ञ लोग इसे जानने के लिए अपने व्यक्तिगत अनुभवों पर निर्भर है तथा आध्यात्मिक बुद्धि की कई विशेषताओं

का वर्णन करते हैं जैसे– आस्था, विनम्रता, कृतज्ञता, एकीकृत करने की क्षमता, भावनाओं सदाचार और नैतिक आचरण को नियंत्रित करने की क्षमता है, क्षमा व प्रेम के लिए क्षमता है सबको सम्मलित करने वाले चित्रित वर्णन में आध्यात्मिक बुद्धि विकासात्मक प्रकृति के निर्माण, अनुभवों के संचय के माध्यम से किसी व्यक्ति के जीवन में अभिव्यक्तियों के रूप में प्रकट होती है।

राइट (2008) ने तर्क दिया कि कर्मचारी उनकी अलग–अलग विशेषताओं के आधार पर व्यवहार प्रदर्शित करते है। उनके लक्षण मुख्य रूप से उनके संज्ञानात्मक और असंज्ञानात्मक क्षमताओं के स्तर पर निर्भर करती है। संज्ञानात्मक क्षमताएँ उनकी शिक्षा कौशल और अनुभव के स्तर को संदर्भित करती है। असंज्ञानात्मक क्षमताएँ उनकी भावात्मक बुद्धि व आध्यात्मिक बुद्धि को संदर्भित करती है। ये दोनों ही क्षमताएँ एक दूसरे की पूरक हैं। संगठन पर अच्छे कार्य का दबाव इनकी पूरकता का परिणाम है। जिससे संगठन सामूहिक कार्य, सामंजस्य और अन्तः क्रिया कौशल का प्रदर्शन करेगा। एक संयुक्त कार्य दबाव संगठन की शक्ति होती है और उसकी शक्ति संगठन के उत्पादन स्तर को बढ़ती रूचि के बावजूद कॉलेज और विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच कुछ ऐसा करने के लिए अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। जो चेतना और आध्यात्म के विविध धर्मशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य, जिसमें पश्चिमी विज्ञान और गैर पश्चिमी ज्ञान परम्परा के सिद्धान्तों का परीक्षण करके इस अन्तर का पता लगाते हैं। इस अध्धयन में 24 स्नातक छात्रों को जो उनके लिए इस दृष्टिकोण का बौद्धिक और व्यक्तिगत प्रभाव का पता लगाया। इस हेतु छात्रों को स्वेच्छा से वाशिंगटन विश्वविद्यालय के तिमाही कार्यक्रम 2008 में चेतना के बारे में एक ऑनर्स कोर्स में दाखिल हुए थे। अध्ययन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया। 19

(79ः द्ध छात्रों ने अध्ययन में भाग लिया यद्यपि 14 (58ः द्ध छात्र ही अध्ययन को पूरा कर पाए। इस अंतिम समूह में 7 पुरूष व 7 महिलाएँ शामिल थे। सात वरिष्ठ थ, पाँच जूनियर थे, एक–एक अनुभवी थे और एक– एक नये थे। तीन प्रतिभागी कला और मानविकी में थे, दो सामाजिक विज्ञान, एक जीव विज्ञान, छः प्राकृतिक विज्ञान में पढ़ाई कर रहे थे और दो इंजीनियरिंग में पढ़ाई कर रहे थे। केवल एक परम्परागत धार्मिक विश्वासों को धारण किए हुए था। तीन स्वयं पर विश्वास करते थे तथा 10 किसी प्रकार का धार्मिक विश्वास नहीं रखते थे। मापन के लिए बरस एवं मूर (1992) द्वारा निर्मित "चेतना और वास्तविकता के बारे में विश्वास प्रश्नावली" (ठब्।ब्त्व्) को आधार बनाया गया जिसमें कुल 38 पद थे। सांख्यिकी विश्लेषण के लिए ज परीक्षण लिया गया तथा इसकी सार्थकता को 0ण्05 के स्तर पर स्थापित किया गया। परिणाम ने संकेत दिया कि छात्रों के विविध विचारों 120 के बारे में चेतना अधिक आत्म जागरूक है, तथा अधिक ध्यान और आत्म प्रतिबिंब के लिए प्रतिबद्ध करने के लिए और अधिक खुले बनें।

रेजमजोय (2010) ने आध्यात्मिक अतिक्रमण और नशीली दवाओं की खपत के लिए छात्रों के संभावित जोखिम के बीच संबंध'' शीर्षक पर अध्ययन किया। यह अध्ययन शिराज यूनिवर्सिटी के बी.ए. के 150 छात्रों के बीच किया गया। अध्ययन में पाया कि आध्यात्मिक अतिक्रमण से काफी सम्पन्न मादक पदार्थो ं के खतरे घटते हैं। इसके अतिरिक्त इस अनुसंधान के अनुसार आध्यात्मिक अतिक्रमण के सभी पर्यायवाची (आध्यात्मिक एकता, आध्यात्मिक रिश्तें, आध्यात्मिक सफलता, नशीली दवाओं की खपत) के मध्य उल्टा रिश्ता है।

मोलिनी व अन्य (2010) ने अपने अध्ययन में आध्यात्मिक बुद्धि और मानसिक स्वास्थ्य कि आदतन और गैर आदतन नशेड़ियों के बीच तुलना की। नशेड़ी राज्य और निजी पुनर्वास केन्द्रों से थे। दत्त विश्लेषण से पता चला कि आध्यात्मिक बुद्धि और मानसिक स्कोर नशेड़ी और गैर नशेड़ी के बीच काफी अलग है। इसका अर्थ है कि दवा के नशेड़ी आध्यात्मिक बुद्धि और मानसिक स्वास्थ्य का गैर नशेड़ी कि तुलना में कम दर से आनंद लेते है। इसके अतिरिक्त दोनों समूहों में मानसिक स्वास्थ्य और आध्यात्मिक बुद्धि के बीच एक महत्त्वपूर्ण सम्बन्ध था। अंत में उन्होंने पाया कि आध्यात्मिक बुद्धि के तत्व नशीली दवाओं के उपभोग को रोकते है ं और आसानी तथा कुशलता से समस्याओं का पता लगा उन्हें हल करते हैं।

जोहेड एण्ड मोइनी (2010) ने मोहगेग अर्देविली विश्वविद्यालय के छात्रों पर आध्यात्मिक बुद्धि आर धार्मिक पहचान के मध्य सम्बन्ध विषय पर अध्ययन किया और पाया कि महत्त्वपूर्ण अस्तित्व सोच, व्यक्तिगत उत्पादन, चारों ओर के लिए उच्च स्तर की अर्थपूर्ण जागरुकता पुरूष और महिला दोनों विद्यार्थियों के बीच संभावित औसत मान संकल्पनात्मक औसत से अधिक है।

स्यून, एट ऑल (2011) ने अपने लेख "दा रोल ऑफ इमोशनल स्प्रिचुअलइन्टेलिजेन्सी एण्ड स्प्रिरिचुअल इन्टेलिजेन्स एट वर्क प्लेस" में बताया कि कार्य स्थल का वातावरण बदलता रहता है जो कि इसकी गतिशील प्रकृति के साथ ही अनिश्चितता का संकेत है। कर्मचारियों की संख्या जब और अधिक विविध है, न केवल आयु के संदर्भ में बल्कि राष्ट्रीयता के संदर्भ में है। वैश्वीकरण ने दुनिया को सीमा रेखा विहीन बना दिया है और लोगो को मोबाइल बना दिया है। विभिन्न संगठनों को आज अधिक प्रतिबद्ध होने के साथ ही

साथ एक बेहतर एकजुट काम, आपसी सम्बन्ध रखने वाले कर्मचारियों की आवश्यकता है। भावनात्मक बुद्धि समझ की क्षमता, समझ और प्रभावी रूप से शक्ति और भावनाओं की तीक्ष्णता, मानव ऊर्जा, जानकारी, सम्बन्ध और प्रभाव क` एक स्त्रोत के रूप में लागू करने की क्षमता है। व्यक्तिगतरूप से काम में उपयोग ली जाने वाली आध्यात्मिक बुद्धि क्षमताओं का समूह है, अपने दैनिक कामकाज को बढ़ाने के तरीके और खुशहाली को प्रकट करने के लिए यह आध्यात्मिक संसाधनों को प्रकट और सम्मलित करने वाला मूल्य ओर गुणों का युग्म है। कार्यस्थल इन दोनों बुद्धियों के साथ खुश होगा तथा पर्यावरण के ज्यादा अनुकूल होगा।

विगिल्सवोर्थ (2011) ने आध्यात्मिक बुद्धि एवं भावनात्मक बुद्धि से सम्बन्धित एक लेख में स्पष्ट किया कि आध्यात्म अपने से कुछ बड़े के साथ सम्बन्ध स्थापित करने के लिए मानव की जन्मजात जरूरत है। एक निश्चित समय के बाद में यह हमारे अहंकार और स्व की भावना से परे है। यदि ऊर्ध्वाधर घटक के रूप में देखा जाए तो इसे कुछ पवित्र और कालातीत घटक जैसे– उच्च शक्ति, परम चेतना के रूप में जान सकते हैं। क्षैतिज घटक के रूप में इसे साथी गतिशील, मनुष्यो ं की सेवा के रूप में देखा जा सकता है। आध्यात्मिक नेतृत्वकर्ता कैसा हो इस विषय पर सामान्यतः यही वर्णन किया जाता है कि ऐसा नेतृत्वकर्ता जो प्रेमपूर्ण, दयालु, क्षमाशील, शांतिपूर्ण, साहसी, ईमानदार, उदार, श्रद्धायुक्त, बुद्धिमान और प्रेरणा दायक हो। जब हम आध्यात्मिक विकास की तलाश को पाने की कोशिश कर रहे हैं तो तटस्थ, आस्था, कौशल और क्षमताओं पर विशेष रूप से केन्दि्रत आध्यात्मिक बुद्धि के वर्णन का एक मार्ग पाते हैं, क्योंकि यह प्रकाश डालता है कि किस प्रकार हम ज्यादा अच्छी तरह केन्द्र बनाए रखने, शांत रहने और दूसरों से

ज्ञान और करूणा के साथ व्यवहार करते है भले ही हालात हमारे विपरित हो क्यों न हों ।

जेलोउडर एण्ड गोदर्शि (2012) ने ''एम. ए. व बी. ए. अध्यापकों की आध्यात्मिक बुद्धि व कार्य संतुष्टि के मध्य क्या सम्बन्ध है'' शीर्षक पर शोध कार्य किया। इस हेतु 177 शिक्षकों ने आध्यात्मिक बुद्धि स्केल को पूरा किया। एक विशेष स्वरूप पर आधारित 6 महत्त्वपूर्ण कारकों का प्रयोग कार्य संतुष्टि मापनी के लिए किया गया। निष्कर्ष स्पष्ट करते हैं कि अध्यापकों की आध्यात्मिक बुद्धि व कार्य संतुष्टि में सकारात्मक सम्बन्ध है। अध्यापकों की आध्यात्मिक बुद्धि व उनके शैक्षिक स्तर में भी सकारात्मक सम्बन्ध है। 5 कार्य संतुष्टि कारकों व अध्यापकों की आध्यात्मिक बुद्धि में भी सकारात्मक सहसम्बन्ध पाया गया। (कार्य की प्रकृति, स्वयं का रवैया, सहकर्मियों के साथ पर्यवेक्षण सम्बन्ध, तरक्की की संभावना, वर्तमान पर्यावरण में कार्य स्थिति) किन्तु 1 कार्य संतुष्टि कारक (वेतन और लाभ) व आध्यात्मिक बुद्धि में सकारात्मक सम्बन्ध नहीं पाया गया।

लैगोस्को (2012) ने अपने लेख स्प्रिचुअल इन्टेलिजेन्सी ;फद्ध द अल्टिमेट लिडरशिप टूल में स्पष्ट किया कि आध्यात्मिक बुद्धि हमारी तर्कसंगत अवधारणाएँ बनाने की योग्यता है, यह दूसरों को समझने की योग्यता का प्रतिनिधित्व करती है और भावनात्मक बुद्धि हमारी अपनी श्रेष्ठ भावनाओं और द ूसरों को प्रभावित करने की हमारी क्षमता का प्रतिनिधित्व करती है। इसी प्रकार समान रूप से आध्यात्मिक बुद्धि हमारे परिश्रम के वास्तविक अर्थ को समझने, हमारे अपने प्रेरणा स्रोतों को जानने (जैसे– मैं क्यों कार्यालय में अतिरिक्त घंटे खर्च करने को तैयार रहता हूँ और क्यों मैं बच्चों के चारों ओर सारा दिन घूमने को तैयार रहता हूँ) की हमारी योग्यता

का प्रतिनिधित्व करती है। यह हमें उन लोगों के बुनियादी प्रेरक जानने मे भी मदद करती है जिनके साथ हम कार्य कर रहे है। यह वह बुद्धि है जिसके साथ हम हमारे गहरे अर्थ, मूल्यों, उद्देश्यों और उच्चतम की मंशा तक पहुँच सकते है। एक टीम तब तक सफल नहीं हो सकती है जब तक की टीम के सदस्यों को यह पता नहीं हो कि वे अपने प्रयास, समय और कभी–कभी तो अपना स्वास्थ व आजीविका क्यों निवेश कर रहे है। एक नता भी पर्याप्त आध्यात्मिक बुद्धि के साथ ही अपने साथियों को समझा सकता है कि क्यों वे इतनी कठोर मेहनत करतं है, अपनी नौकरी करके उन्हें मौलिक बेहतर तरीके की तलाश में मदद करता है। कार्य के वातावरण का निर्माण करता है ताकि उसका प्रभाव उत्पादन पर दिखाई दे।

विगिल्सवोर्थ (2012) के अनुसार आध्यात्मिक बुद्धि विवेक और करूणा के साथ व्यवहार करते समय स्थिति की परवाह किए बिना भीतरी और बाहरी शांति बनाए रखने की क्षमता है। अपनी नयी पुस्तक 21 में आध्यात्मिक बुद्धि के 21 कौशलों में सिंडी के अनुसार– आध्यात्मिक बुद्धि हमें समझने में मदद करती है कि कैसे यह विवेक और भावनात्मक बुद्धि के रूप में ऐसी अवधारणाओं के अनुरूप है। स्पष्ट व्यवहारिक भाषा का प्रयोग करते हुए उन्होंने 21 कौशलों को परिभाषित किया, वह आध्यात्मिक बुद्धि के अंग है, और ऐसा करने में उन्होंने अपनी ही आध्यात्मिक बुद्धि के विकास को शुरू करने के लिए उठाए कदमों का सीखाने में उपयोग किया। सिंडी अपनी विधि को आध्यात्मिक भारतोलन की एक प्रक्रिया के रूप में सन्दर्भित करता है। जहाँ हम अपनी माँसपेशियों के विकास के लिए कार्य करते हैं, वहाँ हम हमारे आत्म केन्द्रित अहंकार की सोच से दूर बदलाव के लिए अधिक प्यार और शांतिपूर्ण उच्चस्व से बर्ताव करने के लिए कार्य करते हैं। फ 21 नास्तिक, आस्था रखने

वाले लोगों और जो आध्यात्मिक है धामैक नहीं, एक दूसरे को समझते हैं और सार्वभौमिक चिन्तओं पर चर्चा करत` हैं उनके लिए यह एक तरोका (रास्ता) प्रदान करता है। एक निश्चित समय क` बाद यह हमें उच्च स्तर पर जहाँ हम तनाव, जटिलता, परिवर्तन की उच्च दरों के बीच में होते हैं निर्णय लेने में मदद करता है। ये कौशल निम्न हैः– (1) जागरुकता दुनिया देखने की। (2) जीवन उद्देश्यों क` प्रति जागरुकता (3) मूल्यो की उच्चता क` प्रति जागरूकता (4) आन्तरिक सोच की जागरुकता (5) जागरुकता का अहंकार आत्म/उच्च स्तर (6) जीवन के आपसी अन्तःसम्बन्धों के प्रति जागरुकता (7) दूसरों की दुनिया के विचारो के बारे में जागरुकता (8) समय बोध की चौड़ाई (9) आध्यात्मिक कानूनों के बारे में जागरुकता (10) उत्कृष्ट एकता का अनुभव (11) आध्यात्मिक विकास के लिए प्रतिबद्धता (12) उच्च स्व परिवर्तन (13) अपने उद्देश्य और मूल्यों क` साथ जीना (14द्ध विश्वास को कायम रखना (15) उच्च स्व में मार्गदर्शन की तलाश (16) आध्यात्मिक नियमों के एक प्रभावी और बुद्धिमान अध्यापक संरक्षक होने के नाते (17) एक बुद्धिमान और प्रभावी नेता (ऐजेंट) होने के नाते (18) दयालु और बुद्धिमतापूर्ण निर्णय लेने के लिए (19) एक वातावरणीय उपस्थिति द्वारा उपचार किया जाना (20) जीवन के प्रवाह और उतार के साथ गठबन्धन किया जाना (21) मानव धारणाओं की सीमाओं की शक्ति के बारे में जागरुकता।

अबिदिन एट ऑल (2013) ने पाहंग विश्वविद्यालय मलेशिया में अध्ययन किया। यह अध्ययन मलेशिया के तीन राज्यों के नर्स स्टाफ के बीच काम के प्रदर्शन का आध्यात्मिक बुद्धि के कारण रिश्ते का परीक्षण करता है। प्रश्नावली विकसित कर चयनित सरकारी अस्पतालो में स्टाफ जो कि 20–45 साल की उम्र की 506 महिला

उत्तरदाताओं को वितरित किए गए। आँकड़ों का संग्रहण कर विश्लेषण हेत ु कनफरमैट्री फेक्टर अनालेटिक (ब्थ्।) दृष्टिकोण और फूल फ्लेज (उडने योग्य) स्ट्रक्चर मॉडलिंग ;म्डद्ध का प्रयोग कार्य प्रदर्शन में जोडने, मिश्रित विश्लेषण का संचालन मध्यस्थ जनसंख्या की आयु व पट्ट ` परिकल्पना म्ड प्रतिरूप स्वीकार करता हैं ंच मूल्य= 0.000, काई स्क्वायर नमूना= 3.999, ब्थ् = 0.972ए ज्स्प् = 0.963, ळथ्= 0.939 और त्डैम्।=0.077 परिणामों से प्राप्त हुआ यह भी पाया कि कार्य प्रदर्शन पर आध्यात्मिक बुद्धि का प्रभाव पडता है। आयु और पद के आधुनिक तथ्य सार्थक नहीं है इसमें प्रतिरूप के समृद्ध अस्पताल शामिल है। यह नर्सिंग विद्यालय में आध्यात्मिक बुद्धि को अधिग्रहित करने और नर्सिंग प्रदर्शन को समृद्ध करने के लिए प्रशिक्षण को आगे बढ ान ` का मार्ग पाया गया। आध्यात्मिक बुद्धि का प्रभाव परिकल्पना के परीक्षण के क्रम में किया गया।

अजीजी एवं जमानियान (2013) ने इस्लामी आजाद विश्वविद्यालय, फारस, इरान के विदेशी भाषा विभाग ने शिक्षार्थियों के आध्यात्मिक बुद्धि और शब्दावली राजनीतियाँ सीखाने के बीच सम्बन्ध पर अध्ययन किया। इनके अनुसार आध्यात्मिक बुद्धि या आध्यात्मिक भागफल व्यक्त करने प्रकट करने आर आध्यात्मिक संसाधनों, मूल्यों और हर दिन के प्रदर्शन में सुधार करने के गुण का प्रतिनिधित्व करने के लिए लोगों की क्षमताओं को संदर्भित करता है। भाषा शिक्षार्थियों को एक नया शब्द, मन में नवीन शब्द का ज्ञान रखने के लिए और एक शब्दावली विकसित करने क लिए, अर्थ को खोजने के लिए लागू की गई शब्दावली रणनीतियाँ सीखने से सम्बन्धित प्रतिक्रिया है। यह पत्र म्थ्स् शिक्षार्थियों आध्यात्मिक बुद्धि प और उनके उपयोग शब्दावली रणनीतियाँ सीखने के बीच सम्बन्धों की जाँच है। ये दो निर्माण एक दूसरे के से सहसम्बन्ध स्थापित

करते हैं यही इस अध्ययन का उद्देश्य है। अंत में शिराज के सार्वजनिक विश्वविद्यालय और इस्लामी शिराज के आजाद विश्वविद्यालय से 120 म्थ्स् छात्रों का चयन शब्दावली सीखने व आध्यात्मिक बुद्धि स्व–रिपोर्ट सूची प्रश्नावली में भाग लेने के लिए किया। परिणामस्वरूप आध्यात्मिक बुद्धि और शब्दावली सीखने की रणनीतियों क` बीच महत्त्वपूर्ण सांख्यिकीय सम्बन्ध के संकेत मिले। बहुप्रतिगमन के परिणाम स्पष्ट करते हैं कि सभी आध्यात्मिक बुद्धि सब स्केल्स का संज्ञानात्मक व्यूह व सामाजिक व्यूह के साथ सार्थक सहसम्बन्ध है। परिणाम यह भी संकेत करते है कि पुरूष शब्दावली सीखने की रणनीतियों में अपने उच्च स्कोर क` साथ महिलाओं से बेहतर कर रहे हैं। महिलाएँ भी उच्च आध्यात्मिक बुद्धि स्कोर प्राप्त कर पुरूषों से बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं।

भंगले और महाजन (2013) ने अपने लेख ''स्प्रिचुअल इन्टेलिजेन्सी– इमरजिंग इश्यूज इन एज्युकेशन'' में बताया कि शिक्षा का लक्ष्य लोगों का सभी क्षेत्रों म` विकास करना है। सभी क्षेत्रों के विकास से तात्पर्य है कि व्यक्ति शारीरिक रूप से स्वस्थ मानसिक रूप से संतुलित भावनात्मक रूप से मजबूत सामाजिक रूप से समायोजित और आत्मिक रूप से ऊपर को उठा हुआ होना चाहिए। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने स्वास्थ्य को भौतिक सामाजिक मानसिक और आध्यात्मिक के अच्छे अस्तित्व के रूप में परिभाषित किया है। इसका तात्पर्य है कि आध्यात्मिक बुद्धि शिक्षा की नींव से निकट से सम्बन्धित है अतः आवश्यकता है कि आध्यात्मिक बुद्धि को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाए। आध्यात्मिक बुद्धि के कोर मूल्यों में संयुक्तता, करुणा, ईमानदारी, जिम्मेदारी, सम्मान, एकता, सेवा आदि को शामिल किया गया है। इन स्वाभाविक मूल्यों में पाठ्यचर्या स्वाभाविक अभिव्यक्ति पा सकती है। आध्यात्मिक बुद्धि छात्रो में

आत्म जागरुकता विकसित करने में मदद करती है, आत्मविश्वास और तर्कसंगत सोच विकसित करने में सफलता को ब और करुणा के साथ कठोर नियमों का पालन करने की क्षमता देती है। दूसरों के साथ कैसे व्यवहार किया जाए सिखाती है, आध्यात्मिक बुद्धि के इन्ही गुणों को ध्यान में रखते हुए 1943 में विनोबा भावे ने निम्न फार्मूले से अवगत करवाया–▶ स्वयं का ज्ञान + विज्ञान = सम्पूर्ण विकास । ▶ स्वयं का ज्ञान – विज्ञान = द ुर्भाग्य वर्तमान शिक्षा छात्र केन्द्रित पाठ्यक्रम पर आधारित है किन्तु इसका ध्यान छात्रों की सामान्य क्षमताओं पर ही केन्द्रित है। जिससे छात्रों के बीच तनाव कुण्ठा आदि पैदा हो रहे हैं इन्हें दूर करने में आध्यात्मिक बुद्धि की भूमिका महत्त्वपूर्ण है क्योंकि छात्रों के अधिकांश विचार सफलता तथा विफलता के इर्द–गिर्द ही घूमते हैं जबकि आध्यात्मिकता से सोचते हैं तो निष्कर्ष निकलता है कि कर्म के आधार पर हर कार्य की एक समान और एक विपरित प्रतिक्रिया होती ही है, हमें दोनों को ही स्वीकार कर आगे बढ ना चाहिए।इस प्रकार आध्यात्मिकता जीवन के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करती है।

बघेशाहि एट ऑल (2014) ने इस्लामिक आजाद यूनिवर्सिटी, तेहरान शाखा, ईरान के शिक्षा विभाग में ''याजद प्रांत के सरकारी संस्थानों के प्रभावी प्रबन्धकों की आध्यात्मिक बुद्धि और जनसांख्यिकी विशेषताओं के बीच सम्बन्ध की व्याख्या'' शीर्षक पर शोध कार्य किया। अध्ययन में वर्णनात्मक व सहसम्बन्धात्मक विधि का प्रयोग किया गया। जनसंख्या के रूप में सभी निस्वार्थ सरकारी संस्थाओं के 128 प्रबन्धकों और सारे स्टाफ के 22, 422 सदस्यों को चुना गया। न्यादर्श के रूप में सरल यादृच्छिक विधि द्वारा 100 प्रबन्धक (कम से कम 3 कर्मचारी प्रत्येक प्रबन्धक के अन्तर्गत कार्यरत है) व

370 स्टाफ सदस्यों को चुना गया। आँकडों का संग्रह मानकीकृत आध्यात्मिक बुद्धि, अमाम और डायर प्रश्नावली व पार्सन्स प्रभावशीलता के माध्यम से किया गया। आँकडों का विश्लेषण च्ै साफ्टवेयर के माध्यम से किया गया। निष्कर्ष बताते है कि आध्यात्मिक बुद्धि कार्य अनुभव, प्रबन्ध का अनुभव, सेवा के वर्षा और या इन संगठनों में प्रबन्धकों के बीच महत्त्वपूर्ण सम्बन्ध है, किन्तु वहाँ की डिग्री और प्रभावशीलता के मध्य कोई सकारात्मक सम्बन्ध नहीं है। प्रबन्धकों के पूर्व बैरियर प्रभावशीलता के लिए पथ विश्लेषण मॉडल के स्वास्थ्य परीक्षण के परिणामों ने संकेत दिया कि मॉडल एक अच्छा फिटनेस माना जाता है।

कार्मी एवं इमानी (2014) ने इस्लामिक आज़ाद यूनिवर्सिटी ईरान के शिक्षा विभाग में ''द रिलेशन बिटविन स्प्रिचुअल इन्टेलिजेन्सी एण्ड सेल्फ एफिकेसी इन हाई स्कूल टीचर्स ऑफ 18 डिस्ट्रिक '' शीर्षक पर अध्ययन कार्य किया। सांख्यिकी जनसंख्या के रूप में वर्ष 2013–14 में 18 जिलों के समस्त 1400 पुरूष व महिला शिक्षकों को शामिल किया गया। मार्गन की तालिका के अनुसार नमूने के रूप में मात्र 300 अध्यापकों का चयन किया गया। नमूनों का चयन यादृच्छिक विधि द्वारा किया गया। डेविड बी किंग की प्ैप् 24 आध्यात्मिक बुद्धि इन्वेन्टरी व शिरीर की आत्म प्रभावकारिता प्रश्नावली का प्रयोग आँकड़ों के एकत्रण के लिए किया गया। यह प्रयुक्त अनुसंधान सहसम्बन्धित है। वर्णनात्मक (आवृत्ति, प्रतिशत और औसत) और आनुमानिक (प्रतिगमन विश्लेषण) सांख्यिकीय को आँकडों के विश्लेषण के लिए प्रयुक्त किया गया। परिणाम दिव्य जागरुकता और व्यक्तिगत अर्थ के बीच महत्त्वपूर्ण अर्थ का संकेत देते हैं। इन दोनों घटकों में वृद्धि के साथ आत्मप्रभावकारिता बढ़ जाती है। चेतना के स्तर और महत्त्वपूर्ण सोच में भो

आत्मप्रभवकारिता के साथ महत्त्वपूर्ण सम्बन्ध पाए गए तथा आध्यात्मिक बुद्धि द्वितीय प्रकार के विद्यालय शिक्षकों में पहले प्रकार के विद्यालय शिक्षकों की त ुलना में अधिक पायी गई।

जीईसेक (2014) ने ''द रिलेशन बिटविन स्प्रिचुअल इन्टेलिजेन्सी, माइन्डफूलनेस और ट्रांसफोरमेशनल लिडरशिप अमंग पब्लिक हायर एज्युकेशन लिर्डस्'' शीर्षक पर शोध कार्य किया। अध्ययन का उद्देश्य सार्वजनिक उच्च शिक्षा की स्थापना में पर्यवेक्षकों तथा शैक्षिक पदों क` बीच आध्यात्मिक बुद्धि, सचेतना, परिवर्तनकारी नेतृत्व में सहयोग का मात्रात्मक परीक्षण करना था। अध्ययन मं यूनिवर्सिटी ऑफ मेन सिस्टम ;नउेद्ध के 7 सार्वजनिक विश्वविद्यालयों (दक्षिणी मेन के विश्वविद्यालय, अगस्ता के मेन विश्वविद्यालय, फोर्ट कैंट के मेन विश्वविद्यालय, मचिएज के मेन विश्वविद्यालय, फारमिन्गटन के मेन विश्वविद्यालय, प्रस्क्यूइजली के मेन विश्वविद्यालय) को शामिल किया गया। अध्ययन के प्रयोज्य के लिए ''नेता''इन सभी विश्वविद्यालयों के पर्यवेक्षकों और शैक्षिक कुर्सियों पर बैठने वाले व्यक्तियों को लिया गया। अध्ययन में वर्णनात्मक विश्लेषण विधि का प्रयोग किया गया। अंत में 877 में से 235 ने उत्तर दिया व 31 ने आंशिक उत्तर दिया। इन सभी को अध्ययन में शामिल किया गया। प्रदत्तों के संकलन हेतु मल्टिफेक्टर लिडरशिप क्यूश्चनर ;डस्फ.5ग्द्धपरिवर्तनकारी नेतृत्व को मापने के लिए, स्प्रिचुअल इंटेलीजेन्सी सेल्फ–रिपोर्ट इन्वेंटरी ;ैप्त्प्. 24द्धआध्यात्मिक बुद्धि को मापने के लिए, फाइव फेक्टर माइन्डफूलनेस क्यूश्चनर ;थ्थ्डफ.थ्द्ध सचेतना मापने के लिए, लिया गया। सांख्यिकी के रूप में समान्तर माध्य, प्रमाप विचलन व सहसम्बन्ध का प्रयोग किया गया। निष्कर्ष में पाया गया कि आध्यात्मिक बुद्धि का सचेतना, परिवर्तनकारी नेतृत्व के साथ

सकारात्मक सहसम्बन्ध है। सचेतना, परिवर्तनकारी नेतृत्व व आध्यात्मिक बुद्धि ने रिश्तों के महत्त्व और अन्य लोगों के विकास पर एक समान ध्यान दिया है।

कलन्तकशेह एट ऑल (2014) ने अलाहमच ताबाताबी विश्वविद्यालय तेहरान, ईरान के शिक्षा एवं मनोविज्ञान विभाग में ''विवाहित और अविवाहित महिलाओं के मध्य आध्यात्मिक बुद्धि और उनकी जीवन संतुष्टि'' शीर्षक पर शोध कार्य किया। इस अध्ययन में भाग लेने के लिए 202 महिलाओं का सरल यादृच्छिक नमूना विधि द्वारा चयन किया गया। चरों के मापन हेतु किंग की आध्यात्मिक बुद्धि इन्वेन्टरी और फिलिप कार्टर की जीवन संतुष्टि सूची का उपयोग किया गया। अनुसंधान सहसम्बन्ध विधि के अनुसार डिजाइन किया गया था। आँकडों के सांख्यिकी विश्लेषण के लिए कार्ल पियर्सन की सहसम्बन्ध विधि, बहु भिन्नरूपी प्रतिगमन और स्वतंत्र टी परीक्षण का प्रयोग किया गया। परिणामों में पाया गया कि जीवन संतुष्टि और आध्यात्मिक बुद्धि के बीच एक रिश्ता था, लेकिन वहाँ इन दोनों समूहों में आध्यात्मिक बुद्धि के मामले में कोई अन्तर नही था। प्रतिगमन विश्लेषण के परिणामों से यह पता चलता है कि आध्यात्मिक बुद्धि जीवन संतुष्टि का भविष्य कहा जा सकता है। निष्कर्षों ने यह भी संकेत दिए है कि शादीशुदा महिलाओं में जीवन संतुष्टि की दर अविवाहित महिलाओं की तुलना में अधिक है।

साहू (2014) ने अपने लेख ''अ कॉन्सेप्चुअल अनालेसिस ऑफ स्प्रिचुअल इन्टेलिजेन्सी एण्ड इटस् रिलवेंस'' में स्पष्ट किया है कि शिक्षा आध्यात्मिकता की कुंजी है। यद्यपि हमें हमारे स्कूल में हमारे समाज तथा प्रकृति से अवगत करवाया जाता है लेकिन स्वयं के बारे में नहीं, विशेष रूप से हमारे मन की प्रकृति और सशक्त

आध्यात्मिकता के बारे में यहां तक कि वयस्कों और वरिष्ठ नागरिक के रूप में हम हमारे मस्तिष्क को नुकसान पहुँचाने वाली तथा दिल की उदारता वाली शक्तियों से अनभिज्ञ रहते हैं इसलिए हमें हमेशा एक व्यक्ति के जीवन की सफलता या विफलता का निर्धारण उसकी बुद्धि क` आधार पर करना चाहिए–उनमें से एक संज्ञानात्मक बुद्धि है। हम अकसर उच्च बुद्धि वाले उन लोगों को देखते है जो जीवन में जो कुछ प्राप्त करना चाहते थे उसमे असफल रहे और बेशक ऐसे लोगों के कई उदाहरण हैं जिन्हें हम गुंबद समझते हैं लेकिन वे अपना कार्य बहुत अच्छे से करते हैं। यह आध्यात्मिक बुद्धि से ही संभव है। इसका अर्थ है कि जब मस्तिष्क सीमाओं और इच्छाओं से स्वतंत्र होकर एक दिशा में काम करता है तो लगता है कि यह कार्य उसकी प्रकृति में निहित है। यह फ की ऊर्जा है जो अंतरात्मा की आवाज के रूप में अधिकतम हो जाती है। आध्यात्मिक बुद्धि अर्थ, दृष्टि और जीवन के मूल्य को समझने के लिए क्षमता है। यह आध्यात्मिकता और भीतर के स्व को दर्शाती है। किन्तु इसकी मात्रा निर्धारित नहीं कि जा सकती है। फ हमें मन की शांति, असली सांत्वना और संतुलित जीवन देती है। यह रचनात्मक, व्यवहारिक नियम बनाने, नियम तोड़ने, परिवर्तनकारी सोच के बारे में है। ऐटोनियो ने भी यह स्वीकार किया है कि आध्यात्मिकता हमारी आन्तरिक चेतना और बुद्धिमतापूर्ण कार्यों को जोड़े रखने हेतु गोंद का कार्य करती है। अतः शिक्षा क` वास्तविक स्वरूप को स्पष्ट करते हुए रविन्द्र नाथ टैगोर ने ठीक ही कहा है कि शिक्षा परम सत्य का पता लगाने के लिए, हमें अज्ञानता की धूल क` बंधन से मुक्त करने क` लिए, वस्त ु के रूप में नहीं बल्कि आंतरिक प्रकाश के रूप में प्यार का धन देने के लिए मस्तिष्क को सक्षम बनाने का एक साधन है।

स्मार्ट (2014) ने ''द रिलेशनशिप ऑफ स्प्रिचुअल इन्टेलिजेन्सी टू अचिवमेंट ऑफ सैकण्डरी स्टूडेन्टस '' शीर्षक पर लघु शोध कार्य किया। अध्ययन का उद्देश्य छात्रों की आयु और लिंग को नियंत्रित करत ` हुए छात्रों की उपलब्धि और आध्यात्मिक बुद्धि के बीच संबंधों की गैर प्रयोगात्मक मात्रात्मक सहसम्बन्ध की जाँच करना था। अध्ययन हेतु लिसबर्ग के दक्षिणपूर्व शहर क ` दो निजी तथा दो पब्लिक स्कूलों के छात्रों को लिया गया। प्रदतों का संकलन अमेरिकन कॉलेज टेस्ट (।ब्ज्द्ध ;उपलब्धि मापन हेतु) स्प्रिरिचुअल इन्टेलिजेन्सी सेल्फ–रिपोर्ट इनवेन्टरी (ैप्त्.24) (आध्यात्मिक बुद्धि के मापन हेतु) द्वारा किया गया। सांख्यिकी के रूप में अनुक्रमिक (पदानुक्रमित) एकाधिक प्रतीपगमन का प्रयोग किया गया। विश्लेषण आध्यात्मिक बुद्धि, आयु, लिंग और उपलब्धि के कसौटी चर भविष्य वक्ता और नियंत्रित चरों के बीच सम्बन्धों की शक्ति को दर्शाता है। परिणाम मं पाया गया कि एक छात्र की आध्यात्मिक बुद्धि और प्रतिभागियों की उपलब्धि के बीच एक छोटा सा व्युत्क्रम संबंध पाया गया जो कि सांख्यिकीय महत्त्वपूर्ण नहीं था।

महास्नेह एट ऑल (2015) ने अध्ययन जार्डन के स्नातक छात्रों के एक समूह के बीच व्यक्तित्व लक्षण के साथ आध्यात्मिक बुद्धि के स्तर और उसके सहसम्बन्ध की पहचान के उद्देश्य से किया था। हाशमी विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के 716 पुरूष और महिला छात्रों को सौद्देश्य नमूने के रूप में चुना गया। शैक्षणिक वर्ष 2013–14 के दौरान सदस्य छात्रों पर दो प्रश्नावली आध्यात्मिक बुद्धि व व्यक्तिगत लक्षण वितरित किए गए। परिणाम में छात्रों में आध्यात्मिक बुद्धि का मध्यम स्तर पाया गया जो कि आध्यात्मिक बुद्धि के आयामों क ` मध्य सकारात्मक सांख्यिकीय सम्बन्ध (महत्त्वपूर्ण अस्तित्व सोच, व्यक्तिगत अर्थ उत्पादन, दिव्य

जागरूकता, होश में राज्य विस्तार) और व्यक्तित्व लक्षण (अनुभव करने के लिए मनोविक्षुब्धता, बहिर्मुखता, खुलेपन के संकेत, सहमतता और ईमानदारी) लेकिन व्यक्तिगत अर्थ, उत्पादन और दिव्य जागरूकता आयामों और मनोविक्षुब्धता व्यक्तित्व लक्षण के बीच कोई महत्त्वपूर्ण सम्बन्ध नहीं पाया गया। अंत में प्रतिगमन विश्लेषण के परिणाम संकेत देते हैं महत्त्वपूर्ण अस्तित्व सोच, मनोविक्षुब्धता, बहिर्मुखता, अनुभव सहमतता और ईमानदारी के लिए खुलेपन के मामले में आध्यात्मिक बुद्धि के पहले भविष्यवक्ता आयाम है।

जमानी और कार्मी (2015) ने ''रिलेशनशिप बिटविन स्प्रिचुअल इन्टेलिज`न्सी एण्ड जॉब सेटिस्फेकशन अमंग फिमेल हाई स्कूल टीचर्स ऑफ इस्फहान'' शीर्षक पर शोध कार्य किया। यह एक वर्णनात्मक सहसम्बन्ध अनुसंधान था। जनसंख्या के रूप में इस्फहान के सभी महिला उच्च विद्यालयों के शैक्षिक वर्ष 2013–14 के शिक्षकों को शामिल किया गया। नमूना आकार की गणना हेतु कारिजेसी और मार्गन की टेबल और बहुमंच यादृच्छिक नमूना विधि का उपयोग कर 320 शिक्षकों का चयन किया गया। डेटा विश्लेषण क` लिए पियर्सन सहसम्बन्ध गुणांक, रेखीय प्रतिगमन विश्लेषण, विचरण का प्रयोग किया। अध्ययन से प्राप्त साक्ष्य स्पष्ट करते है कि आध्यात्मिक बुद्धि और उसके कुछ घटक व्यक्तिगत अर्थ का निर्माण और उत्कृष्ट चेतना कार्य संतुष्टि के साथ सार्थक सम्बन्ध रखते हैं। प्रतिगमन के परिणाम बताते हैं कि उत्कृष्ट चेतना कार्य से संतुष्टि की भविष्यवाणी करने में सक्षम हैं।

सोखन्दोम एट ऑल (2016) ने ''रोल ऑफ स्प्रिचुअल इन्टेलिजेन्सी इन डिफेन्सिव स्टाइल्स ऑफ नर्सिंग स्टूडेन्टस'' शीर्षक पर शोध कार्य किया। इस वर्णनात्मक सर्वेक्षण और सहसम्बन्ध अध्ययन में शिराज विश्वविद्यालय के मेडिकल साइंसेज के 2012–13 शैक्षणिक वर्ष के सभी नर्सिंग छात्रों को शामिल किया गया। इनमें से 310 नर्सिंग छात्रों को यादृच्छिक विधि 105 द्वारा चयनित किया गया। उपकरण के रूप में किंग का आध्यात्मिक बुद्धि परीक्षण और रक्षा शैली प्रश्नावली का प्रयोग किया गया। एकत्र आँकड़ों का विश्लेषण कार्ल पियर्सन सहसम्बन्ध और रेखीय प्रतिगमन का उपयेाग कर किया गया। नतीजों से संकेत मिलते हैं कि आध्यात्मिक बुद्धि और उसक ` घटकों (महत्त्वपूर्ण अस्तित्व सोच, व्यक्तिगत अर्थ उत्पादन, दिव्य जागरूकता, होश में राज्य विस्तार) के बीच महत्त्वपूर्ण सम्बन्ध मौजूद है।

- सेइ (2016) ने ''द रिलेशनशिप बिटविन द एक्साइटमेंट एण्ड स्प्रिचुअल इन्टेलिजेन्सी इन स्टूडेन्टस् ऑफ नेटज पायम यूनिवर्सिटी'' शीर्षक पर शोध कार्य किया। अध्ययन हेतु 40 विषयों (20 छात्राएँ और 20 पुरूष छात्र) को यादृच्छिक विधि द्वारा चयनित किया गया। सवालो के बारे में विवरण और उन्हें प्रतिभागियों के मध्य प्रस्तुत करने के लिए उपकरणों के रूप में आध्यात्मिक बुद्धि प्रश्नावली और उत्साह प्रश्नावली का प्रयोग किया गया। डेटा के विश्लेषण हेतु सांख्यिकी साफ्टवेयर चै 16 और पियर्सन सहसम्बन्ध का परीक्षण किया गया। महत्त्वपूर्ण स्तर पी 0.05 माना गया था। सांख्यिकी विश्लेषण के नतीजे बताते है कि आध्यात्मिक बुद्धि में से कई घटकों (महत्त्वपूर्ण सोच उत्पादन के निजी साधन, ज्ञान, चेतना के विकास के अस्तित्व) का उत्साह के साथ महत्त्वपूर्ण

सम्बन्ध था। इन घटकों के अतिरिक्त उत्साह और आध्यात्मिक बुद्धि के मध्य सम्बन्ध नकारात्क या नगण्य थ ।

3. पद्धति: -

वर्तमान अध्ययन के लिए विधि को प्रकृति में वर्णनात्मक स्थैतिक के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है। वर्णनात्मक अनुसंधान वर्णन करता है और व्याख्या करता है कि यह उन स्थितियों या संबंधों से संबंधित है या मौजूद है, जो प्रचलित हैं, प्रथाएं, मान्यताएं, दृष्टिकोण या दृष्टिकोण जो कि चल रहे हैं, प्रक्रियाएं जो चल रही हैं, जो प्रभाव या प्रवृत्ति हो रही थीं विकसित होना । इस शोध अध्ययन में नियोजित के रूप में विवरण की प्रक्रिया केवल आंकड़ों के एकत्रीकरण और सारणीकरण से परे है। इसमें अर्थ या अर्थ की व्याख्या का एक तत्व शामिल है जिसे वर्णित किया गया था। इस प्रकार, विवरण को माप, वर्गीकरण, व्याख्या और मूल्यांकन से तुलना या इसके विपरीत के साथ जोड़ा गया था।

3.1 नमूने का आकार

नमूना वह इकाई है जिसे विशेष क्षेत्र में शोध अध्ययन के लिए पूरी आबादी से निकाला जाता है। वर्तमान अध्ययन में, यूजी और पीजी छात्रों की आध्यात्मिक बुद्धि का अध्ययन किया जाता है। वर्तमान अध्ययन के लिए, विभिन्न पाठ्यक्रमों के यूजी और पीजी छात्रों को लिया गया है। । सभी छात्रों ने वर्तमान अध्ययन में भाग लिया, उनकी आयु 20-25 के बीच थी जो कि यूजी और पीजी दोनों में रहती है। विभिन्न पाठ्यक्रमों से पीजी पाठ्यक्रम

का चयन किया जाता है। 42 छात्रों को यूजी और 66 पीजी से चुना गया था। सभी विश्वविद्यालय सह-शिक्षा संस्थान थे। इस प्रकार, नमूनों को दोनों लिंगों (पुरुष और महिला) में बेतरतीब ढंग से शामिल किया गया था। अध्याय 3 में, नमूने का विवरण स्पष्ट रूप से दिया गया है।

3.2 उपकरण: -

- आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता का पैमाना (एसआईएस-डीडी) संतोषधर और उपेंद्रधर।
- (इस पैमाने में 6 आयामों में विभाजित 53 आइटमहैं- । परोपकार
- 2 विनम्रता , 3 दृढ़विश्वास, 4 करुणा, 5 चुंबकत्व, 6 आशावाद और 15 कारक। यह excutives वयस्क पर लगाया गया था।)

4. क्रियाविधि और स्टडी का डिजाइन

4.1 परिचय

किसी भी अनुसंधान कार्य पद्धति में सबसे महत्वपूर्ण चीज में से एक है। कार्यप्रणाली तैयार करते समय अध्ययन के उद्देश्यों, महत्व, उद्देश्यों का ध्यान रखा जाना चाहिए। इसीलिए इसे किसी भी शोध का पूरा ढांचा कहा जाता है। इस अध्याय में, सब कुछ का विस्तृत ज्ञान एकत्र किया जाना चाहिए जैसे विधि, नमूना, नमूना तकनीक, चर, डेटा एकत्र करने के तरीके, जनसंख्या आदि।

4.2 अनुसंधान डिजाइन

अनुसंधान डिजाइन अनुसंधान तकनीकों और विधियों का एक प्रकार है, जो शोधकर्ता द्वारा अनुसंधान की योजना बनाने और शोध प्रश्नों के उत्तर देने के लिए चुना गया है। किसी भी शोध कार्य के लिए महत्वपूर्ण और पर्याप्त डेटा प्राप्त करना महत्वपूर्ण है और अनुसंधान कार्य को सुचारू रूप से चलाने के लिए उचित रूप से अनुसंधान डिजाइन को फ्रेम करना आवश्यक है। अनुसंधान के प्रकार को अनुसंधान के डिजाइन द्वारा समझाया गया है। डेटा संग्रह, विश्लेषण और माप अनुसंधान डिजाइन के तीन मुख्य प्रकार हैं। अनुसंधान डिजाइन अनुसंधान सवालों के जवाब प्राप्त करने के लिए संरचना का एक रूप है। अध्ययन में किस प्रकार के उपकरण का उपयोग किया जाना चाहिए और इसका उपयोग कैसे किया जाना चाहिए यह डिजाइन चरण द्वारा निर्धारित किया जाता है।

अनुसंधान डिजाइन यह निर्धारित करता है कि वास्तव में क्या होना चाहिए और अध्ययन में शामिल नहीं होना चाहिए। जिन मानदंडों के आधार पर परिणामों का मूल्यांकन किया गया है और निष्कर्ष निकाला गया है वे भी इसके द्वारा परिभाषित किए गए हैं। अध्ययन की वैधता और विश्वसनीयता इस बात पर निर्भर करती है कि डेटा कैसे एकत्र, मापा, विश्लेषण और व्याख्या किया गया है। ध्यान से अध्ययन के विभिन्न खंड जैसे नमूना, जनसंख्या, अध्ययन के चर, डेटा संग्रह उपकरण, डेटा का विश्लेषण करने के लिए सांख्यिकीय तकनीक का चयन आदि को परिभाषित करना, अनुसंधान डिजाइन द्वारा केवल उपज दिया गया है। इस अध्ययन में अनुसंधान डिजाइन वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि है, क्योंकि डिजाइन का मुख्य उद्देश्य विभिन्न आश्रित और स्वतंत्र चर ;टेस्ट चिंता और नियंत्रण के नियंत्रण) के बारे में अध्ययन करना है। इस मात्रात्मक अनुसंधान सर्वेक्षण में अनुसंधान के उद्देश्यों को प्राप्त करने के

लिए उपयुक्त पाया जाता है। प्रश्नावली का उपयोग उनके नियंत्रण के नियंत्रण के संबंध में उच्च माध्यमिक छात्रों में परीक्षण की चिंता के स्तर का मूल्यांकन करने के लिए किया गया था।

4.3 विधि

किसी भी अनुसंधान विधि का चयन सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। विभिन्न अनुसंधान कार्यों को करने के लिए विधियों का उपयोग किया जाता है। वर्तमान अध्ययन में सर्वेक्षण पद्धति शामिल है और यह वर्णनात्मक अनुसंधान के अंतर्गत आता है। वर्णनात्मक प्रकार के शोध अध्ययन मूल रूप से वर्तमान घटना या किसी भी घटना के बारे में जानकारी इकट्ठा करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। वर्णनात्मक अनुसंधान किसी भी घटना या घटना की वर्तमान स्थिति के बारे में सटीक और प्रासंगिक जानकारी इकट्ठा करते हैं और इसमें एकत्र किए गए डेटा का वर्गीकरण, विश्लेषण, माप और व्याख्या शामिल करते हैं। सर्वेक्षण विधि सबसे आम विधि है जो अनुसंधान में व्यापक रूप से उपयोग की गई है। यह प्रतिनिधि नमूने से आवश्यक डेटा एकत्र करने में मदद करता है। इसमें व्यवस्थित तरीके से विश्लेषण और व्याख्या शामिल है। विवरण को तुलनात्मक वर्गीकरण, माप, मूल्यांकन और माप के साथ जोड़ा गया है।

वर्तमान अध्ययन के लिए वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का उपयोग किया गया है। डेटा को विभिन्न उपकरणों की मदद से इकट्ठा किया गया है और लिंग, स्थानीयता, बोर्ड और स्ट्रीम के आधार पर नमूने के विभिन्न वर्गों से इकट्ठा किया गया था। उनके नियंत्रण के नियंत्रण के संबंध में उच्च माध्यमिक छात्रों की परीक्षण चिंता के स्तर के बारे में जांच करने के लिए विभिन्न सांख्यिकीय तकनीकों को भी नियोजित किया गया था।

4.4 अशुद्धि

जनसंख्या का तात्पर्य मानवों के कुल से है और गैर.मानवीय संस्थाओं से भी है जैसे कि किसी भी शैक्षणिक संस्थान, संगठन, वस्तु, आदि। यूनिवर्स भी एक शब्द है जिसका उपयोग जनसंख्या के पर्याय के रूप में किया जाता है। यदि जनसंख्या को आसानी से गिना जाता है तो इसे परिमित जनसंख्या कहा जाता है। उदाहरण के लिए बी.एड की जनसंख्या। एक विशेष विश्वविद्यालय में छात्र। जनसंख्या की अज्ञात और असीमित संख्या अनंत जनसंख्या के अंतर्गत आती है। उदाहरण के लिए, उत्तर प्रदेश में युवा, हालांकि इसे गिना जा सकता है, लेकिन यह एक बहुत ही जटिल प्रक्रिया है। वास्तविकता में मौजूद जनसंख्या और वस्तु के शामिल होने को मौजूदा आबादी के रूप में कहा जाता है, जबकि जनसंख्या जो काल्पनिक है और काल्पनिक रूप से मौजूद है, उसे काल्पनिक आबादी कहा जाता है।

4.5 नमूना

शोध में नमूना वस्तु का एक समूह है, जो लोग या आइटम को माप के लिए आबादी से चुना गया है। चयनित नमूना प्रतिनिधि होना चाहिए या जनसंख्या की विशेषताओं को पूरा करना चाहिए। नमूना को आबादी से यादृच्छिक रूप से चुना जाना चाहिए ताकि सभी को बिना किसी पूर्वाग्रह के नमूने के रूप में चयनित होने का समान मौका मिले। रैंडम सैंपल को उस सैंपल के रूप में समझाया जाता है, जहाँ आबादी के प्रत्येक व्यक्ति के पास सैंपल के रूप में चुने जाने की गैर.शून्य संभावना है। अनुसंधान के लिए पूरी आबादी का उपयोग करना चुनौतीपूर्ण है, इसीलिए नमूने का उपयोग किया जाता है जो पूरी आबादी का प्रतिनिधित्व करता है और यदि नमूना वास्तव में आबादी का प्रतिनिधित्व करता है, तो परिणाम बड़े समूह पर सामान्यीकृत किया जा सकता है।

अध्ययन को सस्ता बनाने के लिए संसाधनों और समय के संदर्भ में आबादी का अध्ययन किया जा रहा है।

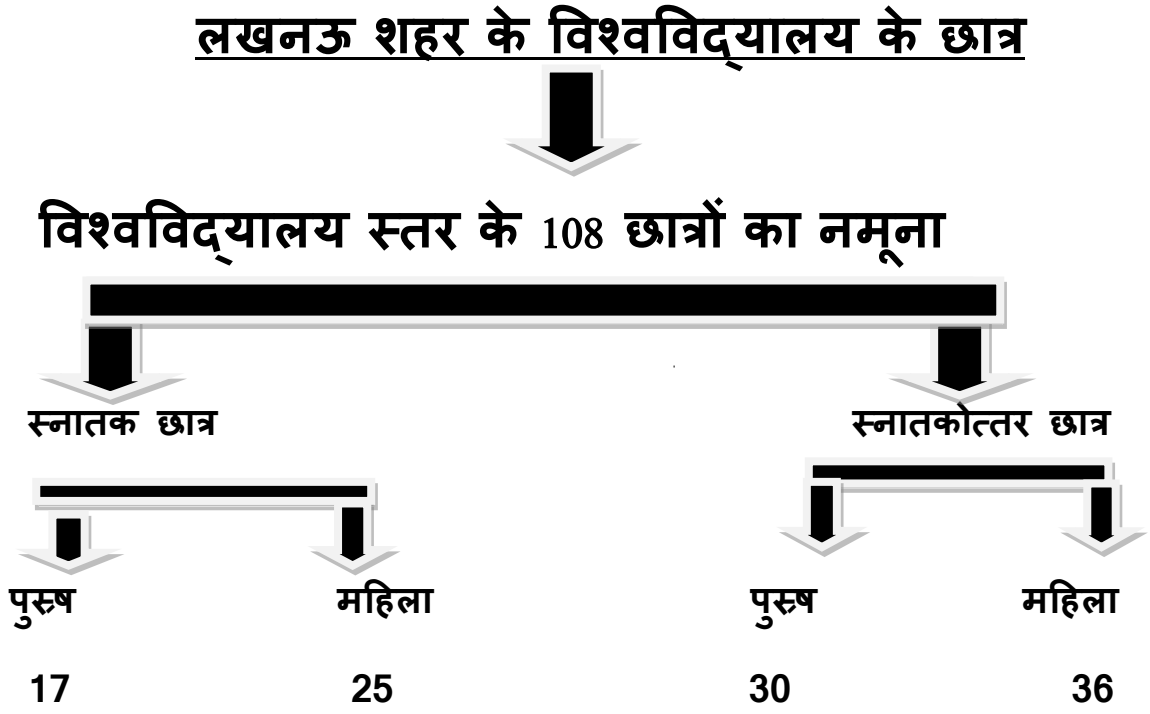

लिंग के अनुसार नमूने का वितरण

टेबल-4.5.1

आवृत्ति तालिका

लिंग	आवृत्ति	प्रतिशत
पुरुष	47	43.5
महिला	61	56.5
कुल	108	100.0

यह ऊपर दी गई तालिका से निष्कर्ष निकाला गया है कि पुरुष का आकार 47 **है जिसमें कुल नमूने का** 43.5% **शामिल है और महिला का आकार** 61 **है जिसमें कुल नमूना का** 56.5% **शामिल है। नमूना आकार** 108 **है**

डेटा का चित्रमय प्रतिनिधित्व:

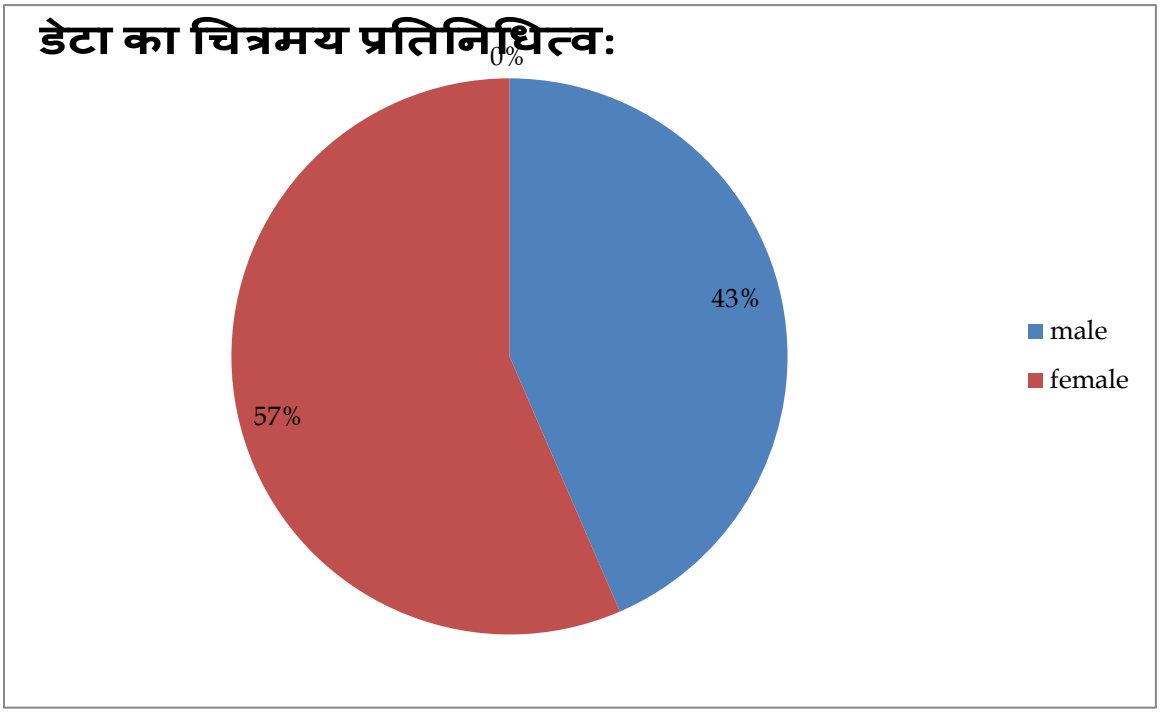

धारा के अनुसार नमूने का वितरण

टेबल-4.5.2

धारा	आवृत्ति	प्रतिशत
स्नातक	42	38.9
स्नातकोत्तर	66	61.1
कुल	108	100.0

यह ऊपर दी गई तालिका से निष्कर्ष निकाला गया है कि स्नातक का आकार 42 **है जिसमें कुल नमूने का** 38.9% **शामिल है और स्नातकोत्तर का आकार** 66 **है जिसमें कुल नमूना का** 61.1% **शामिल है। नमूना आकार** 108 **है**

डेटा का चित्रमय प्रतिनिधित्व

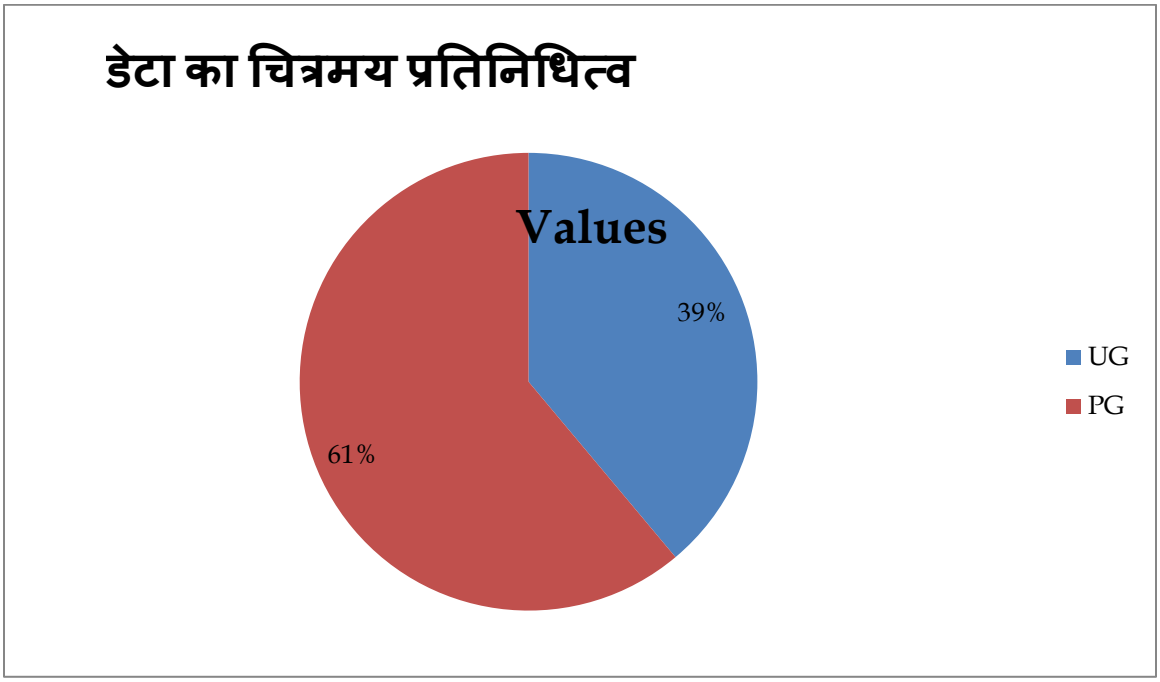

4.6 उपकरण संग्रह के लिए उपयोग किया जाता है

शोध में, उपकरणों को उन उपकरणों के रूप में जाना जाता है जो नमूने से डेटा एकत्र करने के लिए किए गए हैं। अध्ययन के लिए चुना गया है। यह स्व-विकसित या पूर्व-कोडित हो सकता है जिसका उपयोग अध्ययन की प्रकृति के अनुसार और मदद से किया गया है। ऐसे उपकरण विश्वसनीय डेटा प्रतिनिधियों या प्रतिभागी से एकत्र किए गए हैं। विभिन्न प्रकार के उपकरण हैं, जिनका उपयोग किसी भी प्रकार की जानकारी प्राप्त करने के लिए अनुसंधान कार्य में किया गया है।

वर्तमान अध्ययन में, मानकीकृत उपकरण का उपयोग विश्वसनीय डेटा एकत्र करने के लिए किया गया है। वर्तमान अध्ययन में ऐसे पैमाने का उपयोग किया गया है जो संग्रह डेटा के लिए Dr.Santosh Dhar (जयपुर) और Dr.Upinder Dhar (जयपुर) द्वारा SPIRITIUAL INTELLIGENCE SCALE हैं। चिंता के साथ स्केल NPC (राष्ट्रीय मनोवैज्ञानिक निर्माण)।

4.7 औजार का इस्तेमाल किया गया

आध्यात्मिक इंटेलिजेंस एक उपकरण था, जिसका उपयोग वर्तमान अध्ययन में छात्रों के विश्वविद्यालय स्तर के वयस्क छात्रों में आध्यात्मिक इंटेलिजेंस के स्तर को मापने के लिए किया गया है। यह उपकरण Dr.Santosh Dhar और Upinder Dhar द्वारा विकसित किया गया था। यह एक बड़ा पैमाना है। एक छह बिंदु का पैमाना जिसमें 53 आइटम शामिल हैं और प्रत्येक आइटम में आध्यात्मिक स्तर के न्यूनतम स्तर से लेकर अधिकतम तक 5 प्रतिक्रियाएं हैं। यह स्व-निर्देशित सूची थी जिसे समूह के साथ-साथ व्यक्तिगत निर्देशों पर भी प्रशासित किया जा सकता है। परीक्षण प्रपत्र / प्रश्नावली पर परीक्षण के बारे में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है। इस परीक्षण की समय सीमा 30 मिनट है। और कोई गलत या सही जवाब नहीं था।

स्कोरिंग प्रक्रिया

आध्यात्मिक इंटेलिजेंस पैमाने को इस तरह से डिजाइन किया गया था कि स्कोरिंग को हाथ से सटीक रूप से किया जा सकता है। स्कोरिंग के लिए ऐसी कोई स्टैंसिल या स्कोरिंग कुंजी नहीं दी गई है। प्रतिभागियों को दिए गए प्रश्न के सबसे

उपयुक्त विकल्प पर टिक करने के लिए कहा गया था और किसी भी आइटम को छोड़ने की अनुमति नहीं है।

परीक्षण की विश्वसनीयता

स्केल की विश्वसनीयता 323 विषयों के नमूने से एकत्र किए गए डेटा पर स्पीयरमैन-ब्राउन प्रफेंसी फॉर्मूले को लागू करके पूर्ण लेन-देन के लिए सही विभाजित-आधी विधि द्वारा निर्धारित की गई थी। विश्वसनीयता गुणांक 0.98 पाया गया था

परीक्षण की वैधता

चेहरे की वैधता के अलावा, जैसा कि सभी पैमाने आध्यात्मिक आध्यात्मिकता से संबंधित थे, पैमाने में उच्च सामग्री वैधता है। विश्वसनीयता के गुणांक (गैरेट, 1981) से वैधता निर्धारित करने के लिए, विश्वसनीयता सूचकांक की गणना की गई थी। विश्वसनीयता के परीक्षण के स्कोर की विश्वसनीयता का सूचकांक यह दर्शाता है कि प्राप्त किए गए अंक उनके सैद्धांतिक रूप से सही मूल्यों से कितने सहमत हैं। विश्वसनीयता का सूचकांक अधिकतम सहसंबंध देता है जो दिया गया परीक्षण अपने वर्तमान में उपज देने में सक्षम है। यह सच है, क्योंकि उच्चतम सहसंबंध जो एक परीक्षण के बीच प्राप्त किया जा सकता है और दूसरा उपाय परीक्षण स्कोर और उनके अनुरूप सही स्कोर के बीच है। बाद में 0.99 होने के कारण उच्च वैधता का संकेत दिया है

स्कोरिंग प्रक्रिया

1.उपभोज्य पुस्तिका पर छपे निर्देश प्रतिवादी की सुविधा के लिए वैज्ञानिक हैं।

2. पैमाने पर प्रतिक्रिया के लिए कोई समय सीमा नहीं दी जानी चाहिए। हालांकि, अधिकांश समूहों को लगभग 15 मिनट में समाप्त करना चाहिए, हालांकि हमेशा कुछ व्यक्ति होंगे जो अधिक समय लेंगे।

3. पैमाने को प्रशासित करने से पहले, मौखिक रूप से जोर देने की सलाह दी जाती है कि प्रतिक्रियाओं को जितनी जल्दी हो सके और ईमानदारी से सहयोग की आवश्यकता हो। उन्हें समूह को बताया जाना चाहिए कि पैमाने के परिणाम आत्म ज्ञान में मदद करते हैं और उनकी प्रतिक्रिया हमेशा कड़ाई से होती है। विश्वास है।

4. इस बात पर भी जोर दिया जाना चाहिए कि कथनों का कोई सही या गलत उत्तर नहीं है। इन कथनों को विभिन्न स्थितियों के प्रति व्यक्तियों की प्रतिक्रिया में अंतर का आकलन करने के लिए तैयार किया गया है। इसका मतलब व्यक्तियों के बीच अवधारणात्मक मतभेदों की पहचान करना है और उन्हें रैंक नहीं करना है। अच्छा / बुरा, सही या गलत, वांछनीय या अवांछनीय।

5. यह विधिवत जोर दिया जाना चाहिए कि सभी बयानों का दृढ़ता से सहमत होने, सहमत होने, नोटिस करने, असहमत होने या दृढ़ता से असहमत होने के संदर्भ में जवाब दिया जाना है, और कोई भी बयान अनुत्तरित नहीं छोड़ना है।

6. प्रतिवादी को सटीक उद्देश्य बताना वांछनीय नहीं है, जिसके लिए पैमाने का उपयोग किया जाता है। यदि प्रतिवादी, प्रकार, अस्पष्ट उत्तरों की जाँच करने वाला है, जैसे पैमाने मापता है व्यक्तिगत रूप से, या अलग-अलग स्थितियों में व्यक्तियों की प्रतिक्रियाओं का आकलन करना चाहिए। हालाँकि, सटीक उद्देश्य

जिसके लिए पैमाने का उपयोग किया जाता है, सभी विवरणों के प्रतिवादी के उत्तर देने के बाद प्रकट किया जा सकता है।

7. हालांकि यह पैमाना स्व प्रशासक है, लेकिन उत्तरदाताओं को बुकलेट पर छपे निर्देशों को पढ़ना उपयोगी पाया गया है।

8. प्रत्येक आइटम जो दृढ़ता से जांचा जाता है, सहमत हैं, सहमत हैं, निश्चित नहीं हैं, असहमत और दृढ़ता से असहमत होने पर क्रमशः स्कोर 5, 4, 3, 2 और 1 से सम्मानित किया जाना चाहिए।

दृढ़तापूर्वक सहमत	सहमत	निश्चित नहीं	असहमत	दृढ़तापूर्वक असहमत
5	4	3	2	1

4.8 डेटा संग्रह का तरीका

प्रामाणिक डेटा के किसी भी सफल अनुसंधान संग्रह के लिए सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। डेटा संग्रह से पहले विश्वविद्यालय के प्रमुख के साथ-साथ पर्यवेक्षक से अनुमति ली गई थी। अनुमति देने के बाद अन्वेषक अपने अध्ययन के अनुसार अपने कॉलेजों का दौरा करते थे, और डेटा के संग्रह के लिए प्रिंसिपल या प्रमुख की अनुमति लेते थे। वर्तमान अध्ययन के लिए यूजी स्तर के छात्रों से डेटा एकत्र किया गया है जो बीबीए, बीएससी, बी.कॉम बीएड और .पीजी स्तर के छात्रों से संबद्ध हैं जो एमबीए, एमएड, एम.कॉम, एम.एससी, छात्रों से संबद्ध हैं। यूजी स्तर के कॉलेजों शहरी क्षेत्र से अध्ययन के प्रतिभागियों के रूप में 42 का चयन किया गया है और छात्रों को अध्ययन विश्वविद्यालय शहरी क्षेत्र के पीजी प्रतिभागियों में

से 66 का चयन किया गया है। संस्था के प्रमुख से अनुमति प्राप्त करने के बाद, अन्वेषक छात्रों को डेटा संग्रह के उद्देश्य के बारे में बताता है। छात्रों को प्रश्नावली के माध्यम से जाने और उत्तर देने के लिए कहा गया कि सबसे उपयुक्त उत्तर और किसी भी प्रश्न को छोड़ने की अनुमति नहीं है। छात्रों को उचित निर्देश भी दिए गए थे और यदि उन्हें किसी प्रश्न को समझने में कुछ समस्या का सामना करना पड़ रहा है तो उनका मार्गदर्शन करें और अंतिम अन्वेषक ने छात्रों को इसके पूरा होने के बाद प्रश्नावली छोड़ने के लिए कहा।

सांख्यिकी तकनीक

डेटा के संग्रह के बाद अगला कदम विभिन्न सांख्यिकीय तकनीकों को नियोजित करके एकत्र किए गए डेटा का विश्लेषण करना है जो वर्तमान अध्ययन में उपयोग किए जाते हैं।

माध्य और मानक विचलन- केंद्रीय प्रवृत्ति के माप के रूप में परीक्षण आध्यात्मिक स्कोर के स्कोर की गणना की गई है जो विश्वविद्यालय स्तर के छात्रों द्वारा प्राप्त किया गया है।

माध्य का सूत्र --- स्कोर भिन्नता के बारे में अध्ययन करने और कुछ उन्नत गणना करने के लिए मानक विचलन मूल्य की गणना की गई है।

S .D ----- का सूत्र

$$\Omega\sqrt{\sum \alpha =}$$

टी परीक्षण:

माध्य स्कोर के बीच महत्वपूर्ण अंतर को मापने के लिए टी-टेस्ट का उपयोग किया जाता है। वर्तमान अध्ययन में इसका उपयोग शिक्षा, धारा, लिंग के संबंध में छात्रों की आध्यात्मिक बुद्धि यूजी और पीजी छात्रों के विश्वविद्यालय स्तर के औसत अंतर के महत्व को मापने के लिए किया गया है।

सह - संबंध:

Pearson के गुणांक सहसंबंध मूल्यों की गणना विभिन्न प्रकार के चर के बीच संबंध के बारे में जानने के लिए की जाती है। वर्तमान अध्ययन में इसका उपयोग छात्रों के आध्यात्मिक इंटेलिजेंस स्तर यूजी और पीजी के बीच संबंधों को जानने के लिए किया गया है।

स्तर का महत्व:

यह एक पूर्वनिर्धारित स्तर है जिसके द्वारा जनसंख्या के मापदंडों के बीच वास्तविक अंतर की पहचान की गई है। एक अंतर तब चिह्नित किया गया है जब आबादी के मापदंडों के बीच का अंतर जहां से नमूना खींचा गया था यदि पी> 0.5 तो मूल्य महत्वपूर्ण हैं, यदि पी <0.5 तो मान महत्वपूर्ण नहीं हैं।

आज़ादी की श्रेणी

एक वितरण में स्वतंत्रता की डिग्री की संख्या नहीं है। अवलोकन या मूल्य जो एक दूसरे से स्वतंत्र हैं और एक दूसरे से काटे नहीं जा सकते हैं। इसे प्रतीक (df) द्वारा दर्शाया गया है।

5. विश्लेषण और डेटा का आदान-प्रदान

स्नातक स्तर के छात्रों के बीच आध्यात्मिक ज्ञान पर आधारित डेटा और उनके स्नातकोत्तर संबंध के संबंध में व्यवस्थित रूप से विश्लेषण किया गया था ताकि वर्तमान अध्ययन में उठाए गए प्रश्नों को बाहर निकालने के लिए उपयुक्त सांख्यिकीय तकनीकों की मदद से विश्लेषण किया जा सके। परिणाम निकालने के लिए और अध्ययन को उसकी सफलता के आंकड़ों के संग्रह में लाने के लिए पहले मैन्युअल रूप से व्यवहार किया जाता है। उसके बाद आवश्यक आँकड़ों की गणना और उपयुक्त सांख्यिकीय परीक्षणों के अनुप्रयोग के लिए, अधिकांश डेटा का विश्लेषण SIS तालिकाओं पर किया गया था, जो आंकड़े और ग्राफ का उपयोग चर के बीच अंतर और संबंध को साफ करने के लिए किया गया था।

वर्तमान अध्याय समर्पित प्रस्तुति, विश्लेषण और डेटा के संबंध में व्याख्या है

"पोस्ट-ग्रैच्यूट और विश्वविद्यालय स्तर के छात्रों में आध्यात्मिक ज्ञान के स्तर का अध्ययन करने के लिए"

वर्तमान अध्ययन का उद्देश्य विश्वविद्यालय स्तर के छात्रों के बीच उनके लिंग, शिक्षा और एसआई स्तर को ध्यान में रखते हुए आध्यात्मिक बुद्धि के संबंध में पहले से निर्धारित धारणा का अनुभवपूर्वक परीक्षण करना है जिसमें वे अध्ययन करते हैं, यूजी और पीजी वे

अंतिम क्षेत्र का अनुसरण करते हैं जहां. वर्तमान अध्ययन में आध्यात्मिक बुद्धि के अध्ययन के लिए ध्यान में रखा गया है कि कारक हैं।

प्राप्त परिणामों की व्याख्या और चर्चा करने के लिए, आंकड़ों का सारणीकरण और चित्रमय प्रतिनिधित्व किया गया है।

परिणाम -1

1. **आध्यात्मिक बुद्धि पर पुरुष और महिला छात्रों के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।**

टेबल - 5.1

T-Test

Group Statistics

लिंग	संख्या	मीन	मानक विचलन	t- मान,df = 106	महत्व
पुरुष	47	227.79	16.654	.222	महत्वपूर्ण नहीं .05 के स्तर पर
महिला	61	228.49	16.009		

उपरोक्त तालिका 4.1 से पता चलता है कि पुरुष आध्यात्मिक बुद्धि 47 हैं। आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता का माध्य 227.79 माना जाता है, मानक विचलन 16.654 है। महिला आध्यात्मिक बुद्धि 61 हैं, उनका माध्य 228.49 है और मानक विचलन 16.009 है। पुरुष और महिला आध्यात्मिक बुद्धि के बीच गणना की गई टी-वैल्यू 106 df पर .222 है और महत्व का स्तर 0.05 स्तर है। यहां t का CR मान

1.96 है, जो 0.05 के स्तर पर है। इसलिए, आध्यात्मिक बुद्धि के संबंध में पुरुष और महिला छात्रों के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है। दोनों में लगभग एक ही आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता है। इसे इसलिए कहा जा सकता है, क्योंकि पुरुष और महिला छात्रों का माध्य लगभग बराबर है। अंतर इसलिए माना जाता है क्योंकि आध्यात्मिक बुद्धि पर पुरुष और महिला के छात्र तथ्यों को स्वीकार करते हैं,

उन्होंने निम्नलिखित आध्यात्मिक बुद्धि अर्थात् आत्म-सामंजस्य, आंतरिक सद्भाव, क्षमा, आत्म-प्राप्ति, नैतिक, रचनात्मकता में वृद्धि, स्वायत्तता और स्वतंत्रता ने आत्म-सम्मान में वृद्धि की, अमूर्त और जटिल स्थिति से जुड़ने की क्षमता में वृद्धि हुई, घबराहट में आत्म-सक्रियता में वृद्धि हुई, समस्या समाधान की क्षमता में सुधार हुआ, गरिमा, शांति, धार्मिकता और सहिष्णुता पर पुरुष और महिला छात्रों के बीच महत्वपूर्ण अंतर not पाया।

आध्यात्मिक बुद्धि पर पुरुष और महिला छात्र के आधार पर वितरण का आरेखीय प्रतिनिधित्व

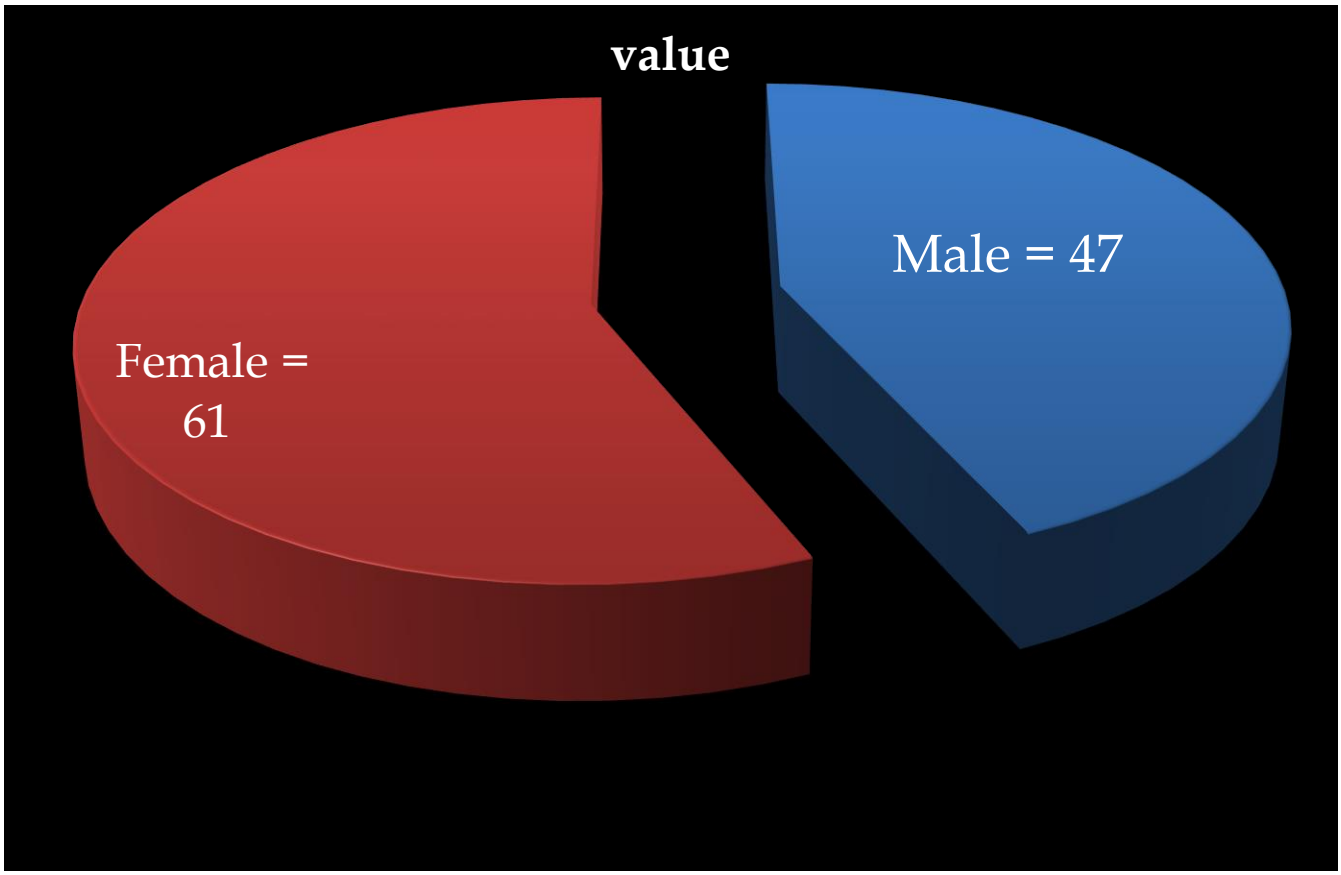

ऊपर चित्रमय प्रतिनिधित्व उनके लिंग के आधार पर नमूने के वितरण को दर्शाता है- पुरुष और महिला। पुरुष का नमूना 47 है जबकि महिला का नमूना 61 है। कुल 108 नमूना है।

परिणाम-2

आध्यात्मिक बुद्धि पर यूजी और पीजी छात्रों के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

टेबल-5.2

स्ट्रीम	संख्या	माध्य	मानक विचलन	t = मान,df = 106	महत्व
यूजी	42	223.12	14.828	2.721	महत्वपूर्ण
पीजी	66	231.41	16.347		.05 के स्तर पर

उपरोक्त तालिका 4.2 से पता चलता है कि यूजी स्ट्रीम के छात्र 42 हैं। आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता का माध्य 223.12 माना जाता है, मानक विचलन 14.828 है। पीजी स्ट्रीम के छात्र 66 हैं, उनका माध्य 231.41 है और मानक विचलन 16.347 है। यूजी और पीजी स्ट्रीम के छात्रों के बीच टी-वैल्यू की गणना 106 df पर 2.721 और महत्व का स्तर 0.05 है। यहां t का CR मान 1.96 है, जो 0.05 के स्तर पर है। इसलिए, परिकलित मान तालिका मान से अधिक है। परिणाम स्पष्ट है कि यूजी और पीजी स्ट्रीम के छात्रों के बीच उनकी आध्यात्मिक बुद्धि के संबंध में महत्वपूर्ण अंतर है।

अंतर इसलिए माना जाता है क्योंकि PG स्ट्रीम के छात्र तथ्यों को स्वीकार नहीं करते हैं, दृश्य ज्ञान PG स्ट्रीम के छात्र अपने ज्ञान के माध्यम से जो ज्ञान प्राप्त करते हैं उस पर विश्वास करते हैं। ज्ञान का गठन केवल आत्म-बोध, आत्म-साक्षात्कार, आंतरिक सद्भाव, चेतना की आध्यात्मिक अवस्थाओं को बढ़ाने की क्षमता पर आधारित है, मानवीय, उदार, उपलब्धि अभिविन्यास पीजी स्ट्रीम के छात्र तर्कसंगत रूप से सोचते हैं और जीवन में समस्याओं को हल करने के लिए आध्यात्मिक संसाधनों का उपयोग करने की क्षमता रखते हैं। ।

(वार्नर, 1986), शिक्षा में, माध्यमिक, कॉलेज और स्नातक छात्रों में बढ़े हुए IQ और अकादमिक प्रदर्शन के साथ इसका संबंध रहा है।

स्ट्रीम के आधार पर वितरण का आरेखीय प्रतिनिधित्व

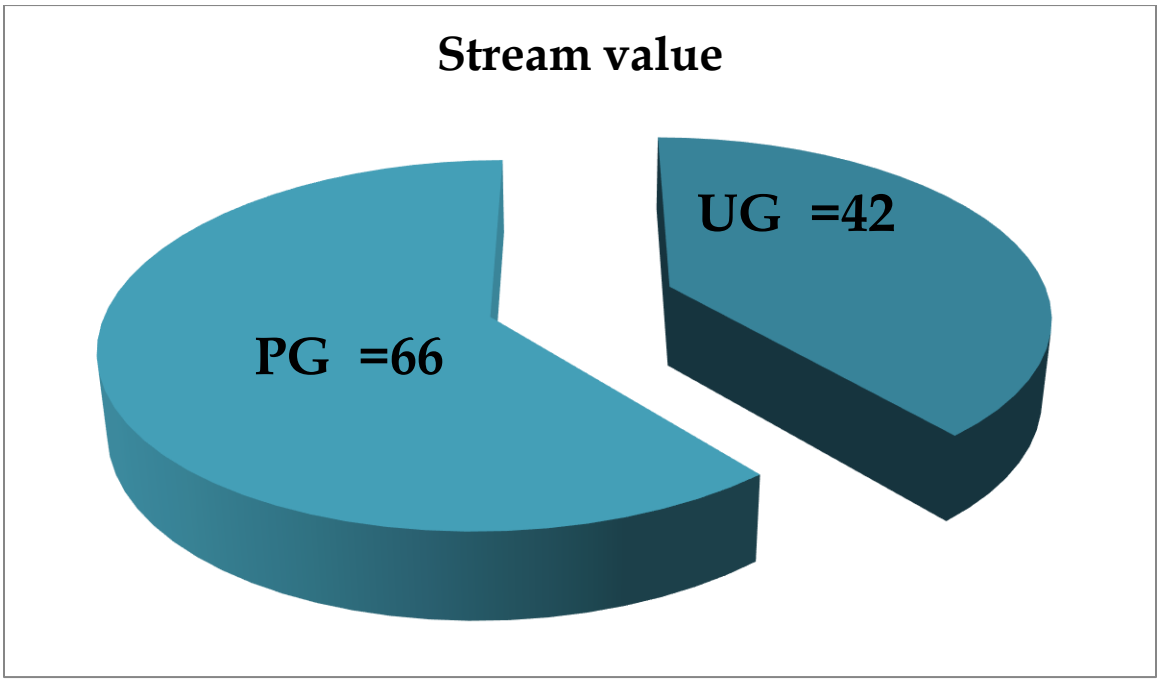

यूजी और पीजी। इसके अलावा, पीजी स्ट्रीम नमूना 66 और यूजी स्ट्रीम नमूना 42 है। कुल 108 नमूना है।

परिणाम -3

आध्यात्मिक बुद्धि पर यूजी पुरुष और महिला छात्रों के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर +नहीं है।

टेबल-5.3

Group Statistics

UG	Gender	N	Mean	Std. Deviation	t- value df=40	Significance
	Male	17	225.12	15.435	.708	Not significant at .05 level
	Female	25	221.76	14.561		

उपरोक्त तालिका 4.3 से पता चलता है कि माले में यूजी छात्र 17 हैं। आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता पर इसका अर्थ 225.12 माना जाता है, मानक विचलन 15.435 है। बच्चों की संख्या 25 है, उनका मतलब 221.76 और मानक विचलन 14.561 है। यूजी के बीच गणना की गई टी-वैल्यू छात्र पुरुष और महिला .708 40 df और महत्व के स्तर 0. 05 है। यहाँ t का CR मान 1.96 है जो 0.05 के स्तर पर है। इसके अलावा, t की गणना की गई मूल्य तालिका के मान से कम है, अंतर इसलिए माना जाता है क्योंकि UG के छात्र तथ्यों को स्वीकार करते है, इसलिए यह स्पष्ट है कि पुरुष और महिला में उनकी आध्यात्मिक बुद्धि के संबंध में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

यह अवलोकन किया गया है, क्योंकि पुरुष और महिला दोनों छात्रों को बेहतर समस्या निवारण क्षमता, रचनात्मकता में वृद्धि, नवाचार, स्वायत्तता और अकर्मण्यता में वृद्धि हुई है, आत्मसम्मान में वृद्धि हुई है, सार और जटिल परिस्थितियों से निपटने की क्षमता में वृद्धि हुई है, चिंता में कमी आई है और आत्म-प्राप्ति में वृद्धि हुई है, दोनों छात्रों के समूह की आध्यात्मिक बुद्धि लगभग समान है

UG आधार पर वितरण का आरेखीय प्रतिनिधित्व

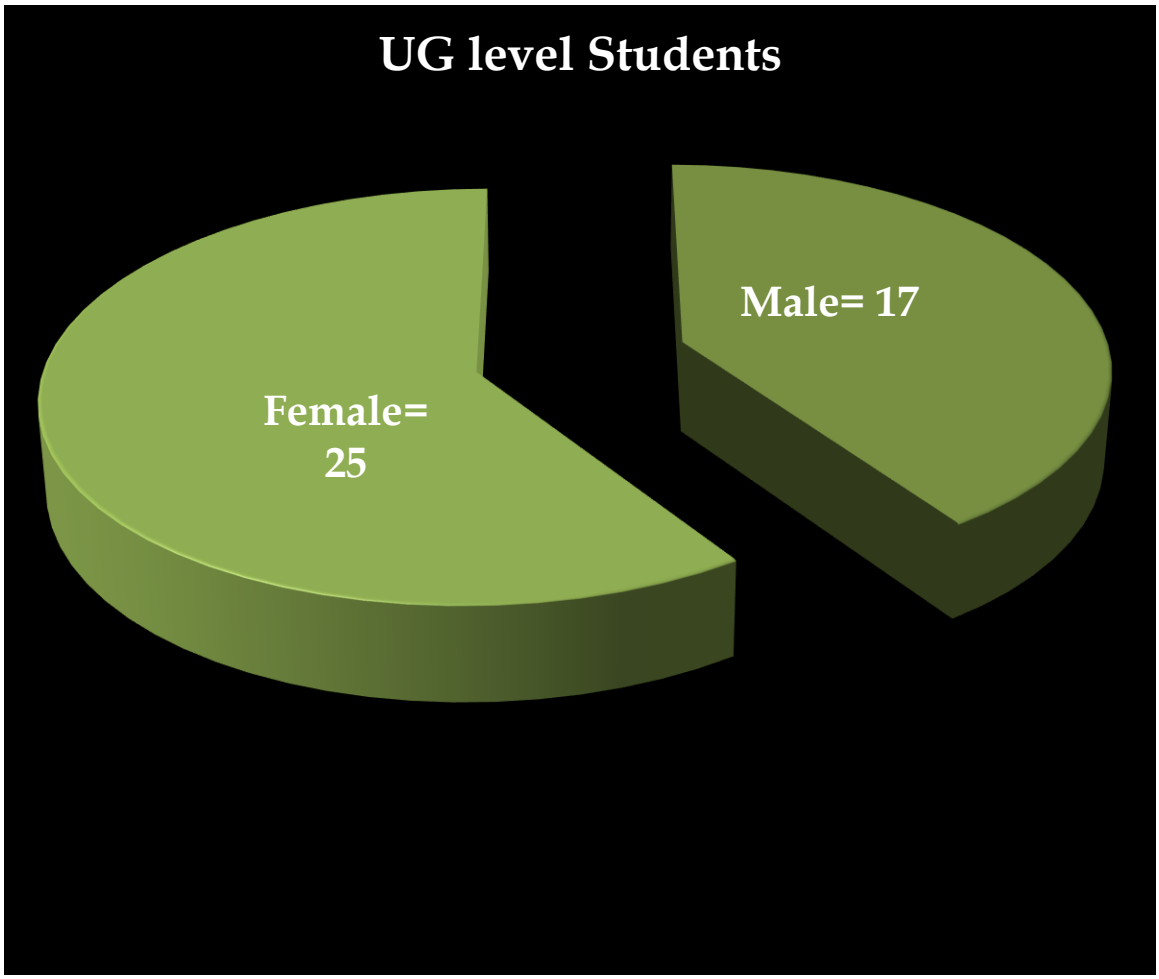

ऊपर चित्रमय प्रतिनिधित्व लिंग UG स्तर के छात्रों के आधार पर नमूने के वितरण को दर्शाता है। यहां, एक यूजी महिला छात्र 25 है और यूजी पुरुष छात्रों का नमूना 17 है। कुल 108 नमूना है।

परिणाम-4

आध्यात्मिक बुद्धि पर पीजी पुरुष और महिला छात्रों के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

टेबल-5.4

Group Statistics

PG	Gender	N	Mean	Std. Deviation	t- value df=40	Significance
	Male	30	229.30	17.376	.946	not significant at .05 level
	Female	36	233.17	15.463		

उपरोक्त तालिका 4.4 से पता चलता है कि पुरुष में पीजी छात्र 30 हैं। आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता पर इसका अर्थ 229.30 माना जाता है, मानक विचलन 17.376 है। बच्चों की संख्या 36 है, उनका मतलब 233.17 है और मानक विचलन 15.463 है। पीजी के बीच टी-मूल्य की गणना पुरुष और महिला छात्रों की संख्या .946 है 40 df और महत्व का स्तर 0. 05। यहाँ t का CR मान 1.96 0.05 के स्तर पर है। इसके अलावा, t का परिकलित मान तालिका मान से कम है, अंतर इसलिए माना जाता है क्योंकि PG के छात्र तथ्यों को स्वीकार करते है, इसलिए यह स्पष्ट है कि पुरुष और महिला में उनकी आध्यात्मिक बुद्धि के संबंध में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है। दोनों छात्रों के समूह की आध्यात्मिक बुद्धि लगभग समान है

क्योंकि उच्च स्व / अहंकार आत्म जागरूकता, सार्वभौमिक जागरूकता, उच्च स्व / अहंकार आत्म महारत, आध्यात्मिक उपस्थिति / सामाजिक महारत बन जाता है।

आंतरिक और बाहरी क्षमता स्नातकोत्तर स्तर के छात्रों में विकसित होती है, इसलिए स्नातकोत्तर महिलाओं और पुरुषों के बीच समान अंतर नहीं पाया जाता है।

लिंग पीजी स्तर के आधार पर वितरण का आरेखीय प्रतिनिधित्व

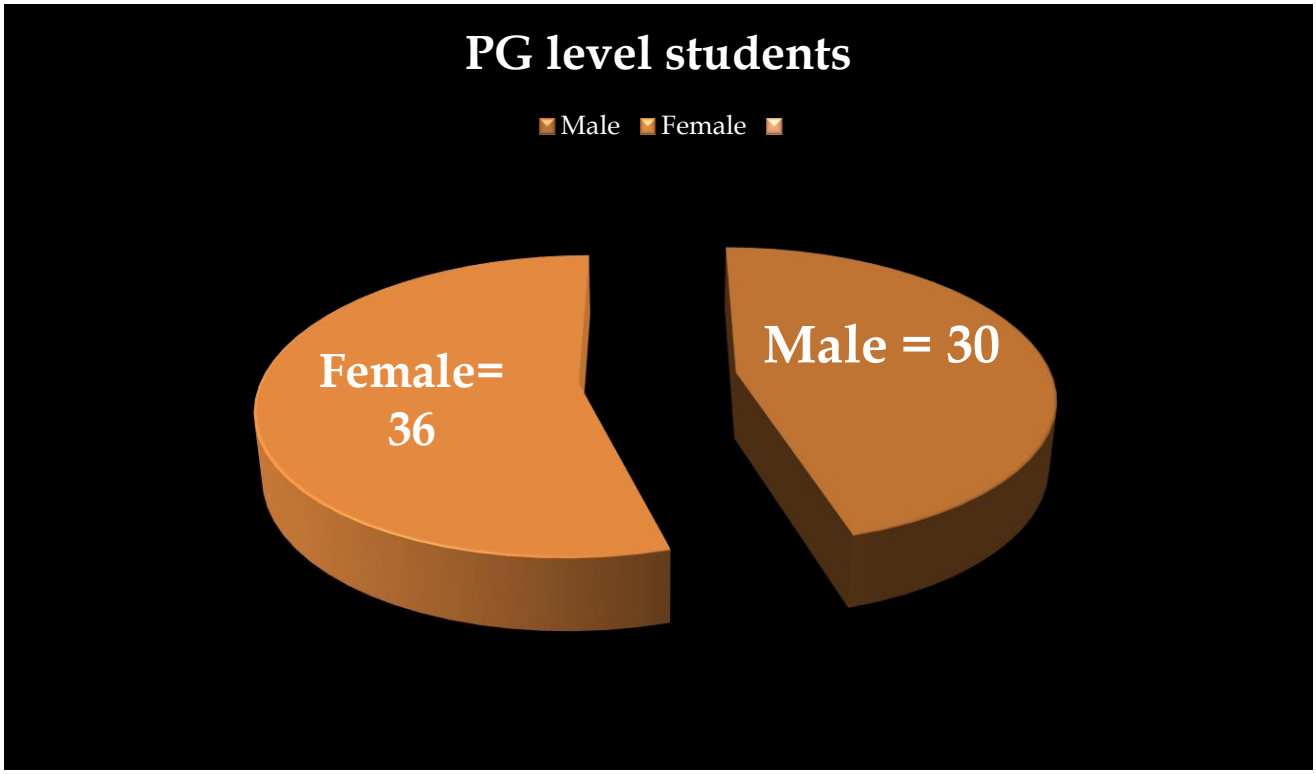

ऊपर चित्रमय प्रतिनिधित्व लिंग पीजी स्तर के छात्रों के आधार पर नमूने के वितरण को दर्शाता है। यहां, एक पीजी महिला छात्र 36 है और पीजी पुरुष छात्रों का नमूना 17 है। कुल 108 नमूना है।

5.2 व्याख्या का अंतर

आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता को खुले, दयालु, अधिक अप्रभावी और उद्दंड होने के साथ समान किया गया है। आध्यात्मिकता में पूर्णता, जुड़ाव, और गहरे मूल्यों की भावना शामिल है। वास्तव में, आध्यात्मिकता में रुचि का ज्यादातर हिस्सा धर्म में निहित है। वैसे भी, कई अन्य लोगों के लिए आज के समय में आध्यात्मिकता किसी भी धार्मिक परंपरा से संबंध नहीं रखती है, लेकिन बल्कि अपने स्वयं के व्यक्तिगत मूल्यों और दर्शन पर आधारित है। वर्तमान अध्ययन में शोधकर्ता द्वारा कई कदम उठाए गए हैं। वर्तमान अध्ययन "पोस्ट ग्रेजुएशन और स्नातक स्तर के छात्रों में आध्यात्मिक बुद्धि के स्तर का तुलनात्मक अध्ययन" पर ध्यान केंद्रित करता है। सांख्यिकीय तकनीकों के उपयोग के साथ लिंग, धारा के आधार पर नमूने का विश्लेषण किया जाता है।

आंकड़ों के विश्लेषण के बाद, इस परिणाम में पाया गया है कि उनके लिंग के आधार पर आध्यात्मिक बुद्धि में कोई अंतर नहीं देखा गया है। पुरुष और महिला दोनों के पास एक ही आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता होती है क्योंकि उनके माध्य लगभग समान होते हैं। ऐसा इसलिए देखा गया है क्योंकि दोनों लिंगों को एक ही आध्यात्मिक बुद्धिमता से प्रदान या सुसज्जित किया जा रहा है। आज के छात्र शिक्षित हैं और उनकी समस्या को सुलझाने की क्षमता के बारे में चिंतित हैं, आत्म-सम्मान में वृद्धि हुई है, अमूर्त और जटिल परिस्थितियों से निपटने की क्षमता में वृद्धि हुई है। वे अपनी आंतरिक क्षमता के विकास के लिए आध्यात्मिक बुद्धि के महत्व को अच्छी तरह से जानते हैं।

धाराओं के आधार पर, परिणाम देखा गया है कि पीजी धाराओं में नामांकित छात्रों में आध्यात्मिक ज्ञान अधिक होता है, स्पष्ट है कि यूजी और पीजी स्ट्रीम के छात्रों के बीच उनकी आध्यात्मिक बुद्धि के संबंध में महत्वपूर्ण अंतर है।

अंतर इसलिए माना जाता है क्योंकि पीजी स्ट्रीम के छात्र तथ्यों को स्वीकार करते हैं, दृश्य ज्ञान पीजी स्ट्रीम के छात्र अपने ज्ञान के माध्यम से जो ज्ञान प्राप्त करते हैं उस पर विश्वास करते हैं। ज्ञान का गठन केवल आत्म-बोध, आत्म-साक्षात्कार, आंतरिक सद्भाव, चेतना की आध्यात्मिक अवस्थाओं को बढ़ाने की क्षमता पर आधारित है, मानवीय, उदार, उपलब्धि अभिविन्यास पीजी स्ट्रीम के छात्र तर्कसंगत रूप से सोचते हैं और जीवन में समस्याओं को हल करने के लिए आध्यात्मिक संसाधनों का उपयोग करने की क्षमता रखते हैं। ।

यूजी छात्रों के आधार पर परिणाम देखा गया है कि आध्यात्मिक बुद्धि पर यूजी पुरुष और महिला छात्रों के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है। जो 0.05 के स्तर पर है। इसके अलावा, t की गणना की गई मूल्य तालिका के मान से कम है, इसलिए यह स्पष्ट है कि पुरुष और महिला में उनकी आध्यात्मिक बुद्धि के संबंध में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

आध्यात्मिक बुद्धि पर यूजी पुरुष और महिला छात्रों के बीच यह अवलोकन किया गया है, क्योंकि पुरुष और महिला दोनों छात्रों को बेहतर समस्या निवारण क्षमता, रचनात्मकता में वृद्धि, नवाचार, स्वायत्तता और अकर्मण्यता में वृद्धि हुई है, आत्मसम्मान में वृद्धि हुई है, सार और जटिल परिस्थितियों से निपटने की क्षमता में वृद्धि हुई है, चिंता में कमी आई है और आत्म-प्राप्ति में वृद्धि हुई है, दोनों छात्रों के समूह की आध्यात्मिक बुद्धि लगभग समान है

पीजी के आधार पर पुरुष और महिला का विश्लेषण किया जा रहा है। यह इस परिणाम में था कि आध्यात्मिक बुद्धि पर पुरुष और महिला के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है। जबकि अध्ययन करने वाले छात्रों के बीच अंतर देखा गया है। अंतिम रूप से, पीजी पुरुष और महिला को परिणाम निकालने के आधार के रूप में विश्लेषण किया गया है। परिणाम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि पीजी पुरुष और महिला छात्रों में नामांकित लोगों के बीच कोई अंतर नहीं है जिनके पास कोई आध्यात्मिक ज्ञान नहीं है। उनके अंतर के रूप में कोई अंतर नहीं देखा गया है यह मूल्य में पाया गया है। दोनों छात्रों के समूह की आध्यात्मिक बुद्धि लगभग समान है

क्योंकि उच्च स्व / अहंकार आत्म जागरूकता, सार्वभौमिक जागरूकता, उच्च स्व / अहंकार आत्म महारत, आध्यात्मिक उपस्थिति / सामाजिक महारत बन जाता है। आंतरिक और बाहरी क्षमता स्नातकोत्तर स्तर के छात्रों में विकसित होती है, इसलिए स्नातकोत्तर महिलाओं और पुरुषों के बीच समान अंतर नहीं पाया जाता है।

6. निष्कर्ष, शैक्षिक महत्व, सुझाव और सारांश।

6.1 महत्वपूर्ण खोज

अध्ययन के डिजाइन के अनुसार, अन्वेषक ने मानकीकृत साधनों का उपयोग करके डेटा एकत्र किया और फिर वर्तमान जांच के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए अस्थायी कूबड़ को सत्यापित करने के लिए उचित स्थैतिक तकनीकों की मदद से उनका विश्लेषण किया। यह अध्याय परिणाम के तर्कसंगत स्पष्टीकरण के साथ काम करता है। जिसे प्रस्तुत करने में अध्याय.प्रतियोगिता और स्पष्टता को समझने में सारणीबद्ध रूप में प्रस्तुत किया गया है। अध्ययन के निष्कर्षों पर चर्चा की गई है और धारणा के अनुसार व्याख्या की गई है।

अध्ययन के उल्लेख के प्रमुख निष्कर्ष निम्न हैं: -

1. परिणाम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि आध्यात्मिक बुद्धि पर पुरुष और महिला के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

2. परिणाम में यह पाया गया है कि आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता पर यूजी और पीजी के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

3. यह इस परिणाम में पाया गया है कि आध्यात्मिक बुद्धि पर यूजी पुरुष और महिला के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

4. परिणाम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि आध्यात्मिक बुद्धि पर पीजी पुरुष और महिला के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

6.2 निष्कर्ष

उपर्युक्त परिणामों से, रिसर्चर यह निष्कर्ष निकालते हैं कि लिंग के आधार पर आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता में पाए जाने वाले पुरुष और महिला के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है, विशिष्ट विश्वविद्यालय सौभाग्यशाली शहर हैं। यूजी और पीजी के छात्रों के बीच कुछ अंतर पाया जाता है और छात्रों के बीच भी, अलग-अलग विषयों को चुना जाता है यानी धाराओं के आधार पर अंतर पाया जाता है।

शोधकर्ता वर्तमान अध्ययन का समापन कुछ विचारों के साथ करते हैं जो आध्यात्मिकता और आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता सकारात्मक युवा विकास के लिए एक उर्वर आधार को बढ़ावा देते हैं। आज का युवा अवसाद और तनाव में बहुत ग्रस्त है, सहकर्मी दबाव अक्सर, उन्हें लगता है कि वे बेकार हैं और सिर्फ अंतरिक्ष की बर्बादी है क्योंकि हम सभी जानते हैं कि स्टैनली हॉल इस चरण को "तूफान, तनाव और तनाव का चरण" के रूप में वर्णित करता है। आध्यात्मिकता उनकी अशांत आत्मा को शांत करती है, उन्हें आशा प्रदान करती है। यह उन्हें तर्कसंगत रूप से सोचने पर मजबूर करता है।

6.3 अध्ययन के महत्व :-

- वर्तमान अध्ययन की समाज में और शिक्षा के क्षेत्र में बहुत प्रासंगिकता और महत्व है। वर्तमान में, छात्र माता-पिता, शैक्षणिक संस्थानों और समाज के लिए एक बड़ी चिंता बन गए हैं। इस स्तर पर अपराध, आत्महत्या और अन्य विभिन्न नकारात्मक व्यवहारों की उच्च दर देखी गई है। इसके लिए

छात्रों को परिषद की जरूरत है और आध्यात्मिक ज्ञान को बढ़ाता है। जो उन्हें आंतरिक भाग, धर्मी मार्ग की स्वार्थ और बुद्धि प्राप्त करने में मदद करते हैं। आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता आत्म-प्रभावकारिता, आंतरिक सद्भाव, क्षमा, उपलब्धि अभिविन्यास, आत्म-सक्रियण, आत्म-साक्षात्कार, मानवीय, न्यायपूर्ण, नैतिक, निजी, संगत, परोपकारिता, आशावाद। इन मूल्यों को आध्यात्मिक बुद्धि भी कहा जाता है और ये मूल जड़ हैं। व्यक्ति के स्वस्थ, जीवंत और समग्र विकास के लिए।

- **आध्यात्मिक बुद्धि एक बहुत ही प्रमुख बुद्धि है जो मानव व्यवहार को प्रभावित करती है। इन बुद्धिमत्ता के माध्यम से कोई भी व्यक्ति अपने आप को खोज लेता है। मुझे छात्रों की अवधि में बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि इस चरण को जीवन के महत्वपूर्ण चरण के रूप में माना जाता है।**
- **वर्तमान समाज में मूल्यों का क्षरण बड़ी चिंता का विषय है। शिक्षक को ऐसे मूल्यों और व्यवहार का प्रदर्शन करना चाहिए जो बच्चों को प्रेरित करते हैं।**
- **आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता व्यक्तित्व और आध्यात्मिक विकास मदद में करती है।**
- **आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता प्रतिकूल स्थिति से निपटने में मदद करती है जो छात्र जीवन के अपने महत्वपूर्ण चरण में अनुभव करते हैं।**
- **आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता हमारे विचारों, भावनाओं, कार्यों को प्रभावित करती है और हमें सही काम करने के लिए मार्गदर्शन करती है। प्रौद्योगिकी से प्रभावित सामाजिक परिवर्तन के इस युग में समाज में एक मूल्य संकट दिखाई देता है। इसलिए यह बहुत ही आवश्यक है कि आज का युवा आध्यात्मिक बुद्धि से लैस हो ।**

आगे के अध्ययन के लिए सुझाव: -

वर्तमान अध्ययन शिक्षा के मास्टर की आंशिक पूर्ति के लिए है और अपने छात्रों के सहसंबंधों के संबंध में यूजी और पीजी के बीच आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता पर केंद्रित है जिसमें लिंग, धाराएं शामिल हैं, जिसमें वे अध्ययन करते हैं। पीएचडी में, अनुसंधान कार्यों के लिए प्रगतिशील मेट्रिसेस तकनीकों का उपयोग किया जा सकता है।

- वर्तमान अध्ययन 108 यूजी और पीजी छात्रों तक सीमित है। अधिक नमूनों पर इसी तरह के अध्ययन किए गए।
- भौगोलिक क्षेत्र बहुत सीमित है। इस शोध कार्य का क्षेत्र लखनऊ जिले तक सीमित है। इसी तरह के अध्ययन अन्य जिले में आयोजित किए जा सकते हैं।

- ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के वयस्कों के बीच आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता की पहचान करने के लिए इसी तरह का अध्ययन किया जा सकता है।
- अध्ययन व्यक्तियों के जीवन में संतुष्टि की आध्यात्मिक बुद्धि के बीच संबंध पर ध्यान केंद्रित कर सकता है।
- आध्यात्मिक बुद्धि और व्यक्तियों की भलाई के बीच संबंधों की पहचान करने के लिए अनुसंधान कार्य किया जा सकता है।
- उनके जनसांख्यिकीय सहसंबंधों के संबंध में जीवन की गुणवत्ता पर आध्यात्मिकता के बीच संबंधों की पहचान करने के लिए इसी तरह के अध्ययन किए जा सकते हैं।

- **छात्रों में आध्यात्मिकता और अकादमिक प्रदर्शन की पहचान करने के लिए अध्ययन किया जा सकता है।**

7. सारांश

7.1. परिचय:-

"खुफिया संज्ञानात्मक व्यवहारों के पूरे वर्ग को संदर्भित करता है जो अंतर्दृष्टि के साथ समस्याओं को हल करने, खुद को नई स्थितियों के लिए अनुकूल बनाने, अमूर्त सोचने और अपनेअनुभवों से लाभ उठाने की क्षमता को दर्शाता है।" - रॉबिन्सनएंडरॉबिन्सन: मानसिक रूप से सेवानिवृत्तबच्चा, 1965**।**

"बुद्धिमत्ता, तर्कसंगत ढंग से सोचने और अपने पर्यावरण के साथ प्रभावी ढंग से निपटने के लिए व्यक्ति की उद्देश्यपूर्ण या वैश्विक क्षमता है।" -वैकलर: वयस्क बुद्धि का मापन, 1939

- **आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता में आध्यात्मिक और बुद्धिमत्ता दो शब्द समाहित थे। लैटिन शब्द 'स्पिरिटस' से लिया गया शब्द का अर्थ है "जो एक प्रणाली को जीवन या जीवन शक्ति देता है" ।**
- **गार्डनर की कई बुद्धिमत्ता की अवधारणा से प्रेरित , "आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता" की अवधारणा ने हाल के वर्षों में लोकप्रियता हासिल की है, और कई घटकों का विषय है: हर रोज़ अनुभव को पवित्र करने के लिए भौतिक सामग्री की क्षमता को पार करने की क्षमता, और आध्यात्मिक संसाधनों का उपयोग करने की क्षमता समस्या।**

Emmons **गार्डनर के कई इंटेलिजेंस के ढांचे का उपयोग करके आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता की अवधारणा को सही ठहराते हैं। गार्डनर ने प्रस्तावित किया कि**

कई प्रकार की क्षमताओं को अपने आप में इंटेलीजेंस कहा जाना चाहिए, क्योंकि आइआर एक एकल सामान्य बुद्धि होने के विचार के विपरीत है जो आईक्यू परीक्षणों के साथ मापन हो सकता है। "मल्टीपलइंटेलिजेंस" से जुड़े सिद्धांतों में से एक समस्या यह है कि यदि सिद्धांत सही है, तो "इंटेलीजेंस" के विभिन्न प्रकार एक दूसरे से और सामान्य बुद्धि या IQ Gardner के सिद्धांत की भविष्यवाणी से अलग होना चाहिए। यह "भावनात्मक बुद्धिमत्ता" पर भी लागू होता है, एक और "वैकल्पिक" बुद्धिमत्ता, जिसे (गलत तरीके से) जीवन में सफलता के लिए अधिक महत्वपूर्ण माना जाता है, फिर आईक्यू। भावनात्मक बुद्धिमत्ता का आकलन करने के प्रयासों में "विशेषता" (आत्म-विश्वास) और "अपमान" (सही और गलत

7.2 अध्ययन का महत्व-

वर्तमान अध्ययन यूजी और पीजी स्टैडेंट्स के बीच आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता पर केंद्रित है, बहुत महत्वपूर्ण चरण है जिसमें छात्र व्यापक शारीरिक, मनोवैज्ञानिक, भावनात्मक और व्यक्तित्व परिवर्तन की अभिव्यक्ति करते हैं। छात्रों को व्यापक रूप से एक चुनौतीपूर्ण और अक्सर जीवन के महत्वपूर्ण चरण के रूप में पहचाना जाता है। छात्रों के चरण को बुद्धिमानी से निपटाया जाना चाहिए। बच्चों को आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता के साथ विकसित किया जाना चाहिए और उन्हें आध्यात्मिकता और आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता के महत्व का अहसास कराते हुए लाना चाहिए। जो छात्रों के समग्र विकास का आधार है। यदि छात्रों के पास आध्यात्मिक बुद्धि है तो वे जीवन की हर परिस्थिति का आसानी से सामना कर सकते हैं।

7.3 समस्या का बयान -

- **स्नातकोत्तर और विश्वविद्यालय स्तर के छात्रों में आध्यात्मिक बुद्धि के स्तर का अध्ययन करना**

7.4 अध्ययन का उद्देश्य :-

1. **आध्यात्मिक बुद्धि पर पुरुष और महिला छात्रों के बीच अंतर का अध्ययन करना।**

2. **आध्यात्मिक बुद्धि पर यूजी और पीजी छात्रों के बीच अंतर का अध्ययन करना।**

3. **आध्यात्मिक बुद्धि पर यूजी और पुरुष और महिला छात्रों के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।**

4. **आध्यात्मिक बुद्धि पर पीजी और पुरुष और महिला छात्रों के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।**

7.5 अध्ययन के परिकल्पना

1. **आध्यात्मिक बुद्धि पर पुरुष और महिला छात्रों के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।**

2. **आध्यात्मिक बुद्धि पर** UG **और** PG **छात्रों के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।**

3. **आध्यात्मिक बुद्धि पर यूजी पुरुष और महिला छात्रों के बीच अंतर का अध्ययन करना।**

4. **आध्यात्मिक ज्ञान पर पीजी पुरुष और महिला छात्रों के बीच अंतर का अध्ययन करना।**

7.6 अध्ययन का परिसीमन: -

समय की कमी के कारण, एमएड छात्रों के रूप में संसाधन और विश्वविद्यालय भौगोलिक क्षेत्र के कारण, वर्तमान अध्ययन को निम्नलिखित के लिए सीमांकित किया गया है: -

7.7 समीक्षा परिदृश्य

संबंधित साहित्य की समीक्षा प्रासंगिक, शोधकर्ता, प्रकाशित लेख और विश्वकोश और अनुसंधान सार के संबंधित भागों की रिपोर्टों का पता लगाने, अध्ययन और मूल्यांकन करती है। ज्ञान के क्षेत्र में किसी भी सार्थक अध्ययन के लिए अनुसंधानकर्मी को अपने चुने हुए क्षेत्र के क्षेत्र में पहले से ही किए गए कार्य के लिए पर्याप्त परिचित होने की आवश्यकता है।

7. 8 पद्धति: -

वर्तमान अध्ययन के लिए विधि को प्रकृति में वर्णनात्मक स्थैतिक के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है। वर्णनात्मक अनुसंधान वर्णन करता है और व्याख्या करता है कि यह उन स्थितियों या संबंधों से संबंधित है या मौजूद है, जो प्रचलित हैं, प्रथाएं, मान्यताएं, दृष्टिकोण या दृष्टिकोण जो कि चल रहे हैं, प्रक्रियाएं जो चल रही हैं, जो प्रभाव या प्रवृत्ति हो रही थीं विकसित होना । इस शोध अध्ययन में नियोजित के रूप में विवरण की प्रक्रिया केवल आंकड़ों के एकत्रीकरण और सारणीकरण से परे है। इसमें अर्थ या अर्थ की व्याख्या का एक तत्व शामिल है जिसे वर्णित किया गया था। इस प्रकार, विवरण को माप, वर्गीकरण, व्याख्या और मूल्यांकन से तुलना या इसके विपरीत के साथ जोड़ा गया था।

7.9 नमूने का आकार

नमूना वह इकाई है जिसे विशेष क्षेत्र में शोध अध्ययन के लिए पूरी आबादी से निकाला जाता है। वर्तमान अध्ययन में, यूजी और पीजी छात्रों की आध्यात्मिक बुद्धि का अध्ययन किया जाता है। वर्तमान अध्ययन के लिए, विभिन्न पाठ्यक्रमों के यूजी और पीजी छात्रों को लिया गया है। । सभी छात्रों ने वर्तमान अध्ययन में भाग लिया, उनकी आयु 20-25 के बीच थी जो कि यूजी और पीजी दोनों में रहती है। विभिन्न पाठ्यक्रमों से पीजी पाठ्यक्रम का चयन किया जाता है। 42 छात्रों को यूजी और 66 पीजी से चुना गया था। सभी विश्वविद्यालय सह-शिक्षा संस्थान थे। इस प्रकार, नमूनों को दोनों लिंगों (पुरुष और महिला) में बेतरतीब ढंग से शामिल किया गया था। अध्याय 3 में, नमूने का विवरण स्पष्ट रूप से दिया गया है।

7.10 उपकरण: -

- आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता का पैमाना (एसआईएस-डीडी) संतोषधर और उपेंद्रधर।
- (इस पैमाने42 छात्रों को यूजी और 66 पीजी से चुना गया था। सभी विश्वविद्यालय सह-शिक्षा संस्थान थे। इस प्रकार, नमूनों को दोनों लिंगों (पुरुष और महिला) में बेतरतीब ढंग से शामिल किया गया था। अध्याय 3 में, नमूने का विवरण स्पष्ट रूप से दिया गया है। में 6 आयामों में विभाजित 53 आइटम हैं- । परोपकार
- 2 विनम्रता , 3 दृढ़विश्वास, 4 करुणा, 5 चुंबकत्व, 6 आशावाद और 15 कारक। यह excutives वयस्क पर लगाया गया था।)

7.11 डेटा के सांख्यिकी उपचार

शोधकर्ता द्वारा गुणात्मक विश्लेषण तकनीक का उपयोग किया गया था। डेटा के संगठन के बाद। इसका विश्लेषण निम्नलिखित स्थैतिक तकनीकों के अनुप्रयोग द्वारा किया गया था।

- **मीन**
- **मानक विचलन**
- **टी-मूल्य**
- **स्वतंत्रता की डिग्री**

डेटा के विश्लेषण के अनुसार, निम्नलिखित निष्कर्ष प्राप्त किए जाते हैं।

अध्ययन के प्रमुख निष्कर्षों का उल्लेख नीचे दिया गया है-

वर्तमान अध्ययन में लिंग के आधार पर कोई आध्यात्मिक बुद्धि अंतर नहीं देखा गया है।

इस परिणाम में पाया गया है कि यूजी में नामांकित छात्रों और पीजी स्ट्रीम में नामांकित छात्रों में आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता का महत्वपूर्ण अंतर है।

इस परिणाम में पाया गया है कि आध्यात्मिक बुद्धि पर यूजी पुरुष और महिला छात्रों के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

इस परिणाम में पाया गया है कि आध्यात्मिक ज्ञान पर पीजी पुरुष और महिला छात्रों के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

7.12 निष्कर्ष

उपरोक्त निष्कर्षों से, शोधकर्ता निष्कर्ष निकालता है कि लिंग, धारा के आधार पर कोई अंतर नहीं देखा गया है। यूजी और पीजी पुरुष और महिला में कोई आध्यात्मिक खुफिया अंतर मौजूद नहीं है। दूसरी ओर, यूजी और पीजी में चयनित छात्रों के बीच अंतर देखा गया है। छात्रों में स्ट्रीम बेस अंतर देखा गया है। पाठ्यक्रम (बीबीए और बीएड) और (एमबीए और एमएड) में अध्ययनरत छात्रों में भी अंतर देखा गया है और इसके अलावा यूजी और पीजी के अन्य पाठ्यक्रम थे।

अनुसंधान निष्कर्षों से पता चलता है कि छात्रों में आध्यात्मिक बुद्धि पर व्यक्तिगत प्रभाव पड़ता है। व्यक्तियों पर आधारित एक अनुदैर्ध्य अध्ययन में। आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता ज्ञान और करुणा के साथ काम करने की क्षमता है, आंतरिक और बाहरी शांति में सुधार करते हुए, परिस्थितियों की परवाह किए बिना (विगल्सवर्थ, 2002)

संदर्भ-

निरा मंगरानी (2001द्धण्स्प्रिचुअल क्वोशन्ट् एण्ड मॉनेजीरिअल इफेक्टिवनेस, पीएचडीणडिपार्टमेंट ऑफ साइकोलोजी, यूनिवर्सिटी, बडौदा

दास गुप्ता (2002).स्प्रिचुअल क्वोशन्ट् द अनलिमिटेड इन्टेलिजेन्स इन अ ऐड़ ऑफ गुजरातअर्थ् क्वाक् व्हिक्टिम्स, पीएच.डी.डिपार्टमेंट ऑफ साइकोलोजी, सीयाजीराव यूनिवर्सिटी, बडौदा.28

एस.नागपाल एण्ड जी के.जोनीजा (2005द्ध कोन्सेप्चुअल ईवोल्यूश्न ऑफ एन परस्पेक्टिव्स इन एड्यूकेशन, जनरल ऑफ दा सोसायटी फॉर एड्यूकेशनल रिसर्च एण्ड़ डवलपमैण्ट,बडौदा,वोल्यूम21,न.4, 211—214.

टी.के.स्रीजा (2005).स्प्रिचुयलिटी, इमोशनल मॅच्युरिटि एण्ड क्वालिटी ऑफ लाइफ अमंग यूनिवर्सिटी स्टूडेन्टस, अनपब्लिशड़ एम फिल थिसिस, यूनिवर्सिटी ऑफ केरला, तिरूअन्तपुरम्

एम.जैन एण्ड पी.पुरोहित (2006).स्प्रिचुअल इन्टलिजेन्सी ए कण्टमपरेरी कन्सर्न विथ रिगार्ड टू लिविंग स्टेटस ऑफ सीनियर सिटिजन, जनरल ऑफ इण्डियन अकेडमी ऑफ एप्लाइड साइकोलोजी, वोल्यूम.32, न.3, 227—233.एस

मंगल (2007).कन्जरवेशन ऑफ एण्ड़ डवलपमेंट, ऐड्यू ट्रेक, नीलकमल पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड,हैदराबाद, वोल्यूम 7,न.3, 16—18.32

विनीत कुमार (2009).इफेक्ट ऑफ स्प्रिचुअल इन्टेलिजेन्स एण्ड इमोशनल इन्टेलिजेन्स ऑनअचिवमेंट,

मोटिव, रिएक्शन् टू फस्ट्रेशन साइकोलॉजिकल आडजस्टमेंट एण्ड स्कालॅस्टिक् परफोरमेंस ऑफ बैकवर्डस एण्ड नोन बैकवर्डस टेन्थ ग्रेड बॉयज, पीएच.डी.डिपार्टमेंट ऑफ साइकोलोजी, यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान

द टाइम्स ऑफ इण्डिया (2010द्ध.वाट इज स्प्रिचुअल इन्टेलिजेन्सी? एविलेबल ऑन लाइन एट यूरल
,Mjl %http://times of india. India times.com

पीण्अजिलाल और एस.राजू (2011).पर्सनॅलिटी कॉरिलेशन् ऑफ स्प्रिचुयलिटी, केरला यूनिवर्सिटी, जरनल ऑफ कम्युनिटी गाइडेन्स एण्ड रिसर्च, वोल्यूम 28, 380–386.
ब्रह्मकुमारी शिवानी (2011).वॉट इज स्प्रिचुअल इन्टेलिजेन्स एट times of india.india times.com/life-style/what-is-spiritual-intelligence/articleshow/5343214.cms

गुरदीप कौर अमरिक सिंह (2013). रिलेशन अमंग इमोशनल इन्टेलिजेन्स, सोशल इन्टेलिजेन्स, स्प्रिचुअल इन्टेलिजेन्स एण्ड लाइफ सॅटिस्फॅक्शन् ऑफ टीचर ट्रेनिंज देव एड्यूकेशन कॉलेज, अबोहर पंजाब, इन्टरनेशनल जरनल ऑफ टीचर एड्यूकेशनल रिसर्च, वो.2, 7.

अवधेश सिंह (2013). प्रेक्टाइजिं स्प्रिचुअल इन्टेलिजेन्स फॉर इनोवेशन, लीडर्शिप एण्ड हैपोनेस एट https://www.flipkart.com/practising-spiritual-intelligence-innovation-leadership-happiness-english/p/itmdkqyrgktcp8dj

एम पी.सिंह एण्ड डॉ.ज्योत्सना सिन्हा (2013).इम्पेक्ट ऑफ स्प्रिचुअल इन्टेलिजेन्सी आन क्वालिटी ऑफ लाइफ डिपार्टमेंट ऑफ ह्यूमॅनिटिज इलाबाद यूनिवर्सिटी, इन्टरनेशनल जरनल ऑफ पब्लिकेशन वो 3 इश्यू 5मई.

अशोक एस.ठक्कर (2013).अ स्टडी ऑफ द व्यूज ऑफ टीचर एड्यूकेटस अबाउट एड्यूकेशन ऑफ स्प्रिचुअलअमंगबी.एड.ट्रेनिंज,

रिवाबा एज्युकेशन कालेज, मेहसाणा, गुजरात, इन्टरनेशनल जरनल फॉररिसर्चइएड्यूकेशन
, वो.2, इश्यू 5 मई एट .ijsrp.org/research-paper-0513/ijsrp-p1705
शालिनी उपाध्याय (2013).एक्सप्लोरिंग स्प्रिचुअल क्वोशन्ट् एण्ड एनालिजिंग इटसइमपेक्ट ऑन द रिसर्च परफोरमेन्स ऑफ यूनिवर्सिटी टीचर्स, 13 अगस्त एट university.bitspilani.ac.in

मुरलीधर मिश्रा एवं स्वाति गुप्ता (2014), ए स्टडी ऑफ टीचर ऐफिकेसी ऑफ रूलर एण्ड़ अरबन
सैकण्डरी स्कूल टीचर्स इन रिलेशन टू देयर स्प्रिचुअल इन्टेलिजेन्सी इन्टरनेशनल जरनल ऑफ रिसर्च (यू आर) वो–1
श्रामा ए.भोसलें (2016द्ध.ए स्टडी ऑफ इफेक्टिवनेस् ऑफ स्प्रिचुअल इन्टेलिजेन्स एन्हॉन्समेन्ट प्रोग्राम फॉर ट्रेनी टीचर्स, गर्वमेंट कालेज ऑफ एड्यूकेशन, पनवेल, महाराष्ट.
आर.इंग्लेहर्ट (1990).कल्चर शिफ्ट इन एडवांस इंडस्ट्रीयल सोसायटी यूनिवर्सिटी प्रेस प्रिनसीटन ।

एस.कालो (1991).जोन ऑफ दा क्रोस, द कलेक्टेड वर्कस ऑफ सेंट जोन ऑफ दा क्रॉस , आई सी एस.पब्लिकेशन वाशिंगटन, डी सीः
सी.एन.अलेक्जेन्डर एट ऑल (1993).इफेक्टस् आफ ट्रॉन्सेन्डन्ट्ल मेडिटेशन प्रोग्राम स्ट्रेस रिडक्शन, हेल्थ एण्ड एम्प्लाई डवलपमेंट अ प्रोस्पैक्टिव स्टडी इन टूऑक्यूपेशनल सेंटिड्.एन्जायटी, स्ट्रेस का्पिंग एन इन्टरनेशनल जरनल वो.6, 245–262
आर.ई.इनजेरसॉल (1994).स्प्रिचुअलिटी, रिलिजन् एण्ड काउन्सलिंग डिमेन्शन एण्ड रिलेशनशिपस्
काउन्सलिंग एण्ड व्हल्यू; 38,98–11147
डी.टूट (1996).स्प्रिचुअल वेलबीइंग ऑफ वर्कस् : एन एक्सप्लोररी स्टडी ऑफ स्प्रिचुअलिटी इन दा वर्कप्लेस् डिजरटैशन, ॲब्स्ट्राक्टस इन्टरनेशनल आक्टाइन, टी एक्स यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास

जे .डी.मेयर, पी.सोलोव (1997).वाट इज इमोशनल इंटेलिजेन्स?इन पी सोलोवे एण्ड.डी.जे स्लाइट्र इमोशनल डवलपमेन्ट एण्ड इमोशनल इंटेलिजेन्स, बेसिक बुकस् न्यूर्याक, 3—34.49
ई.एच.ब्यूरैक (1998द्ध.स्प्रिचुयलिटी एट द वर्कप्लेस् जरनल ऑफ ऑरगेनाइजेशनल चेंज मेनेजमेंट ; वो.12 न 4,280—292.
एल एस.गोल्टफ्रेर्डसन (1998).द जरनल इन्टेलिजेन्स फैक्टर साएन्टिफिक् एम, 9(4),24—29.
सी.डी रफ एण्ड बी.सिंगर (1998).दा रोल ऑफ परपज इन लाइफ एण्ड पर्सनल ग्रोथ इन पोजिटिव ह्यूमन हेल्थ इन पी.वोंग और पी. फ्राई (ऐडस.), दा ह्यूमन क्वेस्ट फॉर मीनिंग, (ूण—236).213

पी ण्टीण पी.वॉन्ग एण्ड पीण एस.फ्राई (1998).थ्योरी एण्ड़ रिसर्च कन्सर्निंग सोशल कम्पेरिजन्स ऑफ पर्सनल्स एट्रीब्यूट्स सायकोलॉजिकल बुलेटिन; 106, 231—248.

के.विल्बर (1998).द मेरिज ऑफ सेन्स एण्ड सोल, न्यूयार्क, रॅन्डम् हाऊस.
(1).आर.एमोन्स (1999).दा सायकोलोजी ऑफ अलटीमेट कंर्सन्स ; मोटिवेशन एण्ड स्प्रिचुयलिटी इन पर्सनॅलिटी,गिलफर्ड,न्यूयार्क एट ूण्हमवबपजपमेण्बवउध्पेपपिदकपदहेध्पेपेऋ07ऋ07ऋ30ण्चकण्ि
(2).आर.एमोन्स (2000).इज स्प्रिचुयलिटी एन इन्टेलिजेन्स?मोटिवेशन, कॉग्निशन् एण्ड द सायकालोजी ऑफ अलटीमेट कंर्सन्स; इन्टरनेशनल जरनल फार द सायकोलोजी ऑफ रिलिजन, 10(1),3—26,
;3द्ध.आर.एमोन्स (2000).स्प्रिचुयलिटी ऑन इन्टेलिजेन्स प्रॉब्लम् एण्ड प्रॉस्पेक्टस्, इन्टरनेशनल जरनल
फार द साइकोलोजी ऑफ रिलिजन, 10(1),57—64.

एच.गार्डनर (1999).इन्टेलिजन्स रि'फ्रेमडः मल्टिप्ल् इन्टेलिजेन्स फॉर द ट्वेन्टिफस्ट सेन्चुरी, बैसिक न्स रि'फ्रेमडः मल्टिप्ल् इन्टेलिजेन्स फॉर द ट्वेन्टिफस्ट सेन्चुरी, बैसिक
बुक, न्यूर्याक.
आर.एल.पीडमोन्ट (1999).डॉस स्प्रिचुयलिटी रिप्रजेन्ट द सिक्स्थ फॅक्टर् ऑफ पर्सनल्?
स्प्रिचुअल ट्रॉन्सकेन्डेन्स एण्ड द फाइव फॅक्टर् मॉडल जे. पर्स,न्यूयार्क,
67:985—1031.57
ए.वाल्से (1999).बाउण्डलेस हॉर्टः द फोर इम्मेझरेबल्, एन वाई स्नोलोइन, इटहक.
आर.कैशिओप्पे (2000).क्रियेटिग स्प्रीट एट वर्क : रि—वाइजनिंग आर्गेजनाईजेशन डवलपमेंट एण्ड लिडरशिप पार्ट— 2, लिडरशिप एण्ड आर्गेजनाईजेशन डवलपमेंट जरनल; 21/2, 110—119.
ई.एल.डेसी एण्ड आर.एम.र्यान (2000).द वाट एण्ड वाई ऑफ गोल ड्यूसुइट्स ह्यूमन नीड्स एण्ड द सेल्फ डिटरमिनेशन ऑफ बिहेवियर सायकोलॉजिकल इनक्वायरी, 11, 227—268.

आर.फण्ड (2000).नर्चरिग् अ चाइल्ड स्पिचुयलिटी, जरनल ऑफ चाइल्ड हेल्थ केयर,4,143—48.

आर.केसलर (2000).द सोल ऑफ एड्यूकेशन हल्पिंग स्टूडेन्ट फाइन्ड्ड कनेक्शन कम्पॅशन् एण्ड कॅरेक्टर् इन स्कूल एलेक्सएण्डरिया वीए, एसोसिएशन फॉर सूपरविजन एण्ड करिक्यूलम डवलपमेंट.
एस.क्विलेकी (2000).स्प्रिचुअल इन्टेलिजेन्स एज अ थ्योरी ऑफ इन्डिव्ज्युअल् रिलिजनः अ केस आप्लिकेशन इन्ट ज साइकोरिलिजन, 10(1), 35—46.
एस.एम.लेविन (2000).पुट् द शॉल्डर टू द व्हील् अ न्यू बायोमैकेनिकल मॉडल फॉर द शॉल्डर गिरडल इन रिब्यू एजू.
मैकनो ट्रान्सडक्शन सोसाइट बायोमैकेनिक, पेरिस, 131—136.

जान डी.मेयर (2000).स्प्रिचुअल इन्टेलिजेन्स और स्प्रिचुअल कॉन्शसनेस?इन्टरनेशनल सायको रिलिजन, 10, 48–54.
(1).के.डी.नॉबेल (2000).स्प्रिचुअल इन्टेलिजेन्सः अ न्यू फ्रेम ऑफ माइन्ड एडवान्स डवलपमेंट, 9, 1–29.
(2).के.डी.नॉबेल (2001).रिडिग द विन्डहोर्स, स्प्रिचुअल इन्टेलिजेन्स एण्ड द ग्रोथ ऑफ द सेल्फ, क्रेडकिल एन जे हॉम्पटन प्रेस न्यूयार्क.
के.विल्बर (2000).इन्टीगल साइकोलाजी, शम्भाला, बोस्टन, 197–217.

डी.जोहर (2000).एसक्यू कनेकटिंग विथ आवर स्प्रिचुअल इन्टेलिजेन्स ब्लूम्सबरी, लंदन, आइ एस बी एन 1–58234–044–7.
डी.जोहर एण्ड आई.मार्शल (2000).एस.क्यू– स्प्रिचुअल इन्टेलिजेन्स द अल्टीमेट इन्टेलिजेन्स, ब्लूम्सबरी, लंदन,
एस.कालो (2001).विथ ज्यूलियन जफा, डी ए टी (इन हीब्रू) यथा उद्धत
सी.जी.एलिसन एट अल (2001).रिलिजिअस इनवोलमेंट, स्ट्रेस एण्ड मेंटल हेल्थ फाइन्ड.ग् फ्रॉम द 1995 डिट्रॉइट एरिया स्टडी सोशल फॉसेज, 80(1), 215–249.
ए.एल.एडरसन (2001).एन एक्सप्लोरेशन ऑफ द रिलेशनशिप ऑफ ओपननैस इमोशनल इन्टेलिजेन्स एण्ड स्प्रिचुयलिटी ऑफ यूनिव्हर्सल् आरियन्टेशन ओकलाहोमा स्टेट यूनिवर्सिटी,
यू.एस.ए.सिटेडइन डिजरटैशन ॲब्सट्राक्ट इन्टरनेशनल–बी वो, 62,12, 5992

टी.हेलिवेल (2001).स्प्रिचुअल इन्टेलिजेन्स अ की टू सर्व्हाइवल इन द 21 सेन्चूरी एट,
दवइसंउपदहण्बवउध्ेपतपजपदजमसणीजउ तमजतपअमक वद.22.3. 2010 ण्
एम.एस मारकूली (2001).क्रिएटिंग ए थ्योरी फॉर द रोल ऑफ इमोशन इन दा रिलिजियस एड्यूकेशन वर्क ऑफ मिडिल स्कूल

टीचर्स इन कैथोलिक स्कूलस सेंट लूइस यूनिवर्सिटी मिसेरी, यू.एस.ए.
सिटेडइन डिजरटैशन ॲब्सट्राक्ट इन्टरनेशनल–ए,वो.62,नं.5, पेज नं. 1780

के.एस.सेबोल्ड एण्ड पी.सी.हिल (2001).द रोल ऑफ रिलिजन एण्ड स्प्रिचुयलिटी इन मेंटल एण्ड फिजिकल हेल्थ कर डायरेक्शन सायको साइन्स, 10, 21–24.
डी.सिसक एण्ड ई.पी.टोरेन्स (2001).स्प्रिचुअल इन्टेलिजेन्स डे्वलप्इंग हायर कॉन्शसनेस बफेलो, क्रियेटिव एड्यूकेशन प्रेस न्यूयार्क
आर.एन.वोलमैन (2001).थिंकिंग विथ योवर सोल स्प्रिचुअल इन्टेलिजेन्स एण्ड वाई इट मेटरस,हार्मनी, न्यूयार्क .

ए.कैम्पिस (2002).द इमिटेशन ऑफ क्रिस्ट.टेल ऐविव निमॉर्ड (हेबरू एडिशन).
केट्स (2002).अवेकिंग क्रिएटिविटि एण्ड स्प्रिचुअलइन्टेलिजेन्सः द सोल वक ऑफ होलिस्टिक एड्यूकेशन, पीएच.डी.डिपार्टमेंट ऑफ साइकोलोजी, यूनिवर्सिटी ऑफ टोरटो, कनाडा.
विजल्सवोर्थ (2002).स्प्रिचुअल इन्टेलिजेन्स एण्ड वाई इट मेटर्स, बेलएयर टी एक्सः कॉन्शस् पर्सूट् इन्क.

डब्लू.एल.फ्राई (2003).टूवर्ड अ थ्योरी ऑफ एस.लिडरशिप, द लिडरशिप क्वाटरली, 4(6), 693–728ण

एम.के.हार्टसफाइड (2003).ए स्टडी ऑन अ इन्टरनल डायनॅमिकस ऑफ ट्रॅान्सफॉमेशनल लिडरशिप विथ रेफरेन्स टू इफेक्ट् ऑफ स्प्रिचुयलिटी, इमोशनल इन्टेलिजेन्स एण्ड सेल्फ एफिकैसी रिजिन्ट यूनिवर्सिटी, यू.एस.ए.सिटेड इन डिजरटेशन ॲब्सटाक्ट इन्टर नेशनल बी वो.64 5.2440

एस.ए ह्यूगर (2003) इमोशनल डवलपमेंट ऑफ एमिनेन्ट् स्प्रिचुअल लीडरस, डिजरटेशन ॲब्सटाक्ट इन्टरनेशनल–ए, वोल्यूम 65,नं.7, 2489

डब्लू.अस्तिन एट ऑल(2004द्ध.द स्प्रिचुअल लाइफ ऑफ कॉलेज स्ट्डेन्टस्ः अ नेशनल स्टडी ऑफ कॉलेज स्टूडेन्टस सर्च फोर मिनिंग एण्ड परपस्, हायर एड्यूकेशन रिसर्च इन्स्टिट्यूट, लॉस एंजेलस.

एल.एल.क्रम्ली (2005).द लिवड एक्सपीरियन्स अ टीचर अ फिनोमिनोलोजिकल स्टडी ऑफ द इन्टिलेक्चुअल इमोशनल एण्ड स्प्रिचुअल जर्नि सिटेड इन डिजरटैशन ॲब्सटाक्ट इन्टरनेशनल, वोल्यूम 66 ए6ए 2177ण

डी.गोलमैन (2005).डिस्ट्रक्टिव इमोशनस् बीनशीमैन, इजराइल मॉडन (हेबरू एडिशन)

पी .ए.पी.वी.रॉयस (2005).अ स्प्रीट वेवः अ मॉडल ऑफ होलिस्टिक चेंज, यूनिवर्सिटी ऑफ टोरटो,कनाडा,

आर.रूइज (2005).स्प्रिचुअल डायमैनशन इन एड्यूकेशनल लिडरशिप यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास, यू एस ए

माइकल गार्ज (2006) ब्रिंगिग स्प्रिचुअल इन्टेलिजेन्सी इन टू दा वर्कपेलेस एट, .cimaglobal.comretrived on-26/7/11.

वाई.अम्राम एण्ड सी.ड्राइर (2007).द डवलपमेंट एण्ड प्रिलिमिनरि वेलिडेशन ऑफ द इन्ग्रेटेड

स्प्रिचुअल इन्टेलिजेन्सी स्केल इन्स्टिट् ऑफ टान्सपर्सनल् साइकोलोजी, पालो अल्टो सी ए वर्किंग पेपर.

डब्लू.हाओबाई एट ऑल् (2007).स्प्रिचुअल क्वोशन्ट् इफेक्टस् ऑन रिसर्च परफॉर्मन्स् ऑफ पीएच.डी.

कॅन्डिडेटस, अ डेमॉन्स्ट्रेट् अनालसिस, वायरलेस कम्यूनिकेशन, 4466–4469, एट http://www.ieexplere.ieee.org.

एम.जिमोह (2007).स्प्रिचुअल इन्टेलिजेन्सी इमोशनल इन्टेलिजेन्स एण्ड इन्टेलिजेन्ट क्वोशन्ट् एज
प्रिडिक्टर ऑफ एडजस्टमेंट टू टिचिंग प्रॉफेशन अमंग द वॅलन्टरि टिचिंग कोर्ज सीहेमे, इम्प्ला्यज इन
ओगन स्टेट, एम.एड.डिसरटेशन, अनपब्लिश्ड् आयबेडन यूनिवर्सिटी ऑफ आयबेड
आर.ऑटो (2007).द आइडिया ऑफ द होली लंदन ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस पी एंग्रीमेंट के आइ स्प्रिचुयलिटी इंटरग्रेटेड साइकोथेरेपी अण्डरस्टेण्डिग एण्ड एड्रेसिंग, द सेक्रेड एन वाइ गिलफोर्ड, न्यूयार्क.
टूओंगसन (2007).अ फिनॅामिनलोजिकल स्टडी ऑफ स्प्रिचुअल इन्टेलिजेन्सी लिडर शिप एट द यूनाइटेड नेशनस ग्लोबल कॉम्पेक्ट, यूनिवर्सिटी ऑफ फीनिक्स, एरिजोना, य.एस.ए.
सिटि पैशन एटऑल (2008).अ रिव्यू, फेक्लटी ऑफ एड्यूकेशनल स्टडीज, पुत्र यूनिवर्सिटी, मलेशिया.

क्रिंस्टन (2008).अ क्वालिटिव स्टडी ऑफ स्प्रिचुअल इन्टेलिजेन्स इन ऑर्गनाइजेशनल लिडरशिप, ऑलीयन्ट इन्टरनेशनल यूनिवर्सिटी, सेन फ्रांसिस्को, यू एस ए.

राइट (2008).ह्यूमन स्ट्रेटजी एण्ड परफॉरमेन्स, एट http://moss07.shrm.org/about/
foundation/products/documents/hr%20strategy%20epg20final%20online87

वाई.अम्राम (2009).द कॉन्ट्रिब्यूशन ऑफ इमोशनल एण्ड स्प्रिचुअल इन्टेलिजेन्सी टू इफेक्टिव बिजनेसलिडरशिप, डॉक्टरल डिसरटैशन इन्स्टियुट् ऑफ टान्सपर्सनल केलिफोनिया, पालो अल्टो.

सी.ई.बोनर (2009).फॉम कोअर्सीव ऑफ स्प्रिचुअल, वॉट स्टाइल ऑफ लिडरशिप इज प्रिवलन्ट् इन के–12 पब्लिक स्कूलस्?ड्रेएक्सल यूनिवर्सिटी, 65–66(3)
आर.रेजमजोय (2010).द रिलेशनशिप बिट्वीन स्प्रिचुअल टान्सकेन्डैसविथ द स्टूडेन्ट लाईलीहुड ऑफ वनलरए
बिलेटी टू ड्रग् अब्यूज, प्रोसिडिंग्स ऑफ द फिफ्टी ऑलओवर मेंटल हेल्थ कान्फ्रेन्स अबाउट
स्टूडेन्टस मेंटल हेल्थ, 194–195.

एस.मोलिनी, एम.रागिबी एण्ड डी.जेड़.सोलारी (2010).स्प्रिचुअल इन्टेलिजेन्सी एण्ड मेंटल हेल्थ अमंग एडिक्ट्स एण्ड नोन –एडिक्ट्स याजेड यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंस, 2, 235–242.

बीए.जोहेड एण्ड के.एम.मोइनी (2010).द रिलेशनशिप बिटविन रिलिजस् आइडेन्टिटी एण्ड स्प्रिरिचुअल इन्टेलिजेन्स इन आरडेबिल यूनिवर्सिटी रिसर्च्र, रिसर्च रिपोर्ट आरडेबिल यूनिवर्सिटी रिसर्च्र, फैक्ल्टि ऑफ लिटरेचर एण्ड ह्यूमैनटिज
डिपार्टमैन्ट ऑफ सायकोलोजी.
सुसान टी स्यून एट ऑल (2011).द रोल ऑफ इमोशनल इन्टेलिजेन्सी एण्ड स्प्रिचुअल इन्टेलिजेन्सी एट द वर्कप्लेस, जनरल ऑफ ह्यूमन रिसोर्स मेनेजमेंट रिसर्च आइ बी आइ एम ए पब्लिशिंग एट http://www.ibimapublishing.com

केंडी विगिल्सवर्थ (2011).स्प्रिचुअल इन्टेलिजेन्सी एण्ड इमोशनल इन्टेलिजेन्स, स्प्रिचुअल इन्टेलिजेन्सी एण्ड वाई इट मेर्टस, एट .godisaserialentrepreneur. com

सोलिमान जेलोउडर एण्ड फतेमेह लोत्फ़ि गोदर्शि (2012).वाट इज द रिलेशनशिप बिटविन स्प्रिचुअल इन्टेलिजेन्स एण्ड जॉब सेटिस्फेकशन अमंग एम.ए.एण्ड बी.एड.टीचर्स, इन्टरनेशनल जरनल ऑफ
बिजनस एण्ड सोशल साइसं वोल्यूम 3, 8, विशेष इश्यू अप्रेल.
मेक्स लैगोस्को (2012).स्प्रिचुअल इन्टेलिजेन्सी ;फद्धद अल्टिमेट लिडरशिप'' टूल'' एट
ww.allpm.com/index.php/free-resources/94-rticle/newletter-rticle/470

केंडी विगिल्सवर्थ (2012).एट .amazon.com/sq-twenty one spiritual intelligence dp/1590792351
इमदुद्दिन अबिदिन एट ऑल (2013).द इम्पेक्ट ऑफ स्प्रिचुअल इन्टेलिजेन्सी ऑन वर्क परॅफारमेन्सः केस स्टडीज इन गवरमेंट हास्पिटलस ऑफ इस्ट कास्ट ऑफ मलेशिया, सेन्टर ऑफ मॉडल लेग्वेज एण्ड हयूमन साइंस, यूनिवर्सिटी मलेशिया, पाहंग मलेशिया.

मरल अजीजी एण्ड मुस्तफा जमानियान (2013).द रिलेशनशिप बिटविन स्प्रिचुअल इन्टेलिजेन्स एण्ड व्हाकॅब्युलरि लर्निंग स्ट्रॅटिजिस इन ई एफ एल लर्नस, थ्योरी एण्ड प्रेक्टिस इन लेंग्वेज स्टडीज, अकेडमी पब्लिशर मॅन्यूफॅक्चर् इन फिनलेण्ड, वोल्यूम 3, 5, 852–858, मई .
शैलजा भगले एण्ड डॉ.संगीता महाजन (2013).स्प्रिरिचुअल इन्टेलिजेन्सी– इमरजिंग इश्यूज इन एड्यूकेशन, ऑनलाइन रिसर्च जनरल, 9, इश्यू– 1 नवम्बर.एट
wwww.emrj.net/dr.%20sangita%20mahajan
फतेमेह बघेशाहि एट ऑल (2014).एक्सप्लेन् द रिलेशनशिप बिटविन स्प्रिचुअल इन्टेलिजेन्स एण्ड

डेमोबग्राफिकल कॅरेक्टरस्टिकस ऑफ ऐक्टिव मैनेजर्स, केस स्टडी, 'मास्टर ऑफ एड्यूकेशन, इण्डियन
जरनल ऑफ फन्डामेंटल्स एण्ड एप्लाइड़ साइंस, वोल्यूम 4 (एस आई) अप्रेल–जून, 387–397.
अकरम कार्मी एवं मोहम्मद नेगी इमानी (2014).द रिलेशन बिटविन स्प्रिचुअल इन्टेलिजेन्सी एण्ड सेल्फ एफिकेसी इन हाई स्कूल टीचर्स ऑफ 18 डिस्ट्रिक'' एड्यूकेशन डिपार्टमेंट, तहरान, ईरान एट
www .martinia.com

ए.आर.जीईसेक (2014).द रिलेशन बिटविन स्पिचुअल इन्टेलिजेन्सी, माइन्डफूलनेस और ट्रांसफोरमेशन लिडरशिप अमंग पब्लिक हायर एड्यूकेशन लिर्डस्पी.एच.डी.इन एड्यूकेशन, नोर्थइस्टर्न यूनिवर्सिटी, कैसाचुसेट्स एट
irisilib.neu.edu/cgi/viewcontent.cgi?artical=1174
साद मोहम्मद कलन्तरकशेह, एट ऑल (2014).स्प्रिचुअल इन्टेलिजेन्सी एण्ड लाइफ सॅटिसफॅक्शन्
अमंग मैरिड एण्ड अनमैरिड फिमेल्सए ओपन जरनल ऑफ सोशल सांइस, इश्यू अगस्त, वोल्यूम 2,
172–177

तपन साहू (2014).अ कॉन्सेप्चुअल अनालेसिस ऑफ स्प्रिचुअल इन्टेलिजेन्सी एण्ड इटस् रिलवेंस एट
www.academia.edu/736512/a.conceptual-analysis-of–spiritual-intelligence-and-its relvance
एम.जे.स्मार्ट (2014).द रिलेशनशिप ऑफ स्प्रिचुअल इन्टेलिजेन्सी टू अचिवमेंट ऑफ सैकण्डरी स्टूडेन्टस्'' पीएच.डी.इन एड्यूकेशन, लिबर्टी यूनिवर्सिटी, लिसबर्ग.
एट
digitalcommons.liberty.edu/cgi/viewcontent.cgi?article=1865&contex

अहमद एम महास्नेह एट ऑल ;2015).द रिलेशनशिप बिटविन स्प्रिचुअल इन्टेलिजेन्स एण्ड
पर्सनल्टी,टेरिटस अमंग जार्डन यूनिवर्सिटी, एट www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/artical/PMC 4371652

मोहम्मद रजा ज़मानी एण्ड फारिबा कार्मी (2015).रिलेशनशिप बिटविन स्प्रिचुअल इन्टेलिजेन्स एण्ड जॉब सेटिस्फेकशन अमंग फिमेल हाई स्कूल टीर्चस, मार्च, वोल्यूम 10 (6), 739–743

मनसूर सोखन्दोम एट ऑल (2016).रोल ऑफ स्प्रिचुअल इन्टेलिजेन्सी इन डिफेन्सिव स्टाइल्स ऑफ नर्सिंग स्टूडेन्टसए वो.6 ए.4 एट http://www.davidbking.net/spiritualintelligence/sisri-24.pdf

मसूद सेइ (2016).द रिलेशनशिप बिटविन द एक्साइटमेंट एण्ड स्प्रिचुअल इन्टेलिजेन्स इन स्टूडेन्टस्
ऑफ नेटज पायम यूनिवर्सिटी पब्लिशड जनवरी एट नपरेण्नपण्ंबण्पतध्दउतरध्इतवूमण्चीचण?ं ऋपक= 205 – पक1–ेसबऋसवदहमद

T. M. Regd. No. 564639
Copyright Regd. No. © A-75899/2005 Dt. 13.5.06

Dr. Santosh Dhar (Jaipur)
Dr. Upinder Dhar (Jaipur)

Consumable Booklet of

SIS- DD

(English Version)

Please fill in the following informations :– Date 0 3 0 3 2 0 2 0

Name Tejaswani Srivastava

Father's Name P.C Srivastava Sex Female Date of Birth 06/03/97

Education B.com + M.com + B.Ed. Designation Member of NGO

Organization Women Led Science (NGO)

Length of Service Since 2019 - at present

INSTRUCTIONS

Keeping the organization for which you are working in mind, kindly write the number of your choice against each statement. There is no right or wrong answer. It is only exercise to get an idea of your perception about your workplace. The choices are : **Strongly agree, Agree, Not Sure, Disagree, Strongly Disagree.** Put a ☑ mark in the appropriate column which you deem best as your opinion for each of the 53 statements.

Put only one ☑ mark in the appropriate column.

If you wish to change your opinion for any statement, then cross the first opinion ☑ mark and put the new ☑ mark.

Make sure that you give your opinion on each statement.

Though there is no time limit, but you can answer all the statements in 20 to 25 minutes conveniently.

Your answers shall be kept strictly confidential and used for research purpose only.

SCORING TABLE

Dimensions	I	II	III	IV	V	VI	Total
Raw Score	32	29	37	27	57	54	236
Interpretation							

Estd. 1971 www.npcindia.com ☎:(0562) 260108

NATIONAL PSYCHOLOGICAL CORPORATION

UG-1, Nirmal Heights, Near Mental Hospital, Agra-282 007

Sr. No.	STATEMENTS	RESPONSE ALTERNATIVE					SCORE
		Strongly Agree	Agree	Not Sure	Dis-agree	Strongly Disagree	
1.	I am able to bring my "complete self" to work.	☐	☑	☐	☐	☐	4
2.	I am able to deploy full creativity, emotions and intelligence at workplace.	☐	☑	☐	☐	☐	4
3.	I often experience joy at the work-place.	☐	☑	☐	☐	☐	4
4.	I often feel excited about the nature of my job.	☐	☑	☐	☐	☐	4
5.	I have a strong sense of humor.	☐	☐	☑	☐	☐	3
6.	I am proud of my organization.	☐	☑	☐	☐	☐	4
7.	I am proud of my achievement.	☑	☐	☐	☐	☐	5
8.	Organizational success depends upon the extent an organization has learnt to foster spirituality.	☐	☑	☐	☐	☐	4

Dimensions	I		II				III	IV		V	VI
Item Sr. No.	5	8	1	2	3	4	—	6	7	—	—
Score	3	4	4	4	4	4		4	5		
Total	7		16					9			32

Sr. No.	STATEMENTS	RESPONSE ALTERNATIVE					SCORE
		Strongly Agree	Agree	Not Sure	Dis-agree	Strongly Disagree	
9.	I am able to express my emotions freely.	☐	☑	☐	☐	☐	4
10.	I have ability to realise my full potential as a person.	☐	☑	☐	☐	☐	4
11.	I am associate with an ethical organization.	☐	☑	☐	☐	☐	4
12.	I am engaged in an interesting work.	☐	☑	☐	☐	☐	4
13.	I have good colleagues.	☑	☐	☐	☐	☐	5
14.	I am associated with various bodies to serve mankind.	☐	☑	☐	☐	☐	4
15.	Beyond a certain threshold, money ceases to be the most important.	☑	☐	☐	☐	☑	1
16.	I like to extend service to future generations.	☐	☐	☑	☐	☐	3

Dimensions	I			II	III		IV		V	VI
Item Sr. No.	9	10	14	—	15	16	11	12	13	—
Score	4	4	4		1	3	4	4	5	
Total	12			1	4		8		5	29

Sr. No.	STATEMENTS	RESPONSE ALTERNATIVE					SCORE
		Strongly Agree	Agree	Not Sure	Dis-agree	Strongly Disagree	
17.	I am able to show more of intelligence than emotions and feeling at work.	☑	☐	☐	☐	☐	5
18.	I have availed ample opportunities to realize full potential as a person.	☐	☑	☐	☐	☐	4
19.	I often experience harmony and tend to be in touch with universe.	☑	☐	☐	☐	☐	5
20.	I rarely compromise on my basic values in making important decisions.	☑	☐	☐	☐	☐	5
21.	I believe in a higher power or God.	☑	☐	☐	☐	☐	5
22.	Sometimes, I pray for coworkers who were going through difficult times.	☑	☐	☐	☐	☐	5
23.	I pray to higher power or God to get me through the day.	☐	☑	☐	☐	☐	4
24.	I thank God for something good that happend.	☐	☑	☐	☐	☐	4

Dimensions	I				II	III			IV	V	VI
Item Sr. No.	17	18	19	20	22	21	23	24	—	—	—
Score	5	4	5	5	5	5	4	4			
Total	19				5	13					37

Sr. No.	STATEMENTS	RESPONSE ALTERNATIVE					SCORE
		Strongly Agree	Agree	Not Sure	Dis-agree	Strongly Disagree	
25.	Spirituality is intensely personal.	☑	☐	☐	☐	☐	5
26.	Higher power or God governs everythings.	☐	☑	☐	☐	☐	4
27.	A person must experience a severe crisis in order to embark on the search for spirituality.	☐	☑	☐	☐	☐	4
28.	I experience little tension or contradiction in what might seem to be irreconcilable opposites.	☐	☐	☐	☐	☑	1
29.	I move easily and confidently between the highest and the lowest social strata.	☐	☐	☐	☑	☐	2
30.	I pray everyday for guidance in making tough decisions.	☐	☐	☐	☑	☐	2
31.	I often have a feeling that no matter how bad things get, it will always work out somehow.	☑	☐	☐	☐	☐	5
32.	There is as much goodness in the world as there is evil.	☐	☑	☐	☐	☐	4

Dimensions	I				II	III		IV	V	VI
Item Sr. No.	25	28	29	30	—	26	32	27	—	31
Score	5	1	2	2		4	4	4		5
Total	10					8		4		5

Sr. No.	STATEMENTS	RESPONSE ALTERNATIVE					SCORE
		Strongly Agree	Agree	Not Sure	Dis-agree	Strongly Disagree	
43.	I forgive others for their mistakes.	☐	☑	☐	☐	☐	4
44.	I value people as human beings.	☑	☐	☐	☐	☐	5
45.	I help others without any expectations from them.	☑	☐	☐	☐	☐	5
46.	I do not keep ill feelings against anybody.	☐	☑	☐	☐	☐	4
47.	I trust in God.	☑	☐	☐	☐	☐	5
48.	I do not exploit people.	☑	☐	☐	☐	☐	5
49.	I possess a high degree of self awareness.	☑	☐	☐	☐	☐	5
50.	I sacrifice my pleasure for helping needy people.	☐	☑	☐	☐	☐	4
51.	I live life as an opportunity.	☑	☐	☐	☐	☐	5
52.	I stand against injustice	☑	☐	☐	☐	☐	5
53.	I do not hurt anyone deliberately.	☑	☐	☐	☐	☐	5

Dimensions	I			II				III		IV		V	VI
Item Sr. No.	44	48	49	45	50	51	52	47	53	43	46	—	—
Score	5	5	5	5	5	5	5	5	5	4	5		
Total	15			20				10		9			54

© All rights reserved. Reproduction in any form is a violation of Copyright Act. Consumable Booklet of